आज का मौसम
19.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.40

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या 01:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 18 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 349, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बोले- ममता पश्चिम बंगाल को बनाना चाहती हैं बांग्लादेश - 10

- कपड़ा, दवा इंजीनियरिंग को मुक्त व्यापार समझौते से लाभ - 10

- ईरान को अमेरिका की धमकियों का विरोध, बगदाद में सड़कों पर प्रदर्शन - 11

- महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स की मुंबई इंडियंस पर लगातार दूसरी जीत - 12

परत-दर-परत पाएंगे प्रदेश का हर जिला, खुशहाल।
भविष्य न हो बदहाल, सन-2027 में भी बनाए योगी-सरकार, हरहाल।।

नीरज सिंह
(निष्ठावान कार्यकर्ता, बी.जे.पी.)

साँईधाम मन्दिर फाउण्डेशन ट्रस्ट
रजिस्ट्रेशन संख्या : ब0स0-4- रजि0 सं0 349 / 2020
अपनी सरकार - योगी सरकार, पुन: चुने 2027 में
4/4, टी.सी.जी., होटल हयात के पास, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ -226010 | Mob. 9839163047

बरेली में बनेगी राज्य की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप : मणिकंदन

15 दिन बाद होगी टाउनशिप की घोषणा, यूपी को देश की इंडस्ट्रियल कैपिटल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बरेली विकास प्राधिकरण राज्य का ऐसा पहला विकास प्राधिकरण है, जो विश्वस्तरीय इंडस्ट्रियल टाउनशिप डेवलप करने की दिशा में बढ़ चला है। इस टाउनशिप में उद्यमियों को फ्री होल्ड प्लाट के साथ-साथ पानी, बिजली, सीवर, पार्किंग, सोलर और पाइप के जरिये गैस कनेक्शन उपलब्ध होंगे। यह पहली टाउनशिप होगी, जिसमें उद्यमी को एनओसी के लिए किसी भी विभाग के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन ने इंडिया फूड एक्सपो-2026 में बताया कि बरेली विकास प्राधिकरण की वेबसाइट पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप में जाते ही एनओसी का एक ऐप मिलेगा। इसी ऐप पर जाकर एनओसी के लिए एप्लाई करना होगा। एप्लाई करने के 15 दिन के भीतर सम्बंधित विभाग एनओसी जारी कर देगा।

टाउनशिप से 20 मिनट की दूरी पर है गंगा-एक्सप्रेस वे

उन्होंने बताया कि बरेली में इंडस्ट्रियल टाउनशिप ऐसी जगह पर विकसित की जा रही है, जहां से 20 मिनट में गंगा एक्सप्रेस वे पर पहुंचा जा सकता है। यह टाउनशिप लखनऊ-दिल्ली हाइवे को 35 मीटर चौड़ी सड़क से जोड़ेगी। इस टाउनशिप में 500 से 5000 वर्गफुट के प्लाट मिलेंगे। प्राधिकरण से नक्शा पास कराने की फीस 1510 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से अदा करना होगा। नक्शा पास होने के बाद प्राधिकरण सभी विभागों से एनओसी दिलाएगा।

लखनऊ के रिगेलिया ग्रीन्स में लगे इंडिया फूड एक्सपो में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते मुख्य अतिथि बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन। अमृत विचार

इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बरेली सबसे अच्छी जगह

प्राधिकरण उपाध्यक्ष मणिकंदन ने बताया कि अगले 15 से 20 दिन में इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप की घोषणा कर दी जायेगी। अगले 3 से 4 महीने में प्लाट आवंटन का काम शुरू हो जाएगा। अगले 20 से 25 साल में उत्तर प्रदेश देश की इंडस्ट्रियल कैपिटल होगा। उन्होंने कहा इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बरेली सबसे अच्छी जगह इसलिए है कि यहां से ' 'उत्तर प्रदेश' ' और ' 'भारत' ' दोनों की ' 'राजधानी' ' बराबर दूरी पर है और दोनों स्थानों पर साढ़े 3 से 4 घंटे में पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास इस तरह से किया जा रहा है कि हर प्लाट के सामने 18 मीटर चौड़ी सड़क होगी। उन्होंने कहा कि उद्यमी आयें और अपने सुझाव दें। हम हर सुझाव पर विचार करेंगे। जो सुझाव भी टाउनशिप को और बेहतर बना सकते हैं उसे योजना में शामिल किया जाएगा।

अलग होगा बिजली सब स्टेशन

उपाध्यक्ष ने बताया कि इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बिजली विभाग का अलग सब स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा, ताकि उद्यमियों को बिजली की समस्या से न जूझना पड़े। उन्होंने बताया कि उद्यमी को जिस दिन प्लाट एलाट हो जाएगा, उसी दिन से उसकी किस्तें शुरू हो जायेंगी।

सेलर्स और बायर्स 'एक साथ एक छत के नीचे'

विशेष बातचीत

मंजिल की ओर और आगे बढ़े : चेतन देव भल्ला

इंडिया फूड एक्सपो-2026 के चेयरमैन 'चेतन देव भल्ला' फूड एक्सपो के दूसरे दिन उमड़ी उद्यमियों की भीड़ देखकर खासे उत्साहित नजर आये। उनसे यह पूछने पर कि एक्सपो के 10वें संस्करण पर कैसा महसूस कर रहे हैं, वह बोले कि लगता है कि अपनी मंजिल की तरफ हम एक कदम और आगे बढ़ गये हैं। इसमें 90 कंपनियों के 115 स्टाल हैं, जबकि पहली बार सिर्फ 35 स्टाल ही थे। कल एक्सपो का पहला दिन था। पहले दिन 5 हजार उद्यमियों ने एक्सपो देखा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो में 500 से 800 करोड़ बिजनेस की उम्मीद है। एक से तीन वर्ष में लगभग 3 हजार करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन फंड प्रोसेसिंग का ईको सिस्टम डेवलप करेगी। उन्होंने कहा कि अगले साल लगने वाले एक्सपो में 300 स्टाल आने की उम्मीद है। हम उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा एक्सपो लगाना चाहते हैं।

एक्सपो का मकसद गति पकड़ रहा : डीएस वर्मा

आईआईए के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर 'डीएस वर्मा' का मानना है कि जानकारियां करती उद्यमियों और युवाओं की जुटान बता रही है कि एक्सपो का मकसद गति पकड़ रहा है। लोग आज प्रदर्शनी के स्टालों पर एकत्र हैं और वहां से वह अपनी आवश्यकतानुसार कुछ न कुछ निकाल रहे हैं। सरकार की भी प्राथमिकता है कि किसानों की आय दोगुनी हो। इसी दिशा में काम तेज है। कृषकों की आय दोगुना करना, फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है। उत्पादन की प्रोसेसिंग से किसानों की आय में वृद्धि होना तय है। उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तो यूनिटें बढ़ेंगी और आय में इजाफा होगा ही। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए यह बहुत ज्यादा उपयोगी होने वाला है। लोगों के सवाल और उद्यम लगाने की जानकारी करना भविष्य के अच्छे संकेत दे रहा है।

एक्सपो में 'फुटफॉल' बढ़ा : आलोक अग्रवाल

आईआईए के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट आलोक अग्रवाल कहते हैं कि उद्यमियों, उत्पादकों और विभिन्न इंडस्ट्रीज की आज मजबूत उपस्थित फूड एक्सपो की मंशा को स्पष्ट कर रहा है। एक्सपो में आज 'फुटफॉल' काफी बढ़ा है। निश्चित तौर पर हम सही दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सेलर्स और बायर्स दोनों को 'एक साथ एक छत के नीचे' लाकर उनकी राह आसान कर रहे हैं। उन्हें एक ही मंच पर उद्यम से रिलेटेड सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्पादकों की अच्छी संख्या है तो विभागीय अधिकारी भी हैं। किसानों की जरूरतों के ' 'सवालों' ' पर 'उत्तर' दे रहे हैं। उद्यमी संतुष्टि के भाव के साथ न केवल सेमिनार में बल्कि प्रदर्शनी के स्टॉलों पर भी जुट रहे हैं। उन्हें उद्यम शुरू करने और उसे आगे ले जाने के लिए बारीक से बारीक जानकारियां दे रहे हैं। ऐसे में बड़े निवेश की उम्मीद है।

जमीन हो रही कम इसलिए बढ़ा नॉनवेज का चलन

फार्म वाला अंडा होता है वेज क्योंकि इसमें नहीं होते सेल : डॉ. ब्रजेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इंडिया फूड एक्सपो-2026 में पशु पालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लगातार कृषि की जमीनों में कमी आने से वेज कम हो रहा है और नॉनवेज बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फार्म का अंडा वेज होता है, क्योंकि इसमें सेल नहीं होते।

डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि व्यक्ति का जितना वजन किलोग्राम में होता है, उतने ग्राम प्रोटीन की उसे रोजाना जरूरत होती है। एक अंडे में 12 ग्राम प्रोटीन होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खपत से आधा अंडा ही पैदा हो पाता है। उन्होंने बताया कि अंडे की कमी को पूरा करने के लिए सरकार पोल्ट्री फार्म के उद्योग को बढ़ावा दे रही है। पोल्ट्री फार्म के लिए 7 फीसदी ब्याज पर ऋण मिलता है। पोल्ट्री फार्म के लिए खरीदी जाने वाली जमीन पर स्टाम्प शुल्क कम लगता है। 10 साल तक एक लाख यूनिट प्रतिवर्ष की खपत में टैक्स नहीं देना पड़ता।

सेमिनार में संबोधित करते पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी।

चीन के प्लास्टिक अंडे की सप्लाई सच्चाई नहीं

डॉ. त्रिपाठी ने चाइना से प्लास्टिक के अंडे सप्लाई किये जाने की बात पर कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। प्लास्टिक का अंडा महंगा पड़ता है, जबकि फार्म का अंडा आधी कीमत में आसानी से मिलता है। उन्होंने कहा, अंडा खाने से कैंसर होने की बात को सिरे से नकार दिया। एफएसआई ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है। उन्होंने उस भ्रांति को भी गलत बताया कि चूजे को इंजेक्शन लगाकर वह तेजी से बड़ा हो जाता है।

स्टार्टअप के लिए आयोजन बहुत अच्छा : विकास खन्ना

आईआईए लखनऊ चैप्टर के चेयरमैन विकास खन्ना कहते हैं कि यह 10वां बड़ा संस्करण है। स्टार्टअप के लिए यह आयोजन बहुत अच्छा है। उद्यमियों के आज का फुटफॉल देख उनके चेहरे पर संतोष के भाव उभरते हैं। वे कहते हैं कि उद्यमियों की यह जुटने वाली भीड़ बता रही है कि एक्सपो का मकसद सही लाइन पर है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों से आ रहे किसान, उत्पादक, उद्यमियों के लिए यह एक बेहतरीन अवसर है। लॉजिस्टिक इंडस्ट्री को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है। फूड की प्रोसेसिंग को लेकर तमाम जानकारी एक मंच से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एक्सपो का उद्देश्य निवेश बढ़ाना : डॉ. सुनील

अमृत विचार : पशुपालन विभाग के डॉ. सुनील राठौर ने बताया कि फूड एक्सपो का उद्देश्य निवेश को बढ़ाना है। पशुपालन विभाग का लक्ष्य 1000 करोड़ था, लेकिन हमने 2074 करोड़ का निवेश हासिल कर लिया है। बताया कि भारत में सबसे ज्यादा दूध का उत्पादन उप्र. में होता है, लेकिन उसकी मार्केटिंग नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि श्वेत क्रांति के समय भारत में क्रॉस ब्रीडिंग की नीति को अपनाया गया। उस नीति ने भारत को दूध उत्पादन में नंबर वन पर पहुंचा दिया, लेकिन क्रॉस ब्रीडिंग से पशुओं में बीमारियां ज्यादा आ रही थीं। अब सरकार ने स्वदेशी नस्लों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। इसमें 25 गायें 64 लाख रुपये में आएंगी, जिसमें यूपी सरकार 25 लाख रुपये की सब्सिडी देगी। ऑनलाइन अप्लाई करने पर सब्सिडी मिल जाती है।

CITY MONTESSORI SCHOOL

LUCKNOW

Gateway to the World's Brightest Futures

CMS CITY MONTESSORI SCHOOL

GUINNESS RECORD HOLDER AS THE WORLD'S LARGEST SCHOOL

UNESCO City Montessori School is the Recipient of the 2002 UNESCO Prize for Peace Education

19 CMS alumni selected in All India Civil Services (UPSC) in past three years (2023 to 2025)

82 since 2011 (last 14 years)

All India Rank 1
in All India Civil Services
(UPSC 2024)

Aditya Srivastava
CMS Aliganj Campus

AIR 46 UPSC 2023 — **Naman Agarwal** CMS Rajendra Nagar

AIR 80 UPSC 2023 — **Anuja Trivedi** CMS Gomti Nagar

AIR 236 UPSC 2023 — **Aditya Srivastava** CMS Aliganj

AIR 246 UPSC 2023 — **Amit Gupta** CMS Mahanagar

AIR 379 UPSC 2023 — **Rajat Singh** CMS Gomti Nagar

AIR 572 UPSC 2023 — **Sakshi Mohan** CMS Rajendrda Nagar

AIR 633 UPSC 2023 — **Anushri Sachan** CMS Kanpur Road

AIR 15 UPSC 2024 — **Kunal Rastogi** CMS Gomti Nagar

AIR 197 UPSC 2024 — **Mrinal Kumar** CMS Kanpur Road

AIR 260 UPSC 2024 — **Shivansh Asthana** CMS Rajipuram

AIR 324 UPSC 2024 — **Jahnavi Dubey** CMS Kanpur Road

AIR 704 UPSC 2024 — **Samyak Chaudhary** CMS Kanpur Road

AIR 874 UPSC 2024 — **Abhyudai Pratap** CMS Gomti Nagar

AIR 74 UPSC 2025 — 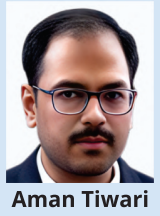 **Aman Tiwari** CMS Gomti Nagar

AIR 104 UPSC 2025 — **Prashant Singh** CMS Aliganj

AIR 124 UPSC 2025 — 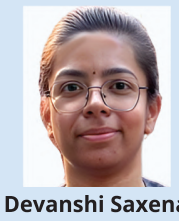 **Devanshi Saxena** CMS Mahanagar

AIR 132 UPSC 2025 — 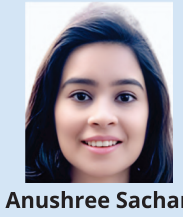 **Anushree Sachan** CMS Kanpur Road

AIR 220 UPSC 2025 — **Rajat Singh** CMS Gomti Nagar

HIGHLIGHTS of 2025

152 CMS students selected in **NEET**

43 CMS students selected in **JEE Advanced**

73 CMS students selected in **CLAT**

75 CMS students selected in top **Universities of the World, 54 with scholarships**

To see our top UPSC selections, scan QR code

CMS now has a campus at JANKIPURAM (KURSI ROAD)

CMS ADVANTAGE: Unprecedented global exposure | Teacher-Guardian Home Visit scheme | Quality Assurance Department | www.cmseducation.org

आज का मौसम
19.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.40

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या 01:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 18 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 349, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बोले- ममता पश्चिम बंगाल को बनाना चाहती हैं बांग्लादेश
- 10

■ कपड़ा, दवा इंजीनियरिंग को मुक्त व्यापार समझौते से लाभ
- 10

■ ईरान को अमेरिका की धमकियों का विरोध, बगदाद में सड़कों पर प्रदर्शन
- 11

■ महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स की मुंबई इंडियंस पर लगातार दूसरी जीत
- 12

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अखबार बचपन का पहला शब्दकोश व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

गुजरात के कच्छ में 4.1 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद। कच्छ जिले में शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आने से लोगों में दहशत फैल गई। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान के अनुसार, भूकंप शुक्रवार रात एक बजकर 22 मिनट पर आया और इसका केंद्र खावड़ा से 55 किमी उत्तर-उत्तरपूर्व में था। अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित कच्छ जिले में कम तीव्रता के नियमित भूकंप आते रहते हैं। 26 जनवरी 2001 को कच्छ में आए भूकंप से भारी तबाही के साथ 13,800 लोगों की मौत हो गई थी।

गाजा पुनर्निर्माण के लिए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हुए अजय बंगा

वाशिंगटन। विश्व बैंक समूह के भारतीय मूल के अध्यक्ष अजय बंगा और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को गाजा पुनर्निर्माण के लिए 'बोर्ड ऑफ पीस' में नामित किया गया है। बोर्ड का गठन संघर्ष समाप्त करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना के तहत किया गया है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'बोर्ड ऑफ पीस' के सदस्यों की सूची जारी की। इसमें वे नेता शामिल हैं जिनके पास राजनय, विकास, बुनियादी ढांचे और आर्थिक रणनीति का अनुभव है।

दिल्ली में फिर लागू हुए ग्रैप- 4 प्रतिबंध

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच जाने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चरण-4 के तहत प्रतिबंध लागू कर दिए। सीएक्यूएम ने शुक्रवार को ही दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध लागू किए थे।

विकसित देश भी कर रहे हैं घुसपैठियों पर कार्रवाई, बंगाल के लिए ये बड़ी चुनौती

मोदी ने मालदा में किया चुनावी संग्राम का आगाज, तृणमूल पर घुसपैठियों के संरक्षण का आरोप

मालदा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी संग्राम का आगाज करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया और आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया है और इसी के कारण दंगे हुए हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण और सिंडिकेट राज के चलते घुसपैठ में वृद्धि हुई है। मोदी ने एसआईआर पर जारी विवाद के बीच उन शरणार्थियों को चिंता न करने को कहा जो बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन कर भारत आए हैं।

मोदी ने मुस्लिम बहुल जिले मालदा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि घुसपैठ पश्चिम बंगाल के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों पर नकेल कसने और अवैध प्रवासन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, दुनिया में ऐसे विकसित और समृद्ध देश हैं जिनके पास धन की कोई कमी नहीं है, फिर भी वे घुसपैठियों को बाहर निकाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल से घुसपैठियों को निकालना भी उतना ही आवश्यक है। मोदी ने दावा किया कि घुसपैठ से राज्य के कई हिस्सों में जनसांख्यिकीय संतुलन बदल गया है। कहा, लोग मुझे बताते हैं कि कई जगहों पर तो बोली जाने वाली भाषा भी बदलने लगी है। भाषा और बोली में अंतर उभरने लगे हैं। घुसपैठियों की बढ़ती आबादी के कारण पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद सहित कई इलाकों में दंगे होने लगे हैं।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सिंडिकेट व्यवस्था राज्य में घुसपैठियों को बसाने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों और सत्तारूढ़ दल के बीच सांठगांठ है। आपको इस सांठगांठ को तोड़ना होगा। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही भाजपा की सरकार बनेगी, घुसपैठ और घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री ने 2019 से भाजपा के प्रमुख वोट बैंक रहे मतुआ समुदाय को भरोसा दिलाया कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस की गुंडागर्दी और गरीबों को धमकाने की राजनीति का जल्द अंत होगा। दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों से घिरा पश्चिम बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को हावड़ा एवं गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की रेल एवं सड़क परियोजनाओं की शुरुआत की।

● पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत

मोदी ने चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई जो न्यू जलपाईगुड़ी को नागरकोइल और तिरुचिरापल्ली तथा अलीपुरद्वार को एसएमवीटी बेंगलुरु और मुंबई (पनवेल) से जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री ने मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच देश की सबसे उन्नत और पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली जोड़ी का उद्घाटन किया। उन्होंने गुवाहाटी-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को भी यहीं से डिजिटल तरीके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शिंदे गुट का बीएमसी के मेयर पद पर दावा, महायुति में रस्साकशी

● ढाई साल का कार्यकाल मांगा, नवनिर्वाचित पार्षदों को होटल में ठहराया

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के ऐन बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मेयर पद को लेकर महायुति के घटक दल भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) में रार शुरू होने के संकेत सामने आए हैं। शिंदे गुट ने ढाई साल के लिए यह पद अपनी पार्टी को देने की मांग पेश कर दी है, जबकि भाजपा नतीजे आने के फौरन बाद बीएमसी में अपना पहला मेयर बनाने की घोषणा कर चुकी है।

इस बीच शिंदे गुट ने अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को बांद्रा के एक आलीशान होटल में स्थानांतरित कर दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने उन्हें व्यस्त चुनावी माहौल के खुद को तरोताजा करने का मौका देने की बात कही है। शिंदे गुट की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने तर्क दिया है कि बालासाहेब ठाकरे के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह पद उनकी पार्टी को मिलना चाहिए। नए मेयर का चुनाव 26 जनवरी के बाद होने की संभावना है क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दावोस के निवेश शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने गए हैं। उनके 25 जनवरी को लौटने के बाद नगर विकास विभाग मेयर पद के लिए आरक्षण की लॉटरी निकालेगा और चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। शुक्रवार को हुई मतगणना में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के गठबंधन ने 227 सदस्यीय बीएमसी में स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जिसमें उन्हें क्रमशः 89 और 29 सीट मिलीं। बीएमसी के चुनाव में शिवसेना (उबाठा) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसे 65 और मनसे को छह सीट मिली हैं। वंचित बहुजन आघाडी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 24 सीट, एआईएमआईएम को आठ, राकांपा को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और राकांपा (शप) को सिर्फ एक सीट मिली है।

उद्धव ठाकरे बोले- देवा ने चाहा तो मेयर हमारा होगा

बीएमसी के मेयर को लेकर ताजा राजनीतिक समीकरणों के बीच उद्धव ठाकरे ने यह कहकर अटकलों को और हवा दे दी है कि अगर देवा (भगवान) की इच्छा हुई तो महापौर उनकी पार्टी का हो सकता है। उद्धव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत में कहा कि मुंबई में शिवसेना (उबाठा) का महापौर बनाना मेरा सपना है। देवा की इच्छा हुई तो ऐसा हो सकताहै। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई का मेयर महायुति का ही होगा।

विदेशी दबाव के बजाय राष्ट्रीय हित के आधार पर हों संधियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संधियां राष्ट्रीय हित के आधार पर होनी चाहिए न कि विदेशी सरकारों या निगमों के दबाव में। कोर्ट ने कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कर समझौते करते समय अपनी कर संप्रभुता की रक्षा के साथ निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की ये टिप्पणियां उस फैसले के दौरान आईं, जिसमें शीर्ष अदालत ने घरेलू राजस्व अधिकारियों के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका स्थित निवेशक कंपनी 'टाइगर ग्लोबल' द्वारा 2018 में फ्लिपकार्ट से बाहर निकलने पर उत्पन्न पूंजीगत लाभ भारत में कर के योग्य है। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने एक अलग लेकिन सहमति वाला फैसला लिखा, जिसमें स्पष्ट किया

● शीर्ष कोर्ट ने कहा- अंतर्राष्ट्रीय कर समझौतों में भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करे भारत

गया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कर संधियों के प्रति किस तरह का व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, कर संधियां, अंतरराष्ट्रीय समझौते, प्रोटोकॉल और सुरक्षा उपाय अत्यंत सहभागी, पारदर्शी होने चाहिए और उनमें समय-समय पर समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संधि से बाहर निकलने के मजबूत प्रावधानों के साथ पुनः वार्ता की शक्ति भी होनी चाहिए ताकि अनुचित परिणामों से बचा जा सके। टाइगर ग्लोबल ने 2018 में तब फ्लिपकार्ट से बाहर निकलने का फैसला किया था, जब वॉलमार्ट इंक ने भारतीय ई-वाणिज्य कंपनी में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की थी। इसके बाद टाइगर ग्लोबल ने फरवरी 2019 में इस मामले पर आयकर विभाग से अग्रिम प्राधिकरण निर्णय के लिए संपर्क किया था।

छांगुर बाबा के करीबी को नागपुर से दबोचा

लखनऊ। एटीएस ने छांगुर बाबा के खास सहयोगी ईदु इस्लाम को शनिवार तड़के महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया। यह संयुक्त कार्रवाई महाराष्ट्र और यूपी एटीएस तथा स्थानीय पुलिस की टीम ने की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, ईदु इस्लाम यूपी में दर्ज गंभीर मामलों में वांछित था और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी था। खुफिया इनपुट के आधार पर सुबह करीब पांच बजे नागपुर के पचपावली थाना क्षेत्र के आशी नगर में ऑपरेशन चलाया गया। किसी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति से बचने के लिए कार्रवाई बेहद गोपनीय और सतर्कता के साथ की गई। पुलिस टीम ने आशी नगर की संकरी गली से बिना किसी विरोध के आरोपी को हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसियों का कहना है कि इधु इस्लाम लंबे समय से फरार था और धर्मांतरण नेटवर्क में फंडिंग और लॉजिस्टिक्स की अहम जिम्मेदारी संभालता था। नागपुर में उसके मजबूत संपर्क बताए जा रहे हैं।

ईरान में हिरासत में लिए गए मर्चेंट नेवी के कई कर्मचारी

नई दिल्ली/गाजियाबाद, एजेंसी

● तेल टैंकर जहाज पर थे तैनात, एक के पिता ने केंद्र से लगाई गुहार

ईरान में मर्चेंट नेवी के एक तेल टैंकर जहाज को रोककर उस पर कार्यरत कई भारतीय कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया गया है। इन भारतीयों में से एक गाजियाबाद निवासी इंजीनियर केतन मेहता के पिता ने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से अपने बेटे समेत सभी भारतीयों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की है।

तेल टैंकर पर तीसरे इंजीनियर के रूप में तैनात केतन मेहता के पिता मुकेश मेहता ने कहा कि उन्होंने मानवीय आधार पर बेटे समेत सभी भारतीयों की तत्काल रिहाई सुनिश्चित कराने के लिए पत्र लिखे हैं। मुकेश ने बताया कि केतन दुबई की कंपनी प्राइम टैंकर एलएलसी संचालित तेल टैंकर एमटी ब्रिलियंट रोअर पर कार्यरत है। इस जहाज को पिछले दिनों ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर रोक लिया गया और केतन सहित चालक दल के सभी सदस्यों को ईरानी अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। मुकेश ने कहा कि उनके बेटे ने कोई अपराध नहीं किया, न ही किसी कानून का उल्लंघन किया है। मुकेश ने कहा कि यह भी पता नहीं लग पा रहा है कि वे लोग किस हालत में हैं। उधर, कई भारतीय नागरिक वाणिज्यिक उड़ानों से स्वदेश लौट आए हैं। ये उड़ानें शुक्रवार रात दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरीं। हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि इन उड़ानों से कितने भारतीय स्वदेश लौटे हैं।

बांग्लादेश : हिंदू युवक की कार से कुचलकर हत्या

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक कार चालक ने पेट्रोल पंप पर काम करने वाले एक हिंदू युवक को कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक पेट्रोल की कीमत दिए बगैर जा रहा था जिसे युवक ने रोकने की कोशिश की थी। राजबाड़ी जिले में शुक्रवार को हुई इस घटना को लेकर हालांकि अभी यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि हिंदू युवक को जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा का शिकार बनाया गया या नहीं। पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मृतक की पहचान रिपन साहा (30) के रूप में हुई है जो गोलंदा मोड़ स्थित करीम पेट्रोल पंप पर काम करता था।

बादलों सा घना कोहरा

प्रयागराज में शनिवार सुबह घने कोहरे से घिरा श्री आदि शंकर विमान मंडपम।

शुरुआत

प्रदेश के छह जिलों में 1500 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत न्यायालय परिसर का शिलान्यास

पूरे देश के लिए उदाहरण बनेगा उत्तर प्रदेश का मॉडल : सीजेआई

● चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया में शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के न्यायिक इतिहास में शनिवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। चंदौली जनपद से सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई न्यायमूर्ति एस सूर्यकांत, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया समेत छह जिलों में लगभग 1500 करोड़ रुपये से बनने वाले एकीकृत न्यायालय परिसरों का भूमि पूजन व शिलान्यास किया।

सीजेआई ने कहा कि यूपी का एकीकृत कोर्ट मॉडल आम आदमी के संवैधानिक सपनों को साकार करने वाला कदम है। यह देश के अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बनेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह भी कहा कि जब भी वे अन्य राज्यों में जाएंगे, वहां उत्तर प्रदेश के न्यायिक ढांचे और सुविधाओं का उल्लेख अवश्य करेंगे। न्याय व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही है कि आम नागरिक को उसके नजदीक, सुगम और सुलभ न्याय मिले। इससे पहले मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति एस. सूर्यकांत समेत कार्यक्रम में आए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्र, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता तथा वरिष्ठ न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

चंदौली में एकीकृत न्यायालय परिसर के शिलान्यास अवसर पर भूमि पूजन करते सीजेआई सूर्यकांत और मुख्यमंत्री योगी।

एकीकृत न्यायालय परिसर में ये खास

● छह जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई शुरुआत ● एक छत के नीचे कोर्ट, अधिवक्ता चैंबर, अन्य सुविधाएं ● हाईराइज इमारतों में वकीलों के लिए सुव्यवस्थित चैंबर ● न्यायिक अधिकारियों के आवास, पार्किंग, खेल सुविधाएं ● सरकार की ओर से पूर्ण वित्तीय सहयोग का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने कहा, हर जिले में बनेंगे एकीकृत न्यायालय परिसर

योगी ने न्यायपालिका के इतिहास के नए पृष्ठ का सृजन बताते हुए कहा कि एक छत के नीचे सभी सुविधाओं वाले एकीकृत न्यायालय परिसर की परिकल्पना साकार हो रही है। पहले चरण में छह जिलों के लिए धनराशि अवमुक्त हो चुकी है और डिजाइन स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। योगी ने एलान किया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में ऐसे आधुनिक न्यायालय परिसर विकसित किए जाएंगे। कहा, अब अधिवक्ताओं को जर्जर चैंबरों में काम नहीं करना पड़ेगा, उन्हें हाईराइज इमारतों में सुव्यवस्थित चैंबर उपलब्ध होंगे।

जिला न्यायालयों में बनाएं महिला बार रूम और स्वास्थ्य केंद्र

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि जनपद न्यायालयों में प्रैक्टिस करने वाली महिलाओं के लिए अलग से बार रूम बनें। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से अनुरोध किया कि कॉम्प्लेक्स में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बन जाए। सीजेआई ने कहा कि इससे बुजुर्गों, वादकारियों आदि को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी निजात मिल जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट टूर्नामेंट में उन्नाव की टीम जीती

अमृत विचार, निगोहां : शेखपुर स्थित टोल प्लाजा के पास चल रहे भोले बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को निगोहां प्रेस क्लब और निगोहां थाने की टीमों में मैत्री मैच खेला गया। टॉस जीत कर निगोहा प्रेस क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 195 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी निगोहा थाने की टीम 13 ओवर में 118 रन बना कर आल आउट हो गई। पांच विकेट और आठ रन बनाने वाले राज पांडे मैन ऑफ द मैच चुने गए। इसके बाद लीग मैच रानू प्रधान उन्नाव और बछरावां इलैवन स्टार के बीच खेला खेला गया। बछरावां इलैवन स्टार की टीम 51 रन बना कर सिमट गई। रानू प्रधान की टीम ने 9 विकेट से मैच जीत लिया। 4 विकेट चटकाने वाले मन्नू मैच के मैन ऑफ द मैच चुने गए। मुख्य अतिथि मोहनलालगंज के सांसद आर. के चौधरी और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अंबरीश पुष्कर ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। आयोजक अनमोल तिवारी ने सांसद और पूर्व विधायक का स्वागत किया।

मामूली विवाद में युवक को मारा चाकू, भर्ती

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के रामदासपुर गांव में बारात में हुव विवाद में तीन लोगों ने युवक को चाकू मार दिया। रामदासपुर निवासी पीड़ित शंकर का कहना है कि 16 जनवरी की रात नोएडा से उसके गांव बारात आई थी। बारात के दौरान किसी बात को लेकर बवाल हो गया। इसी दौरान बदाली खेड़ा चिल्लावां निवासी देवीदयाल पहलवान, उसका भाई शंकर और धर्मपाल उर्फ धर्मिया ने उनके बेटे सचिन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल युवक सचिन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला किशोर का शव

अमृत विचार , गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 17 वर्षीय किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि मृतक की पहचान मयंक उर्फ गोली (17) निवासी सेवई गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद मयंक गुस्से में घर से निकल गया। कुछ देर बाद वह रेलवे ट्रैक के पास ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

चेन लूटने वाला गिरफ्तार, माल बरामद

अमृत विचार, सरोजनीनगर : शाहखर्ची के लिए चेन लूट के आरोपी राहुल अरोड़ा निवासी एलडीए कॉलोनी सेक्टर-डी कृष्णानगर हालपता रॉयल सिटी औरंगाबाद बिजनौर को बिजनौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लूटी गई चेन बरामद कर आरोपी को जेल भेज दिया है। उन्नाव के औरास स्थित टिकरा सामद गांव निवासी राजकिशोर द्विवेदी पत्नी रीना व परिवार के साथ बिजनौर में किराए पर रहती हैं। गुरुवार शाम स्कूटी से आया बदमाश चेन लूट कर भाग निकला था।

ट्यूबवेल के तार जुड़वा दें, खराब हो रहीं फसलें

सरोजनीनगर तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में रामचौरा गांव के किसान ने लगाई गुहार

संवाददाता सरोजनीनगर

अमृत विचार: सरोजनीनगर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में रामचौरा गांव के किसान शिव शंकर ने ट्यूबवेल के चोरी गए तार जुड़वाने की गुहार लगाई। कहा कि, बिजली के अभाव में ट्यूबवेल न चलने से 100 से अधिक किसानों की फसलें खराब हो रही हैं। किसान ने बताया कि 30 नवंबर को ट्यूबवेल के खंभों के तार चोरी काट ले गए थे।

गहरू पावर हाउस में सूचना देने पर अवर अभियंता ने पांच दिन में तार लगवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है। किसान ने जल्द से जल्द तार लगवाकर ट्यूबवेल का संचालन शुरू कराने की गुहार लगाई है। कई विभागों के अधिकारियों के न पहुंचने से ज्यादातर फरियादियों को मायूस लौटना पड़ा। एसडीएम अंकित शुक्ला की अध्यक्षता में हुए समाधान दिवस में रहीमाबाद गांव के छेदा लाल गौतम, नन्हेंलाल, सुभाष, शिवराम रावत, मुन्नी देवी, धनीराम, शंकर, सुरेश गौतम और प्रेमचंद ने गांव में शमशान की भूमि पर कब्जे की शिकायत की।बताया कि कब्जे के कारण अंतिम संस्कार करने में दिक्कत हो रही है। चंद्रावल के रमन यादव, शैलेंद्र कुमार, दीपक कुमार, राजेश सिंह, सुधीर, प्रमोद यादव और मनोज लोगों ने मोतीलाल मेमोरियल सोसायटी पर बंजर, तालाब, आबादी की भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य कराने का आरोप लगाया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं।

सरोजनीनगर तहसील में शिकायत सुनते एसडीएम अंकित शुक्ला। अमृत विचार

- 30 नवंबर को चोर काट ले गए थे चार खंभों के तार
- जेई ने पांच दिन में तार लगवाने का दिया था आश्वासन

बीकेटी में जिलाधिकारी ने सुनीं शिकायतें

अमृत विचार, लखनऊ : जिलाधिकारी ने बीकेटी तहसील में शिकायतें सुनीं। यहां 131 शिकायतें आईं, जिसमें 37 का मौके पर निस्तारण किया दिया गया। तहसील सदर में 36 में 4, मलिहाबाद में 52 में 4, मोहनलालगंज में 133 में 34 और सरोजनीनगर में 93 में 8 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण मौके हुआ।

मोहनलालगंज तहसील दिवस में धरने पर बैठे अधिवक्ता। अमृत विचार

अधिकारियों के न पहुंचने से निराश लौटे फरियादी

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज तहसील में उपजिलाधिकारी पवन पटेल, एसीपी विकास कुमार पांडे और तहसीलदार रितुराज शुक्ला ने सुनवाई की। कई अहम विभागों के अधिकारी नहीं पहुंचने से ज्यादातर फरियादी निराश लौटे। घोड़सारा गांव के कुछ लोगों ने खाद के गड्ढे व खलिहान दर्ज भूमि पर कब्जा होने की शिकायत की। बताया कि छह समाधान दिवस में शिकायत के बाद भी कब्जा नहीं हटाया जा रहा है। एसडीएम ने राजस्व टीम को जांच कर कब्जा हटाने के आदेश दिए। अतरौली के ग्रामीणो ने फुलवरिया में चकमार्ग और ऊसर भूमि पर एक मिशनरी संस्था पर कब्जा करने का आरोप लगाया। बतायाकि कब्जा कर बाउंड्रीवाल बना ली गई है। इससे खेतों तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। एसडीएम ने कब्जा हटवाने का आदेश दिया।

अधिवक्ताओं ने किया धरना और प्रदर्शन

अमृत विचार, मोहनलालगंज : समय से वरासत, मुकदमों की सुनवाई होने और उपनिबंधक कार्यालय को दूर स्थानांतरित करने के विरोध में तहसील के अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया, इससे एक घंटे समाधान दिवस में सुनवाई बाधित रही। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि बार एसोसिएशन के परामर्श लिए बिना उपनिबंधक कार्यालय को दूर स्थानांतरित कर दिया गया है। लेखपालों पर समय पर आख्या न देने और अधिवक्ताओं व वादकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। एसडीएम ने एक सप्ताह में समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि समाधान होने तक एक सप्ताह न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे।

सड़क हादसे में वॉलीबॉल खिलाड़ी व युवती की मौत

बेकाबू स्कार्पियो ने मारी स्कूटी में टक्कर

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : बंथरा स्थित बनी-मोहान रोड पर शनिवार शाम बेकाबू स्कार्पियो ने एक स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार वॉलीबॉल खिलाड़ी और युवती कुछ मीटर तक घिसटते चले गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद स्कार्पियो सवार लोग गाड़ी छोड़कर भाग निकले।

लतीफ नगर बंथरा निवासी अवधेश त्रिवेदी ब्रेड का व्यवसाय करते हैं। उनका बेटा अर्पित त्रिवेदी (24) वॉलीबॉल खिलाड़ी था। साथ ही वह सैनिक स्कूल में स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग देता था। उसकी मित्र सहिजनपुर निवासी काजल रावत (21) बंथरा के रामगढ़ी स्थित अमेजॉन वेयरहाउस में नौकरी करती थी। शनिवार शाम को काजल की बस छूट गयी थी। इसपर उसने स्कूटी सवार अर्पित से लिफ्ट मांगी थी। शाम करीब 7 बजे स्कूटी से बनी-मोहान रोड होते हुए कटी बगिया जा रहे थे।

वेयरहाउस से करीब 500 मीटर पहले कटी बगिया की ओर से आ रही बेकाबू स्कार्पियो ने सामने से स्कूटी में जोरदार ठोकर मार दी। स्कॉर्पियो की ठोकर लगने से दोनों उछल कर काफी दूर तक घिसटते हुए चले गए। हादसे में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्कार्पियो अनियंत्रित होकर लहराई और फिर टक्कर मारने के बाद सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इसके बाद उसमें सवार लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायलों को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अर्पित और काजल को मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर पहुंचे एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय लोगों की माने तो स्कार्पियो चालक काफी नशे में था। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

मृतक अर्पित।

मृतक काजल।

फरवरी में होनी थी अर्पित की शादी, पसरा मातम

अर्पित की मौत की सूचना घर पहुंची तो मातम छा गया। परिवार में मां और दो बड़े भाई अंकित और अनूप हैं। तीन भाइयों में सबसे छोटा होने के चलते अर्पित परिवार का लाडला भी। परिजन ने बताया कि अर्पित की शादी फरवरी में तय थी, जिसकी तैयारियां घर में चल रही थीं। घर में खुशियों का माहौल था, जो इस हादसे के बाद मातम में बदल गया। वहीं, मृतका काजल रावत के पिता शिव शंकर किसान हैं। परिवार में पिता के अलावा मां कांति देवी, बहन संध्या, वैष्णवी और छोटा भाई आरुष हैं।

ट्रैक्टर ने कार में मारी टक्कर, दंपति घायल

अमृत विचार, मोहनलालगंज : थाना क्षेत्र स्थित अतरौली रेलवे क्रॉसिंग से हाइवे पर रांग साइड जा रहे ट्रैक्टर ने सामने से आ रही कार में टक्कर मार दी।हादसे में कार चालक आशुतोष पांडेय निवासी कुंडा प्रतापगढ़ और उनकी पत्नी ज्योति गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि फिर से पुलिस पिकेट की व्यवस्था की जाए और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके।

अनंतनगर योजना में किसानों का प्रदर्शन, पुलिस ने चटकाई लाठियां

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : अनंतनगर आवासीय योजना में खेतों में लगे पेड़ बिना सूचना कटवाने का आरोप एलडीए पर लगाकर किसानों ने हंगामा कर दिया।

आरोप है कि किसानों पर पुलिस ने लाठियां चटकाई, जिसमें कई किसान घायल हो गए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि इस दौरान मीडियाकर्मियों पर भी लाठियां चटकाई गईं। सूचना पर किसान यूनियन के राजू गुप्ता और काकोरी के एसीपी शकील अहमद मौके पर पहुंचे। किसान नेता और एसीपी ने किसानों को समझाकर शांत कराया। मीडियाकर्मियों ने एसीपी काकोरी को ज्ञापन दिया। एसीपी ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। किसान संगठनों ने जांच और घायलों को मुआवज़े की मांग भी की है।

महिला लेखपाल से की अभद्रता धमकाया, पेपर छीनने का प्रयास

अमृत विचार, सरोजनीनगर : स्थानीय तहसील की महिला लेखपाल ने लखनऊ लिंक एक्सप्रेसवे मार्ग के सर्वे के दौरान कुछ लोगों पर अभद्रता, धमकाने, सरकारी कार्य में बाधा समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश कुमार सिंह के अनुसार तहरीर में लेखपाल नीतू यादव ने बताया कि प्रस्तावित लखनऊ लिंक एक्सप्रेसवे मार्ग के दायरे में आने वाली परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के लिए 16 जनवरी को राजस्व ग्राम मवई पड़ियाना में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ सर्वे कर रही थीं। आरोप है कि इस दौरान रामप्रकाश, सत्येंद्र कुमार, विमल कुमार, सुनील तिवारी करीब 15 अज्ञात लोग लोगों के साथ वहां पहुंचे और टीम से अभद्रता करने लगे। समझाने पर लेखपाल से गाली-गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए। कागजात छीनने की कोशिश कर धक्का मुक्की और अगवा करने की धमकी दी।

मोहनलालगंज और रेडक्रॉस सीएचसी में लगाई जाएगी अल्ट्रासाउंड मशीन

अमृत विचार, लखनऊ : कैसरबाग रेडक्रॉस और मोहनलालगंज सीएचसी में नई अल्ट्रासाउंड मशीनें स्थापित की जाएंगी। मशीनें अगले माह तक लगने की संभावना है। इन सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा न होने के कारण मरीजों और गर्भवतियों को जांच के लिए दूसरे सरकारी अस्पतालों या निजी केंद्रों का रुख करना पड़ता था। इससे समय और धन दोनों की परेशानी होती थी। नई मशीनें लगने के बाद मरीजों को अपने ही क्षेत्र में जांच की सुविधा मिल सकेगी। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि कैसरबाग रेडक्रॉस और मोहनलालगंज सीएचसी में सीएसआर फंड से अल्ट्रासाउंड मशीनें स्थापित की जाएंगी। उम्मीद है कि अगले माह तक दोनों केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड जांच शुरू हो जाएगी।

उत्तर प्रदेश की पहचान
हर गरीब को पक्का मकान

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत

2 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे
₹2,000 करोड़ की अनुदान राशि का अंतरण

द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
मनोहर लाल
मंत्री, आवासन और शहरी कार्य तथा ऊर्जा, भारत सरकार
(वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे)

गरिमामयी उपस्थिति
ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
अरविन्द कुमार शर्मा
मंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, उत्तर प्रदेश
राकेश राठौर 'गुरु'
राज्य मंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, उत्तर प्रदेश
संजय सेठ
सदस्य, राज्य सभा
बृज लाल
सदस्य, राज्य सभा
सुषमा खर्कवाल
महापौर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
डॉ. नीरज बोरा
विधायक, लखनऊ उत्तर
जय देवी
विधायक, मलिहाबाद
योगेश शुक्ला
विधायक, बक्शी का तालाब
अमरेश कुमार
विधायक, मोहनलालगंज
ओ.पी. श्रीवास्तव
विधायक, लखनऊ पूर्व
डॉ. महेन्द्र सिंह
सदस्य, विधान परिषद
राम चन्द्र प्रधान
सदस्य, विधान परिषद
इंजी. अवनीश कुमार सिंह
सदस्य, विधान परिषद
डॉ. लाल जी प्रसाद 'निर्मल'
सदस्य, विधान परिषद
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 18 जनवरी, 2026 समय : अपराह्न 3:00 बजे स्थान : इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर, लखनऊ

सबको आवास, सबका विकास

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के अंतर्गत आवास निर्माण में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य
- प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं माफिया से मुक्त करायी गयी भूमि पर 60 लाख गरीब परिवारों को आवास
- प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भूमिहीन व्यक्तियों को आवास निर्माण के लिए पट्टा देने में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य

काम दमदार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

खुलासा | हत्या की रिपोर्ट दर्ज, पिता और पुत्र हिरासत में

बाड़ के करंट से हुई थी राजेंद्र की मौत

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: सहिजनपुर के किसान राजेंद्र रावत की मौत खेत की बाड़ में दौड़ाए गए करंट की चपेट में आने से हुई थी। ट्यूबवेल ने बेटे के साथ मिलकर शव को बाड़ के पास से उठाकर आधा किमी दूर जंगल में फेंक दिया था। मृतक का मोबाइल, गमछा और चप्पल पास के सरसों के खेत में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को हिरासत में लेकर मृतक की चप्पल और गमछा बरामद कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विद्युत करंट से मृत्यु होने की पुष्टि हुई है।

सहिजनपुर निवासी राजेंद्र रावत (30) 15 जनवरी की रात करीब 9 बजे खेत में पानी लगाने की बात कहकर घर से निकले थे। दोपहर बाद मां शांति देवी खाना लेकर खेत पहुंचीं, लेकिन वहां राजेंद्र नहीं मिला। ट्यूबवेल पर मौजूद अशर्फीलाल और उसके बेटे सूर्यप्रकाश ने राजेंद्र के आने से इनकार कर दिया। ट्यूबवेल खोलने की बात पर चाभी न होने का बहाना किया था। राजेंद्र का मोबाइल भी स्विच ऑफ था। गुरुवार शाम को बंथरा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। शुक्रवार सुबह तलाश के दौरान खेत से करीब 500 मीटर दूर अमावा जंगल में राजेंद्र का शव मिला। मोबाइल, गमछा और चप्पल नहीं मिले थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि अशर्फीलाल के खेत में लगी लोहे के तारों की बाड़ में रात में करंट प्रवाहित किया जाता था। इसी की चपेट में आकर राजेंद्र की मौत हुई। पुलिस को खेत में रौंदी फसल और पैरों के कई निशान भी मिले थे। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर अशर्फीलाल, दोनों बेटों सूर्य प्रकाश और चंद्र प्रकाश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी अशर्फीलाल और सूर्यप्रकाश से पूछताछ की जा रही है। मोबाइल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

अमृत विचार Follow UP

- ट्यूबवेल मालिक ने बेटे के साथ शव जंगल में फेंक दिया था
- सरसों के खेत में छिपा दिया था मोबाइल, चप्पल और गमछा

गिरफ्तारी न होने पर अंतिम संस्कार से किया इंकार

पोस्टमार्टम के बाद राजेंद्र का शव करीब चार बजे गांव पहुंचे। कुछ देर बाद पुलिस भी वहां पहुंच गयी। परिजन ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। गिरफ्तारी न होने तक अंतिम संस्कार से इंकार कर दिया। खबर मिलते ही एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह मौके पर पहुंचे। समझाने का प्रयास किया लेकिन वे नहीं माने। टीमें गठित कर आरोपियों को पकड़ा गया, लेकिन तब तक रात होने के चलते अंतिम संस्कार नहीं हो पाया। रविवार को अंतिम संस्कार होगा।

लोक दर्पण

अखबार

बचपन का पहला शब्दकोश

बच्चे अगर ज्ञान के सहज और सुगम मार्ग से जुड़ेंगे, तो उनमें स्वाभाविक रूप से पठन प्रवृत्ति विकसित होगी। यह बात कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वर्तमान में प्रत्येक माता-पिता की साझा चिंता यह है कि बच्चे पढ़ाई-लिखाई की बजाय दिनभर मोबाइल, टैबलेट और टीवी में डूबे रहते हैं। स्क्रीन ने उनकी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा घेर रखा है, जिससे एकाग्रता, कल्पनाशक्ति और अध्ययन-रुचि प्रभावित हो रही है। हालांकि हम इस स्थिति पर चिंता तो करते हैं, लेकिन समाधान जानते हुए भी अक्सर अनदेखा कर जाते हैं, जबकि समाधान हमारे आस-पास या समाने ही होता है। ऐसे समय में हाल ही में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा में बच्चों के लिए अखबार पढ़ने को अनिवार्य करना एक दूरदर्शी और व्यावहारिक पहल मानी जा सकती है। यह निर्णय किसी तात्कालिक प्रयोग का परिणाम नहीं, बल्कि शोध, अनुभव और व्यापक विमर्श से निकला कदम है। पुस्तकें और पठन-पाठन की आदत बच्चों को तकनीकी जाल से बाहर निकालने का सशक्त माध्यम बन सकती हैं। यदि परिवार और समाज मिलकर बच्चों के लिए रोचक व ज्ञानवर्धक पढ़ने की सामग्री उपलब्ध कराएं, तो स्क्रीन-आसक्ति की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। चिंता से मुक्ति का मार्ग पढ़ने की संस्कृति में ही निहित है।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

अध्ययन की आदत का निर्माण

अच्छी आदतों का निर्माण बचपन से ही प्रारंभ होता है। बचपन के प्रारंभिक वर्ष आदत निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। इस उम्र में यदि किसी कार्य में रुचि पैदा कर दी जाए और उसमें बालक को आनंद और संतुष्टि प्राप्त होने लगे, तो वह उस कार्य को दोहराता है। पर्याप्त अभ्यास और पुनरावृत्ति से उस आदत को सुदृढ़ किया जा सकता है। परिवार और विद्यालय में सही दिशा में सही प्रयत्न से अच्छी आदतों का निर्माण शीघ्रता से किया जा सकता है। मनोविश्लेषणवादी मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि व्यक्ति में अच्छी आदतों का निर्माण उसके चेतना के स्तर पर होता है। इनके लिए व्यक्ति को सचेतन प्रयास करने होते हैं। वहीं बुरी आदतें संवेग के आधार पर विकसित होती हैं। पढ़ने की आदत एक अच्छी आदत है। इस आदत के निर्माण और विकास के लिए बचपन से ही सचेष्ट प्रयास करने होते हैं। इसके लिए बालक में समझने की योग्यता का विकास करना आवश्यक है। इससे भी अध्ययन के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं। पढ़ने में एकाग्रता एक और महत्वपूर्ण आयाम है। पढ़ने में वैविध्यता, माता-पिता, शिक्षकों और सहपाठियों के साथ आपसी बातचीत और अंतर्क्रिया के साथ-साथ अभ्यास और प्रमुख बातों को नोट करने की प्रवृत्ति भी इसमें महत्वपूर्ण होती है। भाषा की समझ, उसके रचनात्मक प्रयोग और बेहतर आत्माभिव्यक्ति का विकास अध्ययन की आदत से ही होता है। समाचार पत्रों के वाचन से न केवल बच्चों में अध्ययन आदत का विकास होगा वरन वे समसामयिक घटनाओं से भी परिचित हो सकेंगे।

विविधताओं से परिचित होंगे छात्र

अखबार विविधताओं से भरा हुआ होता है। इसमें संपादकीय, खेल की खबरें, नई खोजों पर आधारित तकनीक के विषय में लेख, संपादकीय आधारित लेखन, समूह चर्चाएं, शब्द खोज प्रतियोगिताएं, सुडोकू जैसे बौद्धिक खेल आदि शामिल होते हैं। इससे बच्चे सिर्फ पढ़ने के बजाए सोचने, लिखने और संवाद कौशल में भी निखार ला सकते हैं। उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार के निर्देश के अनुसार प्रत्येक दिन लगभग 10 मिनट तक छात्र अखबार पढ़ेंगे, जिसमें राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल आदि समाचारों के मुख्य बिंदुओं के साथ संपादकीय भाग पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह गतिविधि विद्यालयों की दैनिक दिनचर्या का एक अविभाज्य हिस्सा बन गई है। इस आदेश का उद्देश्य न केवल छात्रों को समाचार से अपडेट रखना है, बल्कि उनके भाषा कौशल, सामाजिक जागरूकता, आलोचनात्मक सोच और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे कई लंबी अवधि के लाभ सुनिश्चित करना है। आधिकारिक सरकारी दस्तावेज और राज्य शिक्षा विभाग के निर्देश बताते हैं कि यह नीति कई शैक्षिक उद्देश्यों को साधने के लिए लाई गई है। इसमें सबसे प्रमुख है बच्चों के भाषायी कौशल और शब्दावली में सुधार। वास्तव में प्रतिदिन अखबार पढ़ने से छात्र नए शब्दों, व्याकरणिक संरचनाओं और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होंगे।

इस कार्यक्रम में 'वर्ड ऑफ द डे' जैसी गतिविधि शामिल की गई है, जिसमें रोज अखबार से चुनिंदा पांच कठिन शब्दों को स्कूल की बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे छात्रों की शब्दावली और पढ़ने की समझ दोनों में सुधार आएगा। यही नहीं इससे सामान्य जागरूकता और सामाजिक समझ विकसित होगी, क्योंकि समाचार पत्र न केवल प्रमुख खबरें प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विषयों पर विस्तृत सामग्री भी देते हैं। नियमित रूप से समाचार पढ़ने से छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की गहन समझ विकसित कर सकते हैं, जिससे वे समाज में हो रहे परिवर्तनों के प्रति सजग और उत्तरदायी नागरिक बन सकेंगे। वास्तव में अखबार भिन्न दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, खासकर संपादकीय और विश्लेषणात्मक लेखों के माध्यम से छात्रों को खबरों के पीछे के कारणों और परिणामों को समझने का अवसर मिलता है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आलोचनात्मक क्षमता एवं विचार-समीक्षा कौशल मजबूत होता है। भारत में अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं जनरल नॉलेज और करंट अफेयर्स पर आधारित होती हैं। रोजाना अखबार पढ़ने से छात्र इन परीक्षाओं की तैयारी में स्वत : बेहतर हो सकते हैं, क्योंकि नियमित समाचार-अध्ययन से उन्हें रोजमर्रा की राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेल और महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का ज्ञान मिलता है। अखबार के नियमित रूप से वाचन और अध्ययन से हम बच्चों के स्क्रीन टाइम में कमी की जा सकेगी।

जनसंचार के क्षेत्र में सबसे पहली क्रांति के रूप में अखबार छपा, फिर रेडियो आया और उसके बाद टेलीविजन। इनके आ जाने से अखबार पढ़कर सूचनाओं को जानने की जिज्ञासा कम हो गई। पहले समाचार पढ़ने के स्थान पर सुने जाने लगे, फिर टेलीविजन के आविष्कार और घर-घर तक उसकी सहज पहुंच ने समाचारों को सुनने के साथ-साथ देखने की सुविधा भी प्रदान कर दी। इंटरनेट और एंड्राइड मोबाइल ने हर हाथ से पत्र-पत्रिकाओं को बहुत दूर कर दिया। आज के समय में बचपन से मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन पर आश्रितता बढ़ते जा रही है, जिससे पढ़ने की आदत और ध्यान अवधि प्रभावित हो रही है। अखबार का भौतिक रूप छात्रों को स्क्रीन से दूर लाने और पढ़ने की आदत विकसित करने में सहायक माना जा रहा है।

संभावित चुनौतियां और समाधान

यह नीति अत्यंत सकारात्मक है, परंतु इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। सबसे पहले बात दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कई सरकारी विद्यालयों में अखबारों की नियमित खरीद या उपलब्धता एक समस्या हो सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए डिजिटल ई-पेपर सदस्यता या अन्य सामुदायिक संसाधनों का उपयोग एक समाधान हो सकता है। इसके अतिरिक्त सिर्फ अखबार उपलब्ध कराने से परिणाम नहीं निकलेंगे, शिक्षकों को समाचार विश्लेषण, चर्चा संचालन और प्रासंगिकता जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना आवश्यक है। वहीं 10 मिनट का समय प्रारंभिक रूप से पर्याप्त लग सकता है, परंतु इसे अभ्यास-आधारित गतिविधियों के साथ जोड़कर प्रभावशीलता बढ़ाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, सप्ताह में एक दिन ज्यादा गहन चर्चाओं के लिए रखा जा सकता है। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग के बीच अखबारों की प्रसार संख्या में यद्यपि कमी आ रही है और उनके सामने बहुत सी चुनौतियां हैं, फिर भी भारत में विभिन्न भाषाओं के अखबारों की प्रसार संख्या अभी भी करोड़ों में है। अखबारों की स्थिति यह दर्शाती है कि मुद्रित और डिजिटल दोनों रूपों में समाचार आज भी व्यापक रूप से पढ़े जा रहे हैं और इन्हें सार्वजनिक संवाद का प्रमुख स्रोत माना जाता है। इसलिए इस नीति के कार्यान्वयन से यदि सही दिशा में और अनुशासित प्रयास किए जाएं, तो यह छात्रों के शैक्षिक विकास और जनरल साक्षरता में एक सकारात्मक क्रांति ला सकती है।

एआई इमेज

शिक्षाविदों की राय

छोटी आदत, बड़ा बदलाव

यह पहल न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि चरित्र-निर्माण में भी सहायक सिद्ध होगी। नियमित अखबार पढ़ने से बच्चे देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ते हैं, तथ्यों और राय के बीच अंतर समझते हैं तथा फेक न्यूज को पहचानने की क्षमता विकसित करते हैं। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पठन-लेखन कौशल में सुधार होता है। हालांकि इसकी सफलता के लिए कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे अखबारों की उपलब्धता, शिक्षकों का उचित प्रशिक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में रुचि जगाना। फिर भी यदि इसे गंभीरता से लागू किया जाए, तो यह छोटा-सा बदलाव बच्चों के भविष्य को बहुत बड़ा मोड़ दे सकता है।

डॉ. नीलिमा पांडेय
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

यदि अन्य राज्य भी इस पहल से प्रेरणा लेकर इसे अपनाएं, तो आने वाली पीढ़ी अधिक जागरूक, संवेदनशील और पढ़ने-लिखने वाली होगी। अखबार पढ़ने के लाभों पर कई शोध अध्ययन उपलब्ध हैं, जो विशेष रूप से बच्चों और छात्रों के संज्ञानात्मक विकास, शब्दावली, पढ़ने-लिखने की क्षमता तथा शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। अमेरिका में 'Newspapers in Education' कार्यक्रमों पर किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि जो स्कूल सप्ताह में नियमित रूप से अखबार का उपयोग करते हैं, उनके छात्रों के मानकीकृत परीक्षा स्कोर औसतन 10 प्रतिशत अधिक होते हैं। उच्च अल्पसंख्यक छात्रों वाले स्कूलों में यह अंतर 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। ये कार्यक्रम पढ़ने की समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, सामाजिक अध्ययन, भाषा कला और गणित में बेहतर प्रदर्शन से जुड़े पाए गए हैं।

भारत में भी शोध बताते हैं कि नियमित अखबार पढ़ने से दिमाग 32 प्रतिशत अधिक सक्रिय रहता है, फोकस करने की क्षमता बढ़ती है और विश्लेषणात्मक सोच विकसित होती है। परिवार में माता-पिता के साथ अखबार पढ़ने-चर्चा करने से बच्चों की पढ़ने की प्रेरणा बढ़ती है, जो सीधे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि से जुड़ी होती है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों की यह पहल इसी वैज्ञानिक आधार पर उठाई गई है- एक छोटी आदत, बड़ा बदलाव!

अखबार और विधि शिक्षा

अखबार पढ़ने की आदत हर विषय के छात्र के लिए बेहद उपयोगी होगी, लेकिन विशेषत : विधि के छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है, क्योंकि विधि केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर समाज, शासन और समसामयिक घटनाओं से गहराई से जुड़ी हुई है। नियमित रूप से अखबार पढ़ने से विधि के छात्रों को देश-विदेश में घटित कानूनी, संवैधानिक और प्रशासनिक घटनाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त होती है, जो उनकी विषय-समझ को अधिक व्यापक बनाती है। विधि से संबंधित समाचार, जैसे न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णय, विधायी संशोधन, सरकारी नीतियां और संवैधानिक बहसें, छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। इससे वे कानून की पुस्तकीय धाराओं को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ पाते हैं। उदाहरणस्वरूप, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के निर्णयों की रिपोर्टिंग छात्रों में केस एनॉलिसिस की क्षमता विकसित करती है, जो विधिक अध्ययन का मूल आधार है। इसके अतिरिक्त अखबार पढ़ने से विधि के छात्रों की भाषा, तर्कशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होता है। कानूनी भाषा की समझ, लेखन कौशल और वाद-विवाद की क्षमता विकसित होती है, जो मूट कोर्ट, सेमिनार, इंटरव्यू और न्यायिक परीक्षाओं में अत्यंत सहायक होती है। साथ ही, संपादकीय लेख छात्रों को विभिन्न कानूनी और सामाजिक मुद्दों पर आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, अखबार पढ़ना विधि के छात्रों को एक जागरूक, तार्किक और व्यावहारिक विधि-विशेषज्ञ बनने की दिशा में सक्षम बनाता है।

डॉ. अमित सिंह
विभागाध्यक्ष विधि एमजेपीआरयू, बरेली

बच्चों का बहुआयामी विकास

गंभीरता से विश्लेषण करें, तो यह कदम एक नितांत सराहनीय एवं दूरदर्शितापूर्ण कदम है। आज बच्चों के द्वारा मोबाइल स्क्रीन को दिया जाने वाला समय अनावश्यक रूप से बढ़ गया है। चिंता की बात तो यह है कि बच्चे एवं उनके अभिभावक मोबाइल स्क्रीन से प्राप्त होने वाले छद्म आनंद के नशे में चूर होने की वजह से अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से सर्वथा अनभिज्ञ हैं। इस व्यसन से व्यक्तित्व में किस स्तर की विकृति उत्पन्न हो रही है, इसका अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। स्कूलों में अखबार पढ़ाने की इस अभूतपूर्व पहल से बच्चों का बहुआयामी विकास सुनिश्चित हो सकेगा, क्योंकि देश-दुनिया से परिचित होने के लिए अखबार से बेहतर साधन आज भी नहीं है। शैक्षिक यात्रा के आरंभिक चरण से ही समाचार पत्र पढ़ने की आदत निश्चित रूप से भविष्य में बच्चों को एक अच्छा वक्ता, लेखक एवं विविध विषयों की बेहतरीन समझ रखने वाला राष्ट्र का एक जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगी। आज जिस तरह से वैश्विक परिदृश्य करवटें ले रहा है एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता सरीखे प्रौद्योगिकी के अवतार मानव के ऊपर अपना वर्चस्व कायम करने पर उतारू हैं, ऐसी परिस्थितियों में बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने का जिम्मा सफलतापूर्वक उठाना होगा अन्यथा वे आने वाले समय में दौड़ती हुई तकनीक एवं द्रुत गति से परिवर्तित होते परिदृश्य के साथ समायोजन बिठा पाने में असमर्थ एवं अक्षम रहेंगे।

डॉ. प्रभात शुक्ला
प्रोफेसर, स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज, शाहजहांपुर

पठन-पाठन अपनी संस्कृति को जानने का माध्यम

मेरे सामने अक्सर ही ऐसे उदाहरण आते रहते हैं, जिनमें बच्चों के बारे में चिंताएं व्यक्त की जाती रहती हैं कि बच्चे पठन-पाठन से विमुख होते जा रहे हैं, पुस्तकों की जगह वीडियो गेम, टीवी और स्मार्टफोन ने ले ली है, बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। अगर हम ऊपरी तौर पर सोचें, तो इन बातों से सहमत हुआ जा सकता है, पर अगर थोड़ा भी गहराई में जाएं तो क्या सच में ऐसा है? क्या वास्तव में बच्चे पठन-पाठन से विमुख हो रहे हैं या इसके पीछे कुछ और कारण भी हैं? इन सवालों पर कोई भी जबाव देने से पहले हम बड़े जरा विचार करें कि हमारे घरों में रोचक और बालोपयोगी पत्र-पत्रिकाएं नियमितता से आती हैं क्या? बच्चों को सुनने, उनसे बोलने-बतियाने, उनके साथ खेलने-कूदने की फुर्सत हम बड़ों को मिल पा रही है क्या? हम बच्चों के सम्मुख स्वयं कुछ लिखते-पढ़ते नजर आते हैं क्या? हमें इस बात पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि हम जो भी आरोप बच्चों पर लगा देते हैं क्या उनके जिम्मेदार हम खुद नहीं हैं? बाल मन को रुचने वाले साहित्य के स्थान पर उनके हाथ में स्मार्ट फोन थमाकर आखिरकार हम किस प्रकार के आउटपुट की कामना कर रहे हैं? बच्चों के हिस्से का समय बार, क्लब, पब पार्टी व अन्य इसी प्रकार के शगल में बिताने के बाद हम अगर यह उम्मीद पालें कि वे अपने एकाकी/संवादहीन जीवन को स्मार्ट टीवी के ऊलजलूल पात्रों, वीडियो गेम और स्मार्टफोन के आभासी चरित्रों से न जोड़ें तो आखिर करें क्या? क्या कभी हमने बच्चों के स्तर पर उतर कर यह बूझने जानने कि कोशिश की है कि वे रोज हमसे क्या-क्या बातें साझा करना चाहते हैं कि उन्हें किस बात पर बहुत मजा आया कि उन्हें कौन सी बात बिल्कुल अच्छी नहीं लगी? बच्चों की बालसुलभ जिज्ञासाओं को बचकानी बात कहकर टाल देने वाले हम बड़ों को क्या बच्चों की दुनिया में उतरकर यह पता करने की आवश्यकता नहीं है कि जिज्ञासाओं के सही या गलत जो भी हल हैं, उन्हें बच्चे स्मार्ट फोन जैसे तमाम अन्य माध्यमों से ग्रहण कर रहे हैं और बड़े हो रहे हैं, जिनका दुष्प्रभाव उनके मन और स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। तब इस समस्या का समाधान क्या हो? निश्चित रूप से समस्या में ही इसका समाधान छिपा है। बच्चे खेल-कूद और पढ़ने - लिखने की स्वाभाविक प्रवृत्ति के साथ जन्म लेते हैं। इस प्रवृत्ति के विकास हेतु हम बड़ों को बच्चों के लिए आवश्यक साधन-संसाधन जुटाने होंगे तथा खेल और पठन संस्कृति का विकास करना होगा। विद्यालय स्थित खेल मैदान और पुस्तकालय इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

डॉ. अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उ.प्र.

प्रखर शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था, "पुस्तकें वो साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का काम करते हैं"। निश्चित रूप से विभिन्न संस्कृतियों के अंतर्गत निहित ज्ञान-विज्ञान और कला-संस्कृतियों के बारे में जानने का सहज व प्रभावी माध्यम पुस्तकें ही होती हैं। बच्चे अगर ज्ञान के इस सहज और सुगम मार्ग से जुड़ेंगे, तो उनमें स्वाभाविक रूप से पठन प्रवृत्ति विकसित होगी। दैनिक अखबार और पत्रिकाएं उन्हें ज्ञान के विविध क्षेत्रों से जोड़ेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 'पठन संस्कृति विकास' हेतु प्रारंभिक व माध्यमिक स्तर पर पाठ्यपुस्तकों समेत विविधतापूर्ण पठन सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता तथा उपयोग पर जोर देती है। शिक्षा नीति के अनुसार 'शिक्षण संस्थानों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए पुस्तकों तक पहुंच और उपलब्धता बेहतर करना आवश्यक है।' ब्रिटिश उपन्यासकार जे.के. रोलिंग के अनुसार, 'जब संदेह में हो पुस्तकालय जाओ'। लारा बुश ने कहा था , "मैंने पाया है कि मेरे बटुए में सबसे मूल्यवान चीज मेरा लायब्रेरी कार्ड है।" इन उद्धरणों से स्वतः ही स्पष्ट है कि पुस्तकें और पुस्तकालय किसी भी समाज में ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। बेहतर पुस्तकों की उपलब्धता बच्चों की पठन प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी, जिससे वह आभासी दुनिया के काल्पनिक चरित्रों से मुक्त हो पाएंगे।

वर्तमान समय में पुस्तकालय और उसकी उपयोगिता सर्वविदित है। पुस्तकालय की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए सिडनी शेल्टन ने कहा था ' पुस्तकालय कल्पना को बढ़ावा देने वाली ऊर्जा को संग्रहीत करते हैं। वे दुनिया के समक्ष ज्ञान की खिड़कियां खोलते हैं। पुस्तकालय हमें खोज करने के लिए प्रेरित करते हैं और हमारे जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान करते हैं। समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से समृद्ध पुस्तकालय बच्चों के सबसे विश्वसनीय मित्र साबित होंगे इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं है। इस समूची प्रक्रिया में विद्यार्थियों के भीतर पठन संस्कार विकसित होंगे, जो उन्हें भावी जीवन की चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार करेंगे तथा काल्पनिक चरित्रों के स्थान पर वास्तविक चरित्रों का अनुसरण करने की प्रेरणा देंगे।

एकाग्रता और धैर्य बढ़ाते हैं अखबार

आज के डिजिटल युग में बच्चों को स्क्रीन से दूर रखना एक बड़ी चुनौती बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और टीवी बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनते जा रहे हैं, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अखबार पढ़ना बच्चों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि यह उनकी भाषा-समझ, शब्द-भंडार और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करता है, उनमें सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना जागृत होती है और उन्हें सतही मनोरंजन से हटाकर विचारशीलता की ओर ले जाती है, जहां डिजिटल स्क्रीन त्वरित सूचना और मनोरंजन का माध्यम है, वहीं अखबार गहन, संतुलित और स्थायी सीख प्रदान करते हैं। डिजिटल स्क्रीन की अपेक्षा अखबार बच्चों और युवाओं के लिए अनेक दृष्टियों से अधिक लाभदायक और सुरक्षित हैं। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से आंखों पर दबाव पड़ता है। साथ ही सिरदर्द, नींद की समस्या और चिड़चिड़ापन बढ़ता है, जबकि अखबार पढ़ने से आंखों को अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है और पढ़ने की प्राकृतिक आदत विकसित होती है। अखबार एकाग्रता और धैर्य बढ़ाते हैं। स्क्रीन पर लगातार बदलती तस्वीरें और नोटिफिकेशन ध्यान भंग करते हैं, जबकि अखबार पढ़ते समय पाठक शांत होकर विषय पर केंद्रित रहता है। इससे गहरी सोच और समझ विकसित होती है। अखबार भाषा और अभिव्यक्ति कौशल को सुदृढ़ करते हैं। अखबारों में प्रयुक्त शुद्ध, संतुलित और तथ्यपरक भाषा बच्चों के शब्द-भंडार और लेखन क्षमता को निखारती है, जबकि डिजिटल माध्यमों पर भाषा प्राय : संक्षिप्त और अनौपचारिक होती है। इसके अतिरिक्त, अखबार विश्वसनीय और संरचित जानकारी प्रदान करते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भ्रामक सूचनाओं का खतरा अधिक रहता है, जबकि अखबार संपादकीय छानबीन के बाद प्रकाशित होते हैं, जिससे पाठक तथ्य और विचार में अंतर समझना सीखता है। यदि स्कूलों में अखबार की विषय-वस्तु पर चर्चा हो, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हों, घर में माता-पिता स्वयं अखबार पढ़ें और बच्चों के साथ समाचारों पर चर्चा करें, तो यह आदत और भी प्रभावी बन सकती है। इस प्रकार अखबार बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने के साथ-साथ उन्हें जागरूक, संवेदनशील और सोचने वाला नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

डॉ. मीता गुप्ता
प्रवक्ता, केंद्रीय विद्यालय, बरेली

सांसों की सेहत

अस्थमा में आयुर्वेद और योग की शक्ति

अस्थमा जिसे आम बोलचाल में दमा कहा जाता है, श्वसन तंत्र से जुड़ा एक दीर्घकालिक रोग है, जो व्यक्ति के दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इस रोग में रोगी को बार-बार सांस लेने में कठिनाई, सीने में जकड़न, घरघराहट तथा खांसी की समस्या होती है। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण, धूल-धुआं, रासायनिक तत्वों का संपर्क, मानसिक तनाव और असंतुलित खान-पान ने अस्थमा को एक आम समस्या बना दिया है। अस्थमा का प्रकोप बच्चों से लेकर वृद्धों तक देखा जाता है और समय पर उचित देखभाल न होने पर यह रोग जीवन की गुणवत्ता को कम कर देता है। आयुर्वेद में अस्थमा को केवल एक फेफड़ों की बीमारी न मानकर पूरे शरीर के दोष संतुलन से जुड़ी समस्या माना गया है, इसलिए इसका उपचार भी समग्र रूप से किया जाता है।

आयुर्वेद में अस्थमा को "तमक श्वास" कहा गया है। आयुर्वेदिक शास्त्रों के अनुसार यह रोग मुख्य रूप से वात और कफ दोष के असंतुलन से उत्पन्न होता है। जब कफ श्वसन मार्ग में जमा होकर अवरोध उत्पन्न करता है और वात दोष का प्रवाह बाधित होता है, तब श्वसन कष्ट उत्पन्न होता है। तमक श्वास में रोगी को अंधकार या घुटन का अनुभव होता है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। आयुर्वेद का मानना है कि जब तक दोषों का संतुलन नहीं किया जाता, तब तक स्थायी राहत संभव नहीं होती।

अस्थमा होने के कारण

अस्थमा के अनेक कारण हो सकते हैं, जिनमें आनुवंशिक कारण भी शामिल हैं। यदि परिवार में किसी को अस्थमा है, तो अगली पीढ़ी में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त धूल, धुआं, पराग कण, प्रदूषण, ठंडी हवा, एलर्जी, धूम्रपान, रसायनों का संपर्क और अत्यधिक तनाव अस्थमा को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। अनियमित दिनचर्या, देर रात तक जागना, अधिक ठंडा, तला और भारी भोजन करने से भी कफ बढ़ता है, जो अस्थमा के दौरे को जन्म देता है।

आहार का महत्व

आयुर्वेद के अनुसार अस्थमा के रोगी के लिए उचित आहार अत्यंत आवश्यक है। हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन कफ को नियंत्रित करने में सहायक होता है। दलिया, सूप, उबली सब्जियां, मूंग की दाल और गुनगुना पानी लाभकारी माने जाते हैं। अदरक, लहसुन, हल्दी और काली मिर्च जैसे मसाले पाचन को सुधारते हैं और कफ को संतुलित रखते हैं। इसके विपरीत ठंडा पानी, दही, आइसक्रीम, अधिक तला और भारी भोजन अस्थमा के लिए हानिकारक होता है।

विहार और परहेज

अस्थमा के रोगी को अपने दैनिक व्यवहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ठंडी हवा, धूल-धुएं और प्रदूषित वातावरण से बचना चाहिए। धूम्रपान और तंबाकू का सेवन पूरी तरह त्याग देना चाहिए। अधिक ठंड में सीधे बाहर निकलने से बचें और शरीर को ढककर रखें। नियमित दिनचर्या अपनाना, समय पर भोजन करना और पर्याप्त नींद लेना भी रोग नियंत्रण में सहायक होता है।

उपचार का सिद्धांत

आयुर्वेदिक उपचार का उद्देश्य केवल लक्षणों को दबाना नहीं, बल्कि रोग के मूल कारण को दूर करना होता है। अस्थमा के उपचार में कफ को पतला कर बाहर निकालना, वात दोष को नियंत्रित करना और श्वसन तंत्र को सशक्त बनाना मुख्य लक्ष्य होता है। इसके लिए शोधन चिकित्सा, शमन चिकित्सा, औषधियां, आहार-विहार और योग को एक साथ अपनाया जाता है। पंचकर्म की कुछ विधियां जैसे वमन और नस्य, विरेचन चिकित्सा भी चयनित रोगियों में लाभकारी सिद्ध होती हैं।

योग और प्राणायाम

योग और प्राणायाम अस्थमा के रोगियों के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। नियमित योगाभ्यास से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और श्वसन तंत्र मजबूत होता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम से श्वास-प्रश्वास का संतुलन सुधरता है। कपालभाति से फेफड़ों में जमी अशुद्धियां बाहर निकलती हैं। भ्रामरी प्राणायाम मानसिक तनाव को कम करता है और श्वसन तंत्र को शांति प्रदान करता है। उज्जायी प्राणायाम श्वसन मार्ग को मजबूत बनाता है और सांस लेने की क्षमता बढ़ाता है।

अस्थमा में लाभकारी योगासन

कुछ योगासन अस्थमा में विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। भुजंगासन छाती को फैलाता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है। धनुरासन श्वसन तंत्र को सशक्त बनाता है और शरीर में ऊर्जा का संचार करता है। मत्स्यासन और सेतुबंधासन छाती और गर्दन के भाग को खोलते हैं, जिससे श्वसन में सुधार होता है। योगासन हमेशा खाली पेट और किसी प्रशिक्षित योग शिक्षक की देखरेख में करना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य और अस्थमा

मानसिक तनाव अस्थमा को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारक है। चिंता, भय और अवसाद के कारण अस्थमा के दौरे अधिक बार आ सकते हैं। ध्यान, प्राणायाम और सकारात्मक सोच मानसिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे अस्थमा के लक्षणों में कमी आती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्ति अपने मन और शरीर दोनों पर नियंत्रण प्राप्त करता है।

अस्थमा क्या है

अस्थमा एक ऐसी स्थिति है, जिसमें श्वसन नलिकाओं में सूजन आ जाती है और वे संकरी हो जाती हैं। इसके कारण फेफड़ों तक हवा का आवागमन बाधित होता है, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। जब अस्थमा का दौरा पड़ता है, तब श्वसन नलिकाओं की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और उनमें कफ या बलगम जमा हो जाता है। इससे रोगी को ऐसा महसूस होता है मानो छाती पर भारी बोझ रख दिया गया हो। यह रोग पूरी तरह से ठीक भले ही न हो, लेकिन उचित उपचार, परहेज और अनुशासित जीवनशैली से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

अस्थमा के प्रमुख लक्षण

अस्थमा के लक्षण व्यक्ति की आयु, रोग की गंभीरता और वातावरण के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। सामान्यतः रोगी को सांस फूलना, सीने में जकड़न, घरघराहट की आवाज, बार-बार खांसी आना और बलगम बनने की समस्या होती है। कई बार रात के समय या सुबह-सुबह अस्थमा के लक्षण अधिक बढ़ जाते हैं, जिससे नींद प्रभावित होती है। हल्का-सा परिश्रम करने पर भी सांस चढ़ जाना और अत्यधिक थकान महसूस होना भी इसके सामान्य लक्षण हैं। बच्चों में अस्थमा होने पर बार-बार सर्दी-जुकाम और खांसी बनी रहती है।

आयुर्वेदिक औषधियां

अस्थमा के उपचार में अनेक आयुर्वेदिक औषधियां प्रभावशाली मानी गई हैं। सितोपलादि चूर्ण कफ को संतुलित करता है और खांसी में लाभ देता है। तालीसादि चूर्ण श्वसन मार्ग को साफ करता है और बलगम को बाहर निकालने में सहायता करता है। वासावलेह फेफड़ों को मजबूत बनाता है और सूजन को कम करता है। कंकरासव और श्वास कुठार रस का उपयोग भी अस्थमा के दौरे को नियंत्रित करने में किया जाता है। इन औषधियों का सेवन हमेशा अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सक की देखरेख में करना चाहिए।

घरेलू उपाय

अस्थमा में कुछ सरल घरेलू उपाय भी काफी राहत प्रदान करते हैं। शहद में अदरक का रस मिलाकर नियमित सेवन करने से कफ पतला होता है और सांस लेने में आसानी होती है। हल्दी वाला गुनगुना दूध सूजन को कम करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। तुलसी की पत्तियां श्वसन तंत्र को स्वच्छ रखने में सहायक होती हैं। भाप लेने से श्वसन नलिकाएं खुलती हैं और जमा हुआ कफ ढीला पड़ता है। अजवाइन को कपड़े में बांधकर सूंघना अचानक होने वाले श्वसन कष्ट में तुरंत राहत देता है।

जीवनशैली में सुधार

अस्थमा के प्रभावी नियंत्रण के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, संतुलित आहार लेना और पर्याप्त विश्राम करना रोगी को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करता है। स्वच्छ वातावरण में रहना, घर को धूल-मिट्टी से मुक्त रखना और स्वच्छ हवा में समय बिताना भी लाभकारी होता है।

अस्थमा एक दीर्घकालिक रोग अवश्य है, लेकिन सही उपचार, अनुशासित जीवनशैली और सकारात्मक दृष्टिकोण से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद अस्थमा के मूल कारणों पर कार्य करता है और शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा को मजबूत बनाता है। आयुर्वेदिक औषधियां, संतुलित आहार, योग और प्राणायाम को अपनाकर अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति एक स्वस्थ, सक्रिय और गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली (उत्तर प्रदेश) क्षेत्र में आयुर्वेदिक चिकित्सा, शिक्षा एवं जन-स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह संस्थान न केवल भावी आयुर्वेद चिकित्सकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षित, प्रभावी एवं वैज्ञानिक आयुर्वेदिक उपचार पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अस्थमा जैसे दीर्घकालिक श्वसन रोगों के उपचार एवं नियंत्रण में संस्थान की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

कॉलेज के अंतर्गत संचालित आयुर्वेदिक अस्पताल में अस्थमा रोगियों के लिए व्यवस्थित ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं उपलब्ध हैं, जहां अनुभवी आयुर्वेदाचार्यों द्वारा रोग की प्रकृति, दोष स्थिति एवं रोगी की जीवनशैली का गहन मूल्यांकन कर व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार की जाती है। यहां शमन औषधियों के साथ-साथ आवश्यकतानुसार पंचकर्म चिकित्सा (नस्य एवं वमन, विरेचन) जैसी विधियों का उपयोग कर रोग के मूल कारण पर कार्य किया जाता है।

नाइट शिफ्ट और कार्य संतुलन

स्वस्थ जीवन की कुंजी

आज के समय में नौकरी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब काम केवल सुबह घर से निकलकर शाम को लौट आने तक सीमित नहीं रह गया है। अस्पतालों, सुरक्षा सेवाओं, मीडिया, परिवहन, आईटी और मल्टीनेशनल कंपनियों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग कार्यरत हैं, जिन्हें नाइट शिफ्ट में काम करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, दिन की शिफ्ट में काम करने वाले भी अक्सर लंबे समय तक लगातार बैठकर या एक ही मुद्रा में काम करने को मजबूर हैं। नाइट शिफ्ट और बिना ब्रेक लंबे समय तक काम-दोनों ही स्थितियां यदि संतुलित न हों, तो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम अपनी दिनचर्या में कुछ सजग और व्यावहारिक परिवर्तन लाएं।

इंदु सिंह
लेखिका

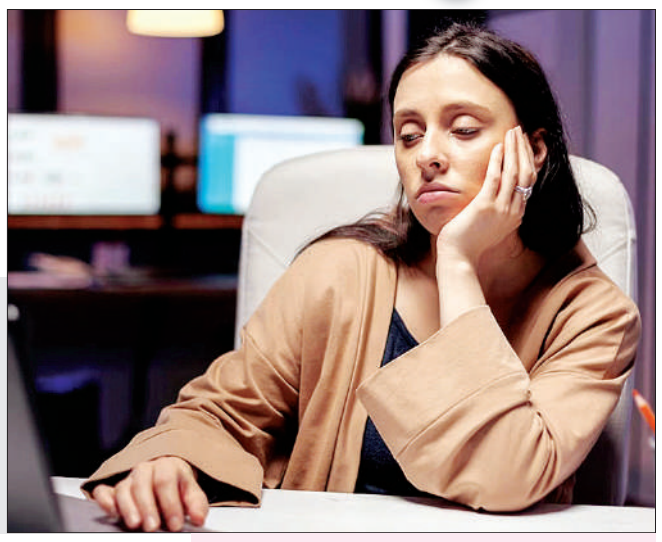

नाइट शिफ्ट: बदली हुई दिनचर्या की चुनौती

प्राकृतिक रूप से मानव शरीर इस तरह बना है कि वह रात में विश्राम करे और दिन में सक्रिय रहे। बचपन से ही हमें रात में सोने, सुबह उठने और समय पर भोजन करने की आदत डाली जाती है, लेकिन नाइट शिफ्ट करने वाले लोगों को इस प्राकृतिक क्रम के बिल्कुल विपरीत चलना पड़ता है। वे रात भर जागकर काम करते हैं और सुबह या दिन में सोते हैं। धीरे-धीरे भले ही बाहरी दिनचर्या बदल जाती हो, पर शरीर की आंतरिक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) को इस बदलाव के साथ तालमेल बिठाने में काफी कठिनाई होती है।

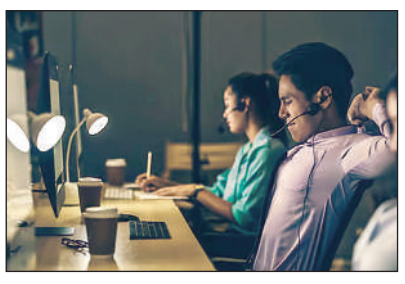

नाइट शिफ्ट में स्वयं को कैसे रखें अलर्ट

नाइट शिफ्ट में काम करने वालों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपनी जीवनशैली को पूरी तरह अव्यवस्थित न होने दें। सोने और जागने का एक निश्चित समय तय करें, भले ही वह दिन में क्यों न हो। सोते समय कमरे को शांत और अंधेरा रखें ताकि नींद गहरी आए। हल्का, सुपाच्य और संतुलित भोजन लें तथा पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। कैफीन का सेवन सीमित रखें और शिफ्ट के बाद शरीर को आराम देने के लिए योग, प्राणायाम या हल्की स्ट्रेचिंग को दिनचर्या में शामिल करें।

शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव

लंबे समय तक नाइट शिफ्ट करने से शरीर और मन दोनों पर अप्राकृतिक दबाव पड़ता है। नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, क्योंकि दिन में ली गई नींद अक्सर गहरी और पूर्ण नहीं होती। इसका परिणाम थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी के रूप में सामने आता है। इसके साथ ही भोजन का समय बिगड़ने से पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। देर रात खाना, असमय स्नैक्स लेना और पर्याप्त पानी न पी पाना आगे चलकर मोटापा, किडनी स्टोन, एसिडिटी और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है।

मानसिक स्तर पर देखें तो नींद की कमी और लगातार बदली हुई दिनचर्या चिंता, तनाव, अनिद्रा और अवसाद के जोखिम को बढ़ा देती है। युवावस्था में शरीर इन प्रयोगों को कुछ हद तक सहन कर लेता है, लेकिन आगे चलकर इनके दुष्परिणाम एक साथ सामने आते हैं, जो जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

लगातार बैठे रहकर काम करने की समस्या

केवल नाइट शिफ्ट ही नहीं, बल्कि दिन की शिफ्ट में लंबे समय तक लगातार बैठे रहकर काम करना भी आज की बड़ी समस्या बन चुका है। कार्यालयों में कर्मचारी घंटों कंप्यूटर या लैपटॉप के सामने एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं। काम की डेडलाइन और लक्ष्य पूरे करने की दौड़ में उन्हें न तो समय का भान रहता है और न ही अपने शरीर की स्थिति का। यहां तक कि जो लोग सक्रिय काम नहीं कर रहे, वे भी मोबाइल स्क्रॉलिंग में लंबे समय तक बैठे रहते हैं।

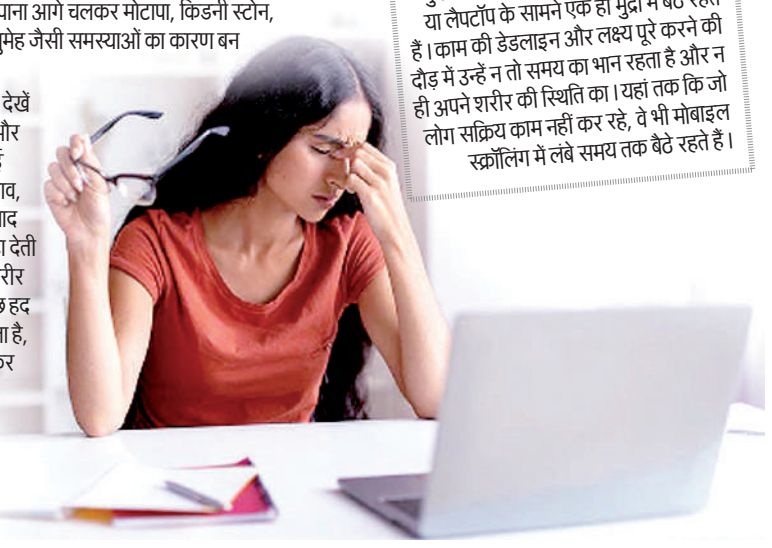

स्मार्ट ब्रेक: ऊर्जा का संजीवनी सूत्र

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक लगातार काम करने से शरीर और मस्तिष्क दोनों पर बोझ बढ़ता है। ऐसे में काम के बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लेना बेहद जरूरी है। ये स्मार्ट ब्रेक्स शरीर और मन के लिए बूस्टर डोज की तरह काम करते हैं। कुछ मिनट उठकर चलना, हल्की स्ट्रेचिंग करना, आंखों को स्क्रीन से हटाकर दूर देखना या गहरी सांस लेना-ये सभी छोटे उपाय काम की थकान को काफी हद तक कम कर देते हैं।

काम की गुणवत्ता और मानसिक संतुलन

स्मार्ट ब्रेक लेने से न केवल शारीरिक आराम मिलता है, बल्कि मानसिक ताजगी भी बनी रहती है। जब दिमाग थोड़ी देर के लिए काम से हटकर किसी दूसरी दिशा में लगता है, तो वह फिर से अधिक एकाग्रता और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसे ब्रेक्स में हेल्दी स्नैक्स लेना, पानी पीना या मनपसंद कोई हल्की गतिविधि करना व्यक्ति को अंदर से रिचार्ज कर देता है। इससे काम की गुणवत्ता और दक्षता दोनों बढ़ती हैं।

जिम्मेदारियों को बोझ नहीं, संतुलन बनाएं

जीवन में जिम्मेदारियों की कमी नहीं है, लेकिन इन्हें यदि बोझ की तरह ढोया जाए, तो तनाव और थकान बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं यदि समझदारी से काम को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर, बीच-बीच में ब्रेक लेते हुए पूरा किया जाए, तो वही काम आनंददायक भी बन सकता है। यह पूरी तरह व्यक्ति की सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि वह अपने काम और स्वास्थ्य के बीच कैसा संतुलन बनाता है।

नाइट शिफ्ट हो या दिन में लगातार बैठकर किया जाने वाला कार्य-दोनों ही स्थितियों में सजगता और संतुलन अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति के नियमों के विरुद्ध काम करने की मजबूरी भले ही हो, लेकिन अपनी जीवनशैली को पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने देना समझदारी नहीं है। समय पर नींद, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, योग-व्यायाम और स्मार्ट ब्रेक्स को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर हम न केवल अपने काम को बेहतर ढंग से कर सकते हैं, बल्कि अपने तन-मन को भी स्वस्थ रख सकते हैं। स्वस्थ शरीर और शांत मन ही दीर्घकालीन सफलता और सुखी जीवन की सच्ची कुंजी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। ऐसे में इस राशि के जातकों को किसी भी काम में आलस्य अथवा लापरवाही करने से बचना होगा। इस पूरे सप्ताह आपके विरोधी सक्रिय रहते हुए आपके कार्य में अड़ंगे डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में उनसे सावधान रहें।

वृष
इस सप्ताह आपके काम थोड़ी परेशानी के साथ और देरी से बनेंगे, लेकिन उन्हें अंततः मन-मुताबिक सफलता मिल ही जाएगी। छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम, प्रयास करना पड़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को दूसरों के भरोसे न रहकर अपने कार्य स्वयं करें।

मिथुन
इस सप्ताह स्वजनों के साथ आपके रिश्ते कभी नरम तो कभी गरम देखने को मिलेंगे। आपको किसी भी क्षेत्र में मनचाही सफलता के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी। साथ ही साथ ही साथ सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने का भी प्रयास करना होगा।

कर्क
इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना चाहिए। आप किसी भी काम में शार्टकट लेने से बचें अन्यथा धनहानि के साथ मानहानि भी झेलनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत में अचानक से कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

सिंह
यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम के लिए रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपके कार्य तेजी के साथ मन मुताबिक पूरे होते हुए नजर आएंगे और सकारात्मक परिणाम की बदौलत आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलेगी। करियर और कारोबार दोनों में ही मनचाही प्रगति मिलेगी।

कन्या
इस सप्ताह अपने संबंध और सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत रहेगी। यदि आप दूसरों से मदद की अपेक्षा रखते हैं, तो आपको दूसरों के लिए भी समय निकालते हुए तन-मन और धन के साथ हमेशा खड़े रहना होगा। यदि आप सिर्फ अपना ही हित साधते हुए स्वयं के लाभ तक खुद को सीमित रखते हैं, तो आप अपने शुभचिंतकों का साथ खो सकते हैं।

तुला
इस सप्ताह की शुरुआत में कामकाज में कुछेक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ और परिश्रम करना पड़ेगा। इस दौरान आपको स्वजनों और शुभचिंतकों का साथ कम मिल पाएगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह जिंदगी कभी हिचकोले खाते हुए तो कभी तेजी से रफ्तार लिए हुए नजर आएगी। अपनी योजनाओं को गुप्त रखते हुए उस पर पूरे मनोयोग से काम करने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी अपनी योजना का महिमामंडन दूसरों के सामने न करें अन्यथा आपके विरोधी उसमें बाधाएं डाल सकते हैं।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। आपको अपने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बरतने से बचना चाहिए अन्यथा उससे मिलने वाले लाभ के प्रतिशत में कमी आ सकती है। इस पूरे सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

मकर
इस सप्ताह कोई भी कदम बहुत सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता रहेगी। आवेश में आकर या फिर भावना में बहकर कोई भी ऐसा निर्णय न लें, जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़े। कार्यों में आने वाली अड़चन और उसमें मिलने वाली सफलता के प्रतिशत में कमी आपकी निराशा का कारण बनेगी। आर्थिक दृष्टि से थोड़ा कठिनाई लिए रहने वाला है।

कुंभ
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर और मनचाहे तरीके से पूरे हुए नजर आएंगे। आपको इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने और धन कमाने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपको आर्थिक दृष्टि से विशेष लाभ होने की संभावना बनेगी। करियर की दृष्टि से यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है।

मीन
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। इस सप्ताह आपको करियर और कारोबार में अपेक्षा से कम सफलता और लाभ की प्राप्ति होने की आशंका है। कार्यक्षेत्र में कामकाज का दबाव आप पर बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम में किसी भी लापरवाही करने से बचना चाहिए अन्यथा आपकी बनी-बनाई साख को नुकसान पहुंच सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 42

काकुरो 41 का हल

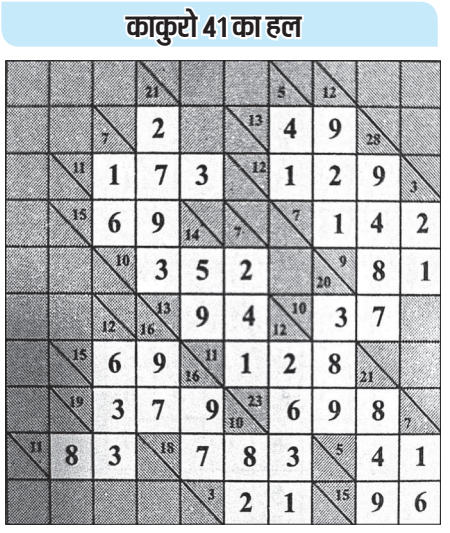

कहानी

संतुलन

रेवा ऑफिस से निकल कब कैब में बैठी और कब इस दौड़ती सड़क का हिस्सा बन गई, कब उसके सामने से अनेकों घटनाएं फ्रेम बनकर गुजरने लगीं उसे पता ही नहीं चला। वो कभी मोबाइल देखती तो कभी बाहर। इतने में गाड़ी लालबत्ती पर रुकी। लंबा जाम लगा हुआ था। उसने बाहर देखा तो सामने एक करतब दिखाने वाली छोटी सी लड़की दो बांसों के बीच बंधी रस्सी पर अपने पैर से संतुलन बनाते हुए इस ओर से उस ओर जा रही थी। वो ध्यान से उसे देखने लगी। छोटे-छोटे पैर धीरे-धीरे संभलकर आगे बढ़ते और नन्हें हाथ हवा में हिलते-डुलते संभल जाते। उस लड़की के सिर पर एक लकड़ी का कलश जैसा कुछ रखा हुआ था, जिस पर अनेक चित्र बने थे। पहले तो रेवा ध्यान से उसे देखती रही, फिर अचानक लगा कि उस लड़की की जगह रेवा खुद रस्सी पर नाच रही है और दोनों ओर संतुलन बनाना मात्र ही उसके जीवन का ध्येय बनकर रह गया है। सिर्फ दोनों ओर ही क्यों, हर तरफ, हर दिशा में वो बस संतुलन बनाने में लगी हुई है।

सुमित उपाध्याय
पत्रकार

स्त्रीवाद जैसी किसी विचारधारा को उसने अपने जीवन में जगह नहीं दी थी। उसने शुरू से जाना था कि मनुष्य बस मनुष्य है। अगर औरत होने के बाद भी वह इस समाज में बाहर काम करने निकली है, तो इसमें सबसे बड़ा हाथ उन पुरुषों का ही है, जो उसके जीवन में आए, उसके पिता, भैया, उसके मित्र और जीवन में सबसे बढ़कर उसका प्रेमी नीरज, जो अब उसका पति भी है। इन सबने कभी भी उसे ये एहसास ही नहीं होने दिया कि वो कुछ अलग है या वो पढ़ाई कर या काम कर कोई बहुत अचंभा जैसा कुछ कर रही है। नीरज की नजर में मनुष्य जंगल से बाहर निकला वो जानवर है, जो रोज इसलिए मेहनत करता है, अपने जीवन को बेहतर बनाता है कि उसे वापस जंगल में न लौटना पड़े। ये परिस्थिति पुरुष और स्त्री के लिए अलग-अलग नहीं है। ये जीवन है, जीवन का हिस्सा है।

खुद रेवा का भी यही मानना था। मगर इस स्त्री-पुरुष के बाहर भी एक दुनिया है, जो निजी फायदे और नुकसान पर चलती है। जहां आज दस तारीख होने के बाद भी उसकी कंपनी में सैलेरी नहीं आई है और ऊपर से पूरी बेशर्मी के साथ एचआर ने किसी बकवास से इवेंट की घोषणा की है। पूरा ऑफिस उस पर कुछ बोलने की बजाय ही-ही करता दिखा है। फिर वो सबको क्यों बोले खुद वो भी तो कुछ नहीं बोल पाई है। इस समय किसी भी तरह से वो ये नौकरी खोना नहीं चाहती, सैलेरी हो सकता है चार दिन बाद मिल जाए।

दूसरी तरफ नीरज की मौसी हैं, जो आज सत्रह दिनों से किसी डॉक्टर को दिखाने के लिए उसके फ्लैट पर रुकी हैं। रुकें तो रुकें मगर अब वो दखल देने की ओर भी बढ़ चुकी हैं। अभी कल ही बोल रहीं थी कि बच्चे को कुछ पौष्टिक भी खिलाया करो। ये डिब्बाबंद खाना जहर है। जानती हूं वो बोल सही रही हैं, मगर पता नहीं क्यों इधर चार-पांच दिनों से उनकी हर बात पर चिढ़ सी होती है। नीरज को तो जैसे कुछ दिखता ही नहीं है। मौसी के हिसाब से खाना, रहना, घूमना। ऐसा लगता है फ्लैट मौसी घर बन चुका है।

अब नीरज को कैसे समझाया जाए कि खुद उसकी मम्मी पिछले हफ्ते से रेवा पर ये दबाव बना रही हैं कि किसी भी तरह उसकी मौसी को वो वापस भेजे। अपना कोई राज उनके सामने न आने दे । ऑफिस क्या कम था कि घर पर भी सीक्रेट गेम्स शुरू हो गए और तो और लग रहा है कि इस महीने छुट्टियों के कारण नीरज की सैलेरी भी कुछ कटेगी। यानी अगले महीने सेविंग पर असर आने जा रहा है। आज तक खुद दो रोटी कम खाकर भी रेवा ने नीरज के घर भेजे जाने वाले हेल्प में कभी कोई कटौती नहीं की। फिर मौसी का नया शहर घूमने का मन था, तो वो नीरज को छुट्टी लेने को मना भी कैसे करती। डर तो ये है कि आज मौसी को शाम को साड़ी दिलवाने ले जाना है।

ये सब वो सोच ही रही थी कि गाड़ी आगे बढ़ चली और वो घर से अब कुछ ही दूरी पर रह गई। इतने में उसके बॉस का फोन आया कि रेवा कोई असाइनमेंट है आज घर जाकर प्लीज़ पीपीटी भेज देना । बस इसी की कमी थी, अब उसका मन पूरा झुंझला गया। सामने सब्जी मंडी थी, तो उसने सोचा कि थोड़ी सब्जी लेते चले कम से कम एक काम तो खत्म होगा। इतना सोच उसने गाड़ी रुकवाई और कुछ सब्जी खरीद दुबारा गाड़ी में बैठने को ही थी, उसे लगा सीट के नीचे कुछ है।

गाड़ी में बैठ अपने झोले के बगल में रखे प्लास्टिक को धीरे से टटोलने लगी तो उसे थोड़ा अजीब लगा। धीरे से खोल के देखा तो उसमें ढेर सारे नोटों की कोई सात-आठ गड्डियां थीं। पहले तो उसने डरकर सीट पर ही प्लॉस्टिक रख दी। फिर कुछ सोचा कि ड्राइवर के पास तो इतने पैसे आने से रहे। इसका तो नहीं हो सकता। ड्राइवर जो फोन पर बात किए जा रहा था, वो पीछे सीट पर हो रही किसी भी घटना से एकदम अंजान ही था।

ये देख रेवा ने धीरे से वो प्लास्टिक अपने सब्जी के झोले में डाल दी। अब उसका दिमाग एकदम तेजी के साथ दौड़ने लगा। उसे अपने जीवन की आधी समस्याएं खत्म होती दिखीं। मगर मन के अंदर इतनी बेचैनी थी मानो रेवा उस नाच वाली रस्सी पर कभी इधर - कभी उधर भाग रही हो। नोट नकली तो नहीं। उसने चुपके से छू के देखा। न, एकदम असली है। नीरज नहीं मानेगा, उसने तो आज तक कामवाली आंटी के पैसे भी न काटे, रेवा नीरज को बताएगी ही नहीं। मगर मौसी की नजर पड़ी तो! यार ये जा भी नहीं रहीं। वो घर में जाते ही पहले इसे छुपा देगी। मगर किसी के जरूरत के पैसे हुए तो, सुना है बहुत बुरी हाय लगती है। इतने में सामने उसे अपनी कॉलोनी दिखाई दी। वो और घबड़ाने लगी। उसने आंखें बंदकर लीं और आंखें बंद करते ही रेवा को वो रस्सी पर संतुलन बैठाती लड़की दिखाई दी।

गाड़ी उसके अपार्टमेंट के सामने रुकी। रेवा ने एकदम अचानक से ड्राइवर से पूछा "भैया ये प्लास्टिक आपकी है?" ड्राइवर ने एकदम से गाड़ी में देखा और कहां हां दीदी, अब रेवा ने पूछा "क्या है इसमें?" तो ड्राइवर ने कहा, "दीदी आठ गड्डियां होंगी, आठ लाख रुपए हैं, आज ही बैंक से निकाला है, कल अपनी नई गाड़ी खरीदने वाला हूं, ये गाड़ी तो मालिक की है। दस सालों से जोड़कर खड़ा किया है, इतना बोलते-बोलते वो लगभग रो पड़ा। रेवा ने मुस्कुराकर उसे प्लास्टिक थमा दी और कहा घबड़ाइए मत, मैं आपको गलत नहीं कह रही कुछ। जैसे ही रेवा ने कैब का किराया पे किया, रेवा की सैलेरी के क्रेडिट होने का मैसेज आ गया। वो मुस्कुराकर फ्लैट की ओर चल दी।

रेवा घर गई और रात सोते समय उसने अपनी डायरी में लिखा कि रस्सी पर संतुलन बनाते समय सबसे अधिक जरूरी है कि हर कदम पूरे विश्वास और ईमानदारी से उठाया जाए, उसने लाइट ऑफ किया और नीरज के कंधे पर सर रख सुकून से सो गई।

काव्य

जय सोमनाथ

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम,
भारतीय आस्था आस्तिकता,
संस्कृति शिवत्व औ सनातनता,
स उमा स्वरूप प्रतिमा अप्रतिम। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
झेला अब तक सत्रह प्रहार,
गजनी खिलजी औरंगजेब,
क्रूरता दमन विध्वंस लूट,
पर हार न मान उठ खड़ा हुआ। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
साक्षी त्रिवेणि औ अरबसागर,
कितने लोगों ने न्यौछावर,
प्रतिरोध त्याग बलिदान समर, कैलाशनाथ हों अधिष्ठापित। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
चिर ऋणी रहेगी भरत धरा,
शिवभक्त अहिल्या,राजा कुमार,
राजेन बाबू,सरदार मुंशि,
संप्रति श्रीमूर्ति प्रबल साधक। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
हे सोमनाथ, भारत को कर दो अब अजेय,
संस्कृत संस्कृति विज्ञान प्रविधि, कृत्रिम मेधा औ समर प्रविधि,
भारत सक्षम हो अपराजेय। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

पॉजिटिविटी को फॉलो कर

पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।
मर्सी हार्ट बना के नेचर सॉफ्ट बना लो।।
सेल्फिश इगो एवाइड कर हार्ट क्लीन बना लो।
थिंकिंग थॉट ट्रांसपेरेंट रख माइंड फ्रेश बना लो।।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

ऑनेस्टी विद टू फॉलो कर
गॉड को मना लो।
ओपन हार्ट ओपन माइंड ईजी लाइफ बना लो।।
कॉन्फिडेंस स्ट्रॉन्ग कर
एटीट्यूड सॉफ्ट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

रिलेटिव को हैप्पी रख
रिलेशन स्वीट बना लो।
रिक्वायरमेंट लिमिटेड कर
सैटिस्फैक्शन फ्रेंड बना लो।।
टू इन गॉड एक्सेप्ट कर
फ्यूचर ब्राइट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

नो एन्वियस नो हेट रिस्पेक्ट परफेक्ट करा लो।
नो आर्ग्युमेंट नो कमेंट एब्सोल्यूटली राइट पाओ।।
हेट द सिन नॉट द सिनर
सेंटिमेंटल हार्ट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

राकेश कुमार गुप्ता
बहेड़ी

जख्मों से क्या डरना

जख्म तुमने जो दिए, रखे हैं
भोत संभाल के।
देख लेता हूं उन्हें, जब कोई
मुश्किल हो मुझे,
नहीं जख्म भरने मुझे, वो
रस्ता दिखलाते हैं।
कौन अच्छा कौन बुरा है, वो
मुझे बतलाते हैं,
जख्म तुमने जो दिए, रखे हैं
भोत संभाल के।

जब भी मिलते थे मुझे ये,
सजा लिए कतार में,
एक से बढ़कर एक मिलें हैं,
सब सजे दीवार पे,
कोई कहता दिल पे मत ले,
कोई कहें दीवानापन,
जानता नहीं है, वो कि ये मेरी
ऊंचाई है,
जख्म तूने जो दिए, रखे हैं
भोत संभाल के।

नहीं कोई शिकवा मुझे ये,
क्यों मिले खैरात में,
रंजो-गम बिल्कुल नहीं है, ये
हसीं सौगात है,
तुम कहो नादानगी है, मैं कहूं
ताबीज है
इन जख्मों से मुझे, आती
नहीं बुराई है,
जख्म तुमने जो दिए रखे है
भोत संभाल के।

डॉ बी.पी.सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

लघुकथा

वसंत पंचमी का स्वागत

सिंटू सुबह से ही पीले रंग के कागजों से फूलों की मालाएं बना रहा था। उसने एक बहुत बड़ी माला तैयार कर ली थी, जिससे वह पूरा घर सजाना चाहता था। उसके सभी मित्र भी वसंत पंचमी के स्वागत की तैयारियों में लगे हुए थे। सिंटू मन ही मन बहुत प्रसन्न था, क्योंकि वसंत पंचमी का पावन पर्व आने वाला था। वह घर सजाने में व्यस्त था, तभी पिंकी ने आवाज लगाई, "सिंटू, जरा इधर तो आओ। देखो, मैंने अपना कमरा कितना सुंदर सजाया है।" कमरे में इधर-उधर लगे पीले फूलों के गुच्छे अत्यंत मनोहारी लग रहे थे। पिंकी बोली, "अरे सुनो, अभी तो पीले रंग की मिठाइयां, फल और प्रसाद भी बाजार से लाना है। दोस्तों को भी बुलाना है।" फिर हंसते हुए बोली, "सरस्वती वंदना तो हमने स्कूल में ही अभ्यास कर ली है।"

"आओ सिंटू, जल्दी आओ," पिंकी ने कहा। सिंटू बोला, "पिंकी, मैं अपना सारा काम पूरा करके ही आऊंगा।" यह सुनकर पिंकी चुपचाप बाहर बैठ गई। दोपहर का समय हो गया था। पिंकी पूजा की तैयारियों में जुटी हुई थी। मां घर में पीले वस्त्र निकाल रही थीं, परंतु सिंटू की बनाई मालाएं अभी पूरे घर में नहीं लग पाई थीं। अब सिंटू को जोरों की भूख भी लगने लगी थी। वह मन ही मन सोच रहा था कि उसे अपने दोस्तों के साथ वसंत पंचमी का पर्व भी मनाना है। वह बुदबुदाया, "समय कितना जल्दी बीत रहा है। सभी को प्रसाद देना है। सारे काम निपटाकर फिर हम सब मिलकर खुशियां बांटेंगे।" सिंटू ने जल्दी-जल्दी मालाएं टांग दीं और घर के अंदर आकर मां से बोला, "मां, बहुत भूख लगी है। जल्दी से खाना दे दो।"

यशी
लेखिका, लखनऊ

"अच्छा बेटा," मां ने स्नेह से कहा। सिंटू ने जल्दी से खाना खाया और बिना बताए बाहर चला गया। मां उसकी आदत जानती थीं, इसलिए उन्होंने कुछ नहीं कहा। दोनों बच्चे वसंत पंचमी के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। पिंकी पीले रंग के कपड़ों में प्रसाद सजा रही थी और किताबें मां सरस्वती के पास रख रही थी। थोड़ी देर बाद वह बाजार से फूल, मिठाइयां और पीले गुब्बारे लेकर लौट आई।

अचानक दरवाजे की घंटी बजी। पिंकी ने दरवाजा खोला। सामने सिंटू अपने दोस्तों के साथ प्रसाद और फूल लेकर खड़ा था। सभी बच्चे हंसते-खेलते हुए घर के अंदर आ गए। पिंकी ने मुस्कराकर कहा, "पहले पूजा होगी, फिर सबको प्रसाद मिलेगा।" घर में भक्तिमय वातावरण छा गया।

कोई पूजा की थाली सजा रहा था, तो कोई किताबें और वाद्य यंत्र सजा रहा था। थोड़ी ही देर में वसंत पंचमी का शुभ मुहूर्त आ गया। सभी बच्चों ने मिलकर मां सरस्वती की पूजा की। फूल अर्पित किए गए, प्रसाद बांटा गया और सबने एक-दूसरे को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं। तभी पिंकी के पापा ने आवाज लगाई, "सिंटू बेटा, अपने दोस्तों को अंदर बुलाओ।" सभी बच्चे अंदर आ गए। पापा ने स्नेहपूर्वक सबके सिर पर हाथ रखा और बोले, "बच्चो, आज वसंत पंचमी का पावन पर्व है। यह केवल उत्सव का नहीं, बल्कि विद्या और संस्कार का दिन है।"

फिर उन्होंने कहा, "आज तुम सब यह संकल्प लो कि मन लगाकर पढ़ोगे, ज्ञान का सम्मान करोगे और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करोगे।" यह सुनकर सभी बच्चों ने प्रसन्नता से हाथ बढ़ाकर पापा से वादा किया कि वे ज्ञान के मार्ग पर चलेंगे और सदैव आगे बढ़ते रहेंगे। वसंत पंचमी का यह पर्व बच्चों के लिए उल्लास के साथ-साथ प्रेरणा का संदेश भी लेकर आया।

कतारें

'यस... आई गॉट इट!' आई फोन -17 पाकर निखिल ने हवा में पंच करते हुए बोला। अब उसके हाथ में लेटेस्ट मोबाइल आ चुका था। एक लाख कीमत का यह मोबाइल अमेरिका के साथ-साथ भारत में आज ही लॉन्च किया गया है। निखिल जानता था कि मुंबई में इस मंहगे मोबाइल को खरीदने वालों में होड़ लगेगी, इसलिए वह कल डिनर के बाद देर रात से ही स्टोर के बाहर 'क्यू' में लग गया था। सबसे पहले लेटेस्ट फोन लेने का उसका यह शौक उसके 'जेन-जी' दोस्तों में उसे स्पेशल फील करता है। मां प्रीती और पिता अशोक गोयल दोनों ही पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। इकलौते बेटे के महंगे शौक पूरे करने में उन्हें खूब खुशी मिलती है।

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

इसी देश में इंसानों की अनेक कतारे खाद खरीदने के लिए लगी हुई है। युवा किसान अखिलेश अपनी फसलों के लिए खाद बिक्री केन्द्रों में रात से लाइन में लग गया था। खाद के बिना फसलोत्पादन नहीं हो होगा और अखिलेश ही नहीं उसके जैसे किसी किसान के पास इतना धन नहीं कि पहले से खाद लेकर स्टोर कर सके।

भीड़ बढ़ती गई। दस-बारह किसानों को ही खाद मिल पाई थी कि स्टॉक समाप्त हो गया। सैकड़ों की भीड़ ने निराश होकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस आ गई। लाठी चार्ज हो गया...। कतार तितर-बितर हो गई। अखिलेश को भी चोटें आईं हताश होकर वह खाली हाथ घर लौटा। कितना फर्क है एक ही देश की कतारों के बीच।

समीक्षा

साहित्य का गहरा अध्ययन

पंडित राधेश्याम कथावाचक (1890-1963) अपने समय के महान साहित्यकार थे। आपने बड़ी संख्या में नाटक, एकांकी और काव्य लिखे। फिल्मों के लिए भी गीत-संवाद लिखे। आपकी प्रसिद्ध का मुख्य आधार आपके द्वारा लिखित "राधेश्याम रामायण" है। यह राधेश्यामी छंद में लिखी हुई है। आपके इसकी लगभग डेढ़ करोड़ प्रतियां बिक चुकी थीं।

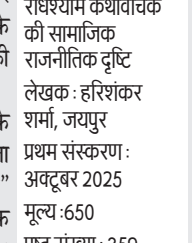

पुस्तक समीक्षा
पुस्तक का नाम : पंडित राधेश्याम कथावाचक की सामाजिक राजनीतिक दृष्टि
लेखक : हरिशंकर शर्मा, जयपुर
प्रथम संस्करण : अक्टूबर 2025
मूल्य :650
पृष्ठ संख्या : 359
समीक्षक : रवि प्रकाश रामपुर

हरिशंकर शर्मा ने पंडित राधेश्याम कथावाचक के साहित्य का गहरा अध्ययन किया है। एक दर्जन से अधिक पुस्तकें आपने कथावाचक जी के नाटक और काव्य को पुनः प्रकाशित करते हुए संपादित की हैं। कथावाचक जी के राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण को पाठकों के सामने प्रस्तुत करने का कार्य अब तक नहीं हुआ था। हरिशंकर शर्मा द्वारा संपादित पंडित राधेश्याम कथावाचक की विभिन्न कृतियों को पढ़कर यह कार्य हो तो सकता था, लेकिन अब इस पुस्तक के प्रकाशित होने से पाठकों और शोधकर्ताओं को काफी आसानी हो सकेगी।

प्रारंभ में ही हरिशंकर शर्मा ने कथावाचक जी के बहु-आयामी व्यक्तित्व और कृतित्व को "हरफनमौला रचनाकार" का नाम दिया है। यह कथन "संपादकीय" के अंतर्गत देने की आवश्यकता नहीं थी। समूची पुस्तक का एक-एक शब्द हरिशंकर शर्मा द्वारा लिखित है। इसमें उनकी पूर्व प्रकाशित संपादित पुस्तकों की कुछ पुनरावृत्ति तो हो सकती है, लेकिन यह पुस्तक संपादित नहीं है। यह मौलिक कृति है। अतः संपादकीय के स्थान पर प्रस्तावना, भूमिका, दो शब्द अथवा अग्रलेख शीर्षक उचित रहता।

पं. राधेश्याम कथावाचक की राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि का मूल्यांकन करने के लिए हरिशंकर शर्मा ने पुस्तक को नौ भागों में विभाजित किया है। प्रत्येक भाग में कथावाचक जी की कृतियों के उद्धरण देते हुए उनकी दृष्टि पाठकों के सामने रखी है। पं. राधेश्याम कथावाचक ने अनेक फिल्मों में संवाद और गीत लिखे। हरिशंकर शर्मा ने विभिन्न फिल्मों में कथावाचक जी की महत्वपूर्ण उपस्थिति की चर्चा की है, लेकिन इस बात को भी रेखांकित किया है कि अगर कथावाचक जी फिल्मी दुनिया को ही अपनी दुनिया बना लेते, तो वह फिल्मी दुनिया के मील का पत्थर होते। ऐसा क्यों नहीं हो पाया? इसका कारण हरिशंकर शर्मा ने कथावाचक जी की सनातन धर्म के प्रति आस्था को बताया है। उनका कहना है कि फिल्मी जगत में पहुंच कर भी कथावाचक जी ने आचरण की शुद्धता के साथ समझौता नहीं किया। कहने का तात्पर्य यह है कि कथावाचक जी ने अपने जीवन, कार्य और व्यवहार के द्वारा दो टूक संदेश यह दिया कि हर क्षेत्र में वह अपनी शर्तों पर जाएंगे और अपनी शर्तों पर ही वहां रहेंगे।

व्यंग्य

लोकल मुर्गी बे-हाल बराबर

एक बड़ा प्रसिद्ध मुहावरा है-"घर की मुर्गी दाल बराबर"। माफ कीजिएगा, चूंकि मैं ठहरा साहित्यप्रेमी, तो मैंने इसे बिना किसी की इजाजत लिए अपने स्तर से उच्चीकृत किया है। मुहावरे का नया अवतार है- "लोकल मुर्गी बे-हाल बराबर"। पहले तो यह स्पष्ट कर दूं कि मनुष्य अर्थात एक सामाजिक प्राणी होने के नाते मैंने यह दूरदर्शितापूर्ण कदम समाज की ही भलाई के लिए उठाया है। वो अलग बात है कि मेरी इस विवेकपूर्ण पहल से बेचारा मुहावरा जो अब तक दीनहीन अवस्था में कूपमंडूकता का लिबास ओढ़े पड़ा था, रातों-रात व्यापकता और प्रसिद्धि के उन्नतोन्नत शिखरों को स्पर्श करके सुपरहिट हो गया है।

शिशिर शुक्ला
साहित्यकार

अब आता हूं मेरे इस नवीन सृजन की विषयवस्तु पर। दरअसल किसी भी समाज अथवा कार्यक्षेत्र में दो प्रजातियों के प्राणी पाए जाते हैं। पहली प्रजाति तो वह है, जो परदेसी होते हैं, मसलन किसी दूसरे क्षेत्र से आकर वहां शरण लेते हैं। इन बेचारों को उस समाज की विशेषताओं एवं गूढ़ रहस्यों का लेशमात्र भी ज्ञान नहीं होता, लिहाजा इन लाचारों से किसी की कोई अपेक्षा भी नहीं होती और ये उस तंत्र में अपना जीवन अपनी ही धुन में जीते रहते हैं, बिना किसी व्यवधान के। दूसरी प्रजाति होती है लोकल अर्थात स्थानीयता के रंग में सराबोर लोगों की। इनके हिस्से में आता है- तमाम जिम्मेदारियां, भांति-भांति के कार्य और लोगों को मुफ्त की सलाह प्रदान करना। लोकल होना एक ऐसा स्थायी दायित्व है, जिसे निभाते-निभाते व्यक्ति की रीढ़ के साथ साथ सहनशक्ति भी टूट जाती है। यदि आप सार्वजनिक संपत्ति में तब्दील होना चाहते हैं, तो आपका लोकल होना एक विशेष योग्यता की भूमिका अदा करेगा।

लोकल व्यक्ति की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि लोग उसे दावत में मिलने वाली मिठाई की तरह प्रयोग करते हैं, एक-एक व्यक्ति एक बार, दो बार और न जाने कितने बार। स्वार्थ के स्थान पर अनवरत रूप से परमार्थ का कार्य करने में तत्पर लोकल व्यक्ति पुण्य के समानुपात में ही तनाव भी अर्जित करता रहता है। लोकल व्यक्ति का दिन प्रायः उसके चल दूरभाष को सुशोभित कर रही अनेक मिस कॉल अथवा संदेशों से शुरू होता है, बल्कि सच कहें, तो उसे अपने दिनभर के परमार्थों का मोटा-मोटा फ्रेमवर्क सूरज की पहली किरण के साथ ही प्राप्त हो जाता है।

खास बात यह है कि किसी अभीष्ट कार्य के सिद्ध होने पर तो उसे कोई पारितोषिक नहीं मिलता, लेकिन अगर कहीं वह परमार्थ पूर्ण करने में असफल रहा तो भांति-भांति की व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से उसे विभूषित कर दिया जाता है। चहुंओर से मिलने वाले आदेश और निर्देश उसके मस्तिष्क में जाम लगाने का पूर्ण प्रयत्न करते हैं। लोकल व्यक्ति का घर किसी प्रतीक्षालय से कम नहीं होता, जहां तमाम कल्याण के लक्ष्य उसका इंतजार करते हैं। वहीं अगर उसके घर की रसोई की बात करें, तो वह भी किसी कैंटीन से कम नहीं होती।

एक विशेष बात यह कि अगर खुदा न खास्ता लोकल व्यक्ति के मुखारविंद से "आज व्यस्त हूं, समय नहीं है" जैसे शब्द प्रस्फुटित हो गए, तो यह एक गंभीर सामाजिक अपराध की श्रेणी में आ जाता है। फिलहाल तत्काल कार्यवाही के रूप में सामने वाले के द्वारा उसे एक मौखिक किंतु तीक्ष्ण व कटु "कारण बताओ नोटिस" जारी कर दिया जाता है। कुछ देर शांत बैठना, विश्राम करना और अपने विषय में सोचना, ये सारी विलासिताएं लोकल व्यक्ति के भाग्य में नहीं लिखी होतीं। वह आजीवन इनसे वंचित ही रहता है। लोकल व्यक्ति का किसी कार्य को मना करना सामाजिक शिष्टाचार एवं नैतिकता के विरुद्ध माना जाता है। एक बार ऐसा करने पर उसकी लोकल पहचान सदा-सदा के लिए खतरे में पड़ जाती है। समाज भी इतना चालाक है कि वह लोकल व्यक्ति को उसके परोपकार हेतु कभी खुलकर धन्यवाद नहीं देता। "यार, तुम न होते तो पता नहीं क्या होता", इतना कहकर लोग अपने रास्ते चल देते हैं, लेकिन इन अमूल्य शब्दों को सुनकर लोकल व्यक्ति नितांत भावुक हो जाता है और अगली बार फिर से परहित के लिए तैयार हो जाता है।

अपने लोकल होने की अमिट छाप से उत्पन्न होने वाली सुखानुभूति ही दरअसल लोकल व्यक्ति की कमजोरी होती है। समाज भी उसकी इस कमजोर नस को जीभर के दबाता है और लोकल व्यक्ति को भावनात्मक प्रताड़ना देता रहता है। लोकल व्यक्ति का संपूर्ण जीवन वस्तुतः एक अंतहीन सेवा योजना होती है, जिसमें न तो कोई अवकाश है, न पेंशन और न ही सम्मान पत्र। अगणित परोपकारों के लिए किसी समाचार पत्र में उसका नाम कभी नहीं छपता, लेकिन समाज की हर समस्या में उसका जिक्र जरूर होता है। वह हर समस्या का प्रथम समाधान होता है। अंततः जब लोकल व्यक्ति किसी क्षण थककर बैठता है, तो उसे एहसास होता है कि उसने सबके लिए बहुत कुछ किया, किंतु अपने लिए कुछ भी नहीं। वह कल्पना करता है, "काश! मैं भी थोड़ा गैर-लोकल होता।" यह विचार भी उसे चैन नहीं लेने देता, क्योंकि तत्काल दरवाजे की घंटी बज जाती है और एक ध्वनि प्रकट होती है, "भैया, एक छोटा सा काम था"।

भारतीय ज्ञान-परंपरा में स्त्री की उपस्थिति

आज के बौद्धिक और अकादमिक विमर्श में 'भारतीय ज्ञान-परंपरा' एक महत्वपूर्ण और बहुप्रचलित शब्द के रूप में उभरकर सामने आई है। इसके माध्यम से न केवल अतीत की ओर लौटकर देखने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए वैचारिक दिशाएं भी तलाश की जा रही हैं। भारतीय ज्ञान-दृष्टि का मूल स्वर किसी एक विचारधारा या संप्रदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोक, शास्त्र, दर्शन, अनुभव और करुणा के समन्वय से निर्मित एक समग्र दृष्टि है, जिसका आदर्श वाक्य 'सर्वे भवंतु सुखिन :' के सार्वभौमिक भाव में निहित है। भारतीय ज्ञान-परंपरा की जड़ें लोकजीवन में गहरे धंसी हुई हैं, जहां कथा, गीत, स्मृति और अनुभव के माध्यम से ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रवाहित होता रहा है। इस परंपरा की एक विशिष्ट विशेषता इसकी बहुवचनात्मकता है, जहां एक ही कथा के अनेक पाठ संभव हैं और सत्य किसी एक केंद्र में बंधा नहीं रहता। इसी व्यापक और समावेशी ज्ञान-संरचना के भीतर स्त्री की भूमिका केवल सहायक या हाशिए की नहीं रही, बल्कि वह ज्ञान की साधिका, संवाहिका और उत्पादक के रूप में उपस्थित रही है। यह आलेख भारतीय ज्ञान-परंपरा के इसी बहुआयामी स्वरूप को, विशेषकर स्त्री की ऐतिहासिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक उपस्थिति के संदर्भ में पुनर्विचारित करने का एक प्रयास है।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

ज्ञान की भारतीय दृष्टि : समग्रता और करुणा का दर्शन

आज के समय में 'भारतीय ज्ञान-परंपरा' एक अत्यंत चर्चित शब्दावली बन चुकी है। विभिन्न बौद्धिक विमर्शों, अकादमिक चर्चाओं और सांस्कृतिक संवादों के माध्यम से इसके नित नए आयाम सामने आ रहे हैं। यह परंपरा केवल अतीत की ओर लौटने का आग्रह नहीं करती, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य की दिशा तय करने का वैचारिक आधार भी प्रदान करती है। भारतीय ज्ञान-दृष्टि का मूल स्वर 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः' की भावना में निहित है, जहां ज्ञान का उद्देश्य केवल बौद्धिक तुष्टि नहीं, बल्कि समग्र समाज और सृष्टि के कल्याण से जुड़ा हुआ है।

ज्ञान-परंपरा की व्यापक संरचना

भारतीय ज्ञान-परंपरा केवल दार्शनिक या आध्यात्मिक अवधारणाओं का संकलन नहीं है, बल्कि यह समाज, संस्कृति और जीवन-मूल्यों की समग्र संरचना है। इस परंपरा में स्त्री की उपस्थिति हाशिए पर नहीं, बल्कि अनेक स्तरों पर केन्द्रीय और निर्णायक रही है। यद्यपि विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में पितृसत्तात्मक संरचनाओं के कारण स्त्री की भूमिका को सीमित करने के प्रयास हुए, फिर भी ज्ञान-निर्माण, अनुभूति और अभिव्यक्ति के क्षेत्र में उसकी सक्रिय भागीदारी बनी रही।

वैदिक बौद्धिक चेतना में स्त्री

ऋग्वैदिक काल में स्त्री को ज्ञान-साधिका और संवादकर्ता के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त थी। गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, अपाला और घोषा जैसी ऋषिकाएं केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि ब्रह्मविद्या और दार्शनिक विमर्श में सक्रिय थीं। गार्गी और याज्ञवल्क्य के बीच हुआ संवाद यह दर्शाता है कि स्त्री तर्क, प्रश्न और बौद्धिक विवेक के उच्च स्तर पर स्थित थी। मैत्रेयी का आत्मा-संबंधी प्रश्न भारतीय दर्शन में स्त्री की चेतना का अत्यंत सशक्त उदाहरण है। उपनिषदों में स्त्री केवल श्रोता नहीं, बल्कि ज्ञान की सहयात्री के रूप में उपस्थित है।

दर्शन में स्त्री तत्व की गरिमा

सांख्य दर्शन में 'प्रकृति' की अवधारणा स्त्री-तत्व को दार्शनिक गरिमा प्रदान करती है। यहां स्त्री निष्क्रिय नहीं, बल्कि सृष्टि की प्रेरक और सृजनशील शक्ति है। इसी क्रम में भारतीय ज्ञान-परंपरा का एक महत्वपूर्ण पक्ष शक्ति-उपासना है। दुर्गा, काली, सरस्वती और लक्ष्मी केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि साहस, ज्ञान, सृजन और समृद्धि की दार्शनिक संकल्पनाएं हैं।
तांत्रिक परंपरा में स्त्री को ब्रह्मांडीय ऊर्जा के रूप में देखा गया, जो देह से परे चेतना का प्रतीक है।

बौद्ध परंपरा और स्त्री मुक्ति का प्रथम स्वर

बौद्ध परंपरा में महाप्रज्ञापारमिता स्त्री-तत्व का दार्शनिक रूप है। बुद्ध द्वारा भिक्षुणी संघ की स्थापना स्त्री की बौद्धिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। संघ की तिहत्तर थेरियों की लगभग पांच सौ गाथाओं का संकलन 'थेरीगाथा' सभ्यता के नीचे दबी स्त्री-मुक्ति का प्रथम मुखर स्वर है। इन गाथाओं में स्त्री स्वयं को केवल देह नहीं, बल्कि स्वतंत्र चेतना के रूप में स्थापित करती है, जो जीते-जी मुक्ति का अनुभव चाहती है।

विदुषी स्त्रियों की उपस्थिति

प्राचीन भारत में स्त्रियों की सार्वजनिक उपस्थिति के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं। गार्गी, मैत्रेयी, उभय भारती, रोमशा, लोपामुद्रा जैसी विदुषियों ने बौद्धिक क्षेत्र में अपने समकालीन पुरुषों के साथ संवाद किया और कई बार उन्हें पराजित भी किया। शंकराचार्य और मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ में निर्णायक की भूमिका निभाने वाली उभय भारती स्त्री की निष्पक्ष और सशक्त उपस्थिति का उदाहरण हैं।

भक्ति आंदोलन : लोकभाषा में ज्ञान की स्त्री-वाणी

भक्ति आंदोलन ने स्त्री को अभिव्यक्ति का नया मंच दिया। मीराबाई, अक्का महादेवी, अंडाल, लल्लेश्वरी, जनाबाई और सक्कुबाई जैसी संत कवयित्रियों ने ज्ञान को लोकभाषा और जीवनानुभव से जोड़ा। मीराबाई ने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए आध्यात्मिक स्वतंत्रता का मार्ग चुना और सती प्रथा से इनकार किया।

वटवृक्ष की जड़ें : लोक, श्रुति और स्मृति की निरंतरता

भारतीय ज्ञान-परंपरा की जड़ें वटवृक्ष की भांति गहरी और विस्तृत हैं। इसकी शाखाएं शास्त्र, लोक, दर्शन, कथा, कला और जीवनानुभव तक फैली हुई हैं। लोक में प्रचलित रामकथा का एक प्रसंग इस परंपरा को अत्यंत सजीव रूप में प्रस्तुत करता है। जब राम के वनगमन के बाद माता कौशल्या पूछती हैं कि उन्हें जाते हुए किसने देखा और किसी ने उन्हें रोका क्यों नहीं, तब एक बेर की झाड़ी अश्रुपूरित स्वर में कहती है कि राम के वस्त्र उसकी डालियों में उलझ गए थे और उसी क्षण उसने उन्हें देखा। माता कौशल्या द्वारा उस झाड़ी को दिया गया आशीर्वाद कि उसकी जड़ें अनंत युगों तक पाताल लोक तक जाएं और रामकथा सुनाती रहें। लोकज्ञान की उस परंपरा का प्रतीक है, जो लिखित ग्रंथों से पहले जीवन में प्रवाहित होती है। यह दृष्टि और बोध का अंतरसंबंध है, जिसे भारतीय समाज ने श्रुति परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा।

एक कथा, अनेक अर्थ : रामकथा की बहुवचनात्मक परंपरा

रामकथा के सैकड़ों लोक रूप इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि भारतीय समाज ने कथा को एकांगी नहीं, बल्कि बहुवचनात्मक रूप में स्वीकार किया। कहीं राम नायक नहीं हैं, तो कहीं रावण पूर्ण खलनायक नहीं। सीता का चरित्र भी विभिन्न सांस्कृतिक परिधियों में नए अर्थ ग्रहण करता है। बहुत बाद के वर्षों में रामकथा ने शास्त्रीय लेखन का स्वरूप ग्रहण किया, किंतु उसकी आत्मा लोक में ही बनी रही। यही भारतीय ज्ञान-परंपरा की जीवंतता है।

साहित्य में स्त्री की गतिशील छवि

आठवीं शताब्दी में भवभूति के नाटकों में शिक्षा की खोज में अकेली यात्रा करने वाली स्त्री पात्र यह संकेत देते हैं कि उस समय समाज में स्त्री की गतिशीलता अस्वाभाविक नहीं मानी जाती थी। यह साहित्य समाज के उस बोध को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें स्त्री ज्ञान की खोज में सक्रिय थी।

ज्ञान की उत्पादक के रूप में स्त्री

मध्यकालीन और औपनिवेशिक दौर में स्त्री की भूमिका सीमित हुई, किंतु आधुनिक स्त्रीवादी विमर्श ने भारतीय ज्ञान-परंपरा का पुनर्पाठ करते हुए यह स्पष्ट किया कि स्त्री केवल ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि उसकी उत्पादक भी रही है। स्त्रीवादी इतिहास-लेखन का उद्देश्य केवल स्त्रियों को दृश्य बनाना नहीं, बल्कि ज्ञान-निर्माण की पूरी प्रक्रिया में उनके योगदान को सम्मिलित करना है। 'हम' और 'स्व' : भारतीयता की बहुवचनात्मक समझ भारतीयता या भारत-बोध को समझने के लिए सामूहिकता के भाव को समझना आवश्यक है। 'हम' की भावना के भीतर 'स्व' की तलाश भी निहित है। विविध धर्मों, जातियों, वर्गों और लैंगिक पहचानों से बने भारतीय समाज में प्रत्येक समुदाय के अनुभवों को सम्मिलित किए बिना ज्ञान-परंपरा की समग्र समझ संभव नहीं है।

परंपरा से संवाद, भविष्य की दिशा

भारतीय ज्ञान-परंपरा में स्त्री की उपस्थिति बहुआयामी है। वह ऋषिका है, साधिका है, शक्ति है और लोकभाषा की संवाहिका भी। समस्या परंपरा में नहीं, बल्कि उसके एकांगी पितृसत्तात्मक पाठों में रही है। स्त्री की ज्ञान-परंपरा में पुनर्स्थापना केवल अतीत की खोज नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की वैचारिक दिशा निर्धारित करने का सार्थक प्रयास है।

नोटिफिकेशन में बटी मां की ममता

घर के भीतर सबसे गहरी खामोशी तब जन्म लेती है, जब मां सामने होते हुए भी भीतर से अनुपस्थित होती है। बच्चा पास बैठा होता है, अपनी दुनिया खोलने को तैयार, पर मां की आंखें किसी और चमकती दुनिया में भटकी रहती हैं। यह दूरी मीलों की नहीं, बस एक छोटी-सी स्क्रीन की है। यहीं से "स्क्रीन मां" का जन्म होता है। यह किसी पर आरोप नहीं, बल्कि हमारे समय की निर्विवाद सच्चाई है। डिजिटल रोशनी में पली यह परवरिश बाहर से आधुनिक लगती है, भीतर से भावनात्मक सूखे की ओर बढ़ती है। बच्चे सवाल नहीं करते, वे धीरे-धीरे चुप रहना सीख लेते हैं।

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

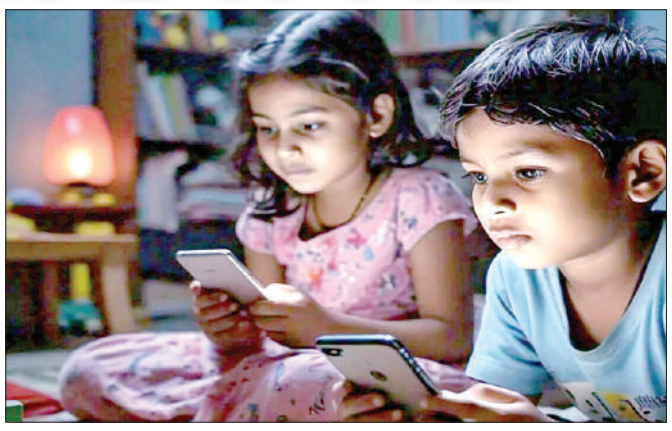

डिजिटल पिंजरे में बंधा मातृत्व

डिजिटल समय ने मां के जीवन के चारों ओर एक अदृश्य पिंजरा खड़ा कर दिया है। लगातार स्क्रॉल करना, तुरंत जवाब देना और हर पल साझा करना अब आदत नहीं, मजबूरी बन चुका है। मां को लगता है वह बच्चे के पास है, पर सच यह है कि वह मानसिक रूप से अनुपस्थित रहती है। बच्चा बार-बार ध्यान खींचने की कोशिश करता है, पर हर बार हार जाता है। इसी हार में उसका आत्मविश्वास दरकने लगता है। स्क्रीन मां के लिए लाइक और व्यूज प्राथमिक बन जाते हैं, जबकि बच्चे के लिए एक मुस्कान और एक नजर ही सबसे बड़ा सहारा होती है।

भावनात्मक विकास और स्थायी निशान

बच्चे का भावनात्मक संसार मां की प्रतिक्रिया से आकार ग्रहण करता है। जब मां तुरंत देखती, सुनती और समझती है, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। स्क्रीन में डूबी मां अनजाने में यह सुरक्षा छीन लेती है। बच्चा सीख लेता है कि उसकी बातों का इंतजार हो सकता है, भावनाएं टाली जा सकती हैं। यही टलना आगे चलकर स्थायी चुप्पी में बदल जाता है। ऐसे बच्चे भीतर से बेचैन रहते हैं और बाहर से उदास दिखाई देते हैं। उनका विकास केवल शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी अधूरा रह जाता है।

प्रदर्शन बनाम सच्चाई मातृत्व में डिजिटल दबाव

समस्या केवल फोन की नहीं, हमारी सोच और प्राथमिकताओं की है। समाज ने मातृत्व को भी एक प्रदर्शन में बदल दिया है। सुंदर तस्वीरें, आदर्श क्षण और परफेक्ट दिनचर्या का दबाव हर मां पर हावी है। इस दौड़ में असली पल धीरे-धीरे खो जाते हैं। स्क्रीन मां खुद को साबित करने में लगी रहती है, जबकि बच्चा सिर्फ स्वीकार्यता खोजता है। वह सीखता है कि दिखावा ज्यादा महत्वपूर्ण है, सच्चाई कम। यही सीख धीरे-धीरे उसके रिश्तों में उतर जाती है और भावनात्मक ईमानदारी कमजोर पड़ने लगती है।

छोटे दृश्य, बड़ी वास्तविकता

घरों के छोटे-छोटे दृश्य इस बड़े संकट की असली तस्वीर सामने रखते हैं। भोजन की मेज पर फोन रखा है, खेल के समय कैमरा पहले चल पड़ता है और सोते वक्त भी नोटिफिकेशन चुप नहीं होते। बच्चा गिरता है, संभलता है, पर मां की नजर देर से पड़ती है। यही देर बच्चे के मन में स्थायी निशान छोड़ देती है। वह खुद को कम महत्वपूर्ण समझने लगता है। असली मां की मौजूदगी में बच्चा गलतियां करके भी सुरक्षित रहता है, जबकि स्क्रीन मां के साथ वह धीरे-धीरे चुप रहना और सह लेना सीख जाता है।

इस स्थिति का प्रभाव केवल क्षणिक नहीं, दूर तक जाने वाला है। ऐसे बच्चे अपनी भावनाएं व्यक्त करने से डरने लगते हैं। वे या तो बेवजह आक्रामक हो जाते हैं या फिर पूरी तरह उदासीन। रिश्तों में जुड़ाव उन्हें कठिन लगने लगता है। मां का स्पर्श, उसकी आवाज और उसका ध्यान उनके लिए भावनात्मक आधार होते हैं। जब यह आधार कमजोर पड़ता है, तो व्यक्तित्व भी डगमगाने लगता है। स्क्रीन मां का असर सिर्फ बचपन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युवावस्था और वयस्क जीवन में भी रिश्तों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

प्राथमिकताओं का पुनःनिर्धारण

समाधान तकनीक को पूरी तरह छोड़ने में नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं को नए सिरे से तय करने में है। यदि मां तय समय पर फोन से दूरी बना सके, तो बदलाव संभव है। दिन के कुछ घंटे केवल बच्चे के नाम हों, जहां कोई स्क्रीन बीच में न आए। बातचीत, खेल और साथ बैठना साधारण लगता है, पर असर असाधारण होता है। असली मां बनने के लिए अतिरिक्त परिश्रम नहीं, बल्कि सजग और सच्ची उपस्थिति चाहिए, जो बच्चे को यह भरोसा दे कि वह सबसे पहले है।

समाज और परिवार की भूमिका

परिवार और समाज की भूमिका भी उतनी ही अहम है। यदि घर का वातावरण सहयोगी हो, तो मां पर दबाव अपने आप कम हो जाता है। स्कूल और समुदाय यदि डिजिटल संतुलन पर खुलकर बात करें, तो जागरूकता बढ़ सकती है। तकनीक कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे लत को बढ़ावा न दें। बच्चों को भावनात्मक शिक्षा मिले ताकि वे अपने मन और भावनाओं को समझ सकें। यह सामूहिक प्रयास ही स्क्रीन मां की जगह संवेदनशील और उपस्थित मां को वापस ला सकता है।

असली मां की वापसी

यह सवाल केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे भविष्य से जुड़ा है। मां बच्चे की पहली शिक्षक होती है। यदि वही अनुपस्थित रहे, तो सीख अधूरी रह जाती है। भावनात्मक रूप से कमजोर पीढ़ी अंततः समाज को भी कमजोर बना देती है। फिर भी आशा शेष है। जब मां एक पल ठहरकर बच्चे की ओर देखती है, तो टूटा हुआ संबंध फिर से जुड़ने लगता है। यही छोटा-सा ठहराव बड़े परिवर्तन की नींव बन सकता है।

"स्क्रीन मां बनाम असली मां" कोई टकराव नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। तकनीक उपयोगी हो सकती है, पर वह प्रेम का विकल्प कभी नहीं बन सकती। बच्चे को सबसे अधिक जरूरत मां की आंखों की चमक, उसकी आवाज की गर्मी और उसकी बाहों की सुरक्षा की होती है। यदि मां यह दे पाए, तो स्क्रीन अपने आप सीमित हो जाएगी। असली मां की वापसी से ही भावनात्मक रूप से मजबूत बच्चे और संतुलित समाज का निर्माण संभव है।

खाना खजाना

स्ट्रॉबेरी जैम

घर पर बना स्ट्रॉबेरी जैम बाजार में मिलने वाले जैम से कहीं ज्यादा ताजा, स्वादिष्ट और शुद्ध होता है। इसमें कोई कृत्रिम रंग या प्रिजर्वेटिव नहीं होते, इसलिए यह बच्चों और बड़े दोनों के लिए सुरक्षित है। इसे बनाना बेहद आसान है और केवल ताजी स्ट्रॉबेरी, चीनी और नींबू के रस से तैयार किया जाता है। धीमी आंच पर पकाकर और बीच-बीच में मैश करके गाढ़ा किया गया जैम बाहर से चमकदार और अंदर से मीठा-रसदार होता है। इसे ब्रेड, परांठा, केक या पनीर जैसे व्यंजनों के साथ भी आनंदपूर्वक खाया जा सकता है।

सामग्री

- ताजी स्ट्रॉबेरी-500 ग्राम
- चीनी-250 - 300 ग्राम (स्वाद के अनुसार)
- नींबू का रस-1 बड़ा चम्मच

बनाने की विधि

स्ट्रॉबेरी को अच्छी तरह धो लें और उनके ऊपर के हरे पत्ते हटा दें। अब इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक भारी तले की कड़ाही या पैन लें। इसमें कटी हुई स्ट्रॉबेरी और चीनी डालें। इसे धीमी आंच पर गरम करें। चीनी धीरे-धीरे पिघलने लगेगी और स्ट्रॉबेरी अपना रस छोड़ देगी। जैसे ही स्ट्रॉबेरी नरम होने लगें, एक मैशर या चम्मच की मदद से उन्हें थोड़ा मैश कर लें। अगर आपको जैम में स्ट्रॉबेरी के टुकड़े पसंद हैं, तो इसे बहुत ज्यादा बारीक न करें।

अब मिश्रण को मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। बीच-बीच में ऊपर आने वाले सफेद झाग को हटाते रहें। जब मिश्रण गाढ़ा होकर सिरप जैसा दिखने लगे, तो इसमें नींबू का रस डाल दें। नींबू का रस जैम को जमने में मदद करता है और चीनी के क्रिस्टल नहीं बनने देता।

जैम तैयार है या नहीं, यह देखने के लिए एक ठंडी प्लेट पर जैम की एक बूंद डालें। प्लेट को थोड़ा टेढ़ा करें। अगर बूंद धीरे सरकती है और पानी की तरह नहीं बहती, तो आपका जैम तैयार है।

खास टिप्स

- रंग और चमक: नींबू का रस न केवल प्रिजर्वेटिव का काम करता है, बल्कि जैम को एक सुंदर चमक और गहरा लाल रंग भी देता है।
- चीनी की मात्रा: अगर स्ट्रॉबेरी बहुत ज्यादा खट्टी हैं, तो आप चीनी की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं।
- शेल्फ लाइफ: यह जैम फ्रिज में रखकर 2-3 महीने तक आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।
- मिक्स फ्रूट टच: आप इसमें थोड़ा सा सेब का पल्प भी मिला सकते हैं, इससे जैम की बनावट और भी अच्छी हो जाती है। इसे आप ब्रेड, परांठा या केक के साथ बड़े चाव से खा सकते हैं।

मंदिरों को तोड़ने का सफेद झूठ फैला रही कांग्रेस : मुख्यमंत्री

काशी में घाटों के पुनर्विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने विपक्ष के आरोपों का दिया जवाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं। यहां तक कि जिन वर्कशॉप में मूर्तियां बनती हैं, वहां से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष लाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए और सफेद झूठ फैलाया गया कि मंदिर तोड़े जा रहे हैं।

दरअसल पिछले एक-दो दिनों से सोशल मीडिया पर काशी के मंदिर व मणिकर्णिका घाट को तोड़ने और माता अहिल्याबाई की मूर्ति के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं आरोपों का जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री योगी खुद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इन वीडियो की सत्यता को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि माता अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो कांग्रेस ने एआई से बनाया। उन्होंने कहा कि एआई जनरेटेड वीडियो कांग्रेस फैला रही है। योगी ने कहा कि विरासत का सम्मान कैसे होता है, यह हमें कांग्रेस से पूछने की आवश्यकता नहीं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर 500 वर्षों के बाद मंदिर निर्माण का कार्य, काशी हो या अयोध्या, मां विंध्यवासिनी धाम हो या प्रयागराज, बौद्ध तीर्थस्थल हो या फिर भारत की विरासत से जुड़े सभी तीर्थस्थल, विरासत के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के सभी कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सकुशल संपन्न हो रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस द्वारा इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी और उसके नेताओं के इस प्रकार के बचकाने बयान और बचकानी हरकतों को देखकर उन पर हंसी भी आती है और दया भी। इनका यह कृत्य वैसे ही है जैसे 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'।

वाराणसी में पत्रकारों से वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

- निशाने पर कांग्रेस, कहा- अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो एआई से बनाया

कांग्रेस क्यों वापस नहीं लाई मां अन्नपूर्णा की मूर्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौ वर्ष पहले माता अन्नपूर्णा की मूर्ति यहां से चोरी कर यूरोप पहुंचा दी गई थी। प्रधानमंत्री के प्रयास से वह मूर्ति वापस आई और काशी विश्वनाथ में उसकी स्थापना की गई। योगी ने कांग्रेस से सवाल किया कि 1947 से लेकर 2014 तक ज्यादातर समय केंद्र में कांग्रेस की सरकारें रहीं, आखिर उन्होंने यह प्रयास क्यों नहीं किया।

मंदिर तोड़े नहीं गए पुनरुद्धार हुआ

योगी ने सीधे-सीधे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम बन रहा था, तब भी कांग्रेस ने सफेद झूठ फैलाया कि मंदिर तोड़े गए, जो कि सरासर गलत है। उन मंदिरों का पुनरुद्धार हुआ है, वे आज भी वैसे ही हैं। फर्क इतना है कि पहले जीर्णशीर्ण हालत में थे, अब उनका पुनरुद्धार हो चुका है।

मंदिरों व प्रतिमाओं के ध्वस्तीकरण का कांग्रेस ने किया कड़ा विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों, प्रतिमाओं और धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे विकास के नाम पर सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का विनाश बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार हिंदुत्व का दिखावा करते हुए हजारों साल पुरानी आस्था और परंपराओं को नष्ट कर रही है।

उप्र. कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा जीर्णोद्धारित इस ऐतिहासिक घाट पर उनकी प्रतिमाओं, सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और शिवलिंग को ध्वस्त किया गया है, जिससे हिंदू समाज की गहरी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहे कार्य तत्काल रोके जाएं, धर्माचार्यों से संवाद किया जाए।

आज लाभार्थियों के खातों में आएंगे एक लाख रुपये

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत जारी करेंगे पहली किस्त

अमृत विचार : शहरी गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने के संकल्प को और मजबूत करते हुए प्रदेश सरकार रविवार को एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रविवार को दोपहर दो लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में एक-एक लाख रुपये की पहली किस्त भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सिंगल क्लिक पर यह धनराशि लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित करेंगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के शामिल होने की भी संभावना है। सरकार का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 मांग आधारित योजना है, जिसके अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब तक प्रदेश में 17.67 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 17.01 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। यह संख्या देश में सर्वाधिक है।

दर्जनों खाताधारकों ने बैंक पहुंचकर किया हंगामा

अमृत विचार, काकोरी : पारा थाना क्षेत्र स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर की बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद आज खाताधारकों का गुस्सा फूट पड़ा। फर्जीवाड़े के शिकार दर्जनों खाताधारकों ने बैंक के मुख्य गेट पर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया और बैंक का शटर गिरा दिया।

पीड़ित खाताधारक राम सिंह यादव निवासी ग्राम सलेमपुर पतौरा ने थाना पारा में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बैंक मित्र शिवा राव एवं वर्ष 2020 से कार्यरत अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर फर्जी बिल-वाउचर और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए उनके खाते से लाखों रुपये निकाल लिए। घोटाले का खुलासा होने पर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से बैंक में जानबूझकर आग लगाई गई। पीड़ितों ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा की जीत से विपक्ष में बढ़ी कुंठा : सुधांशु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत से विपक्षी दलों में गहरी कुंठा और बौखलाहट साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशभर में लगातार जनसमर्थन बढ़ रहा है, जबकि इंडी गठबंधन निरंतर बिखरता जा रहा है। सुधांशु ने सपा मुखिया अखिलेश यादव से सवाल पूछा कि 'इंडी गठबंधन है या सिर्फ अफवाह?

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते पार्टी प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी।

शनिवार को लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में डॉ. त्रिवेदी ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कहीं न्यायालय के आदेशों की अवहेलना हो रही है तो कहीं अदालतों की कार्यवाही को बाधित किया जा रहा है।

इंडी गठबंधन पर सीधा हमला बोलते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि 2025 के बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी अलग हो गई, केरल में कांग्रेस और वामदल अलग-अलग लड़े और महाराष्ट्र में कांग्रेस तथा शिवसेना (उद्धव गुट) भी अलग हो गए। मुंबई महानगरपालिका चुनावों में समाजवादी पार्टी को केवल एक सीट मिलना और एआईएमआईएम का उससे आगे निकल जाना विपक्षी एकता के दावों की पोल खोलता है।

विवि और कॉलेज लेंगे ग्राम पंचायतों को गोद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जीरो पावर्टी अभियान के लिए सरकार की निर्णायक पहल

अमृत विचार: प्रदेश को गरीबी से मुक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार एक और निर्णायक पहल करने जा रही है। जीरो पावर्टी अभियान को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को सीधे इससे जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत उच्च शिक्षण संस्थान नजदीकी 10 से 15 ग्राम पंचायतों को गोद लेकर वहां चिन्हित जीरो पावर्टी परिवारों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

लखनऊ से होगी शुरुआत

इस अभिनव मॉडल की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजधानी लखनऊ से की जाएगी। पायलट के सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

अभियान के तहत शिक्षण संस्थानों के एनएसएस, एनसीसी और एमएसडब्ल्यू (सोशल वर्क) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र वालंटियर के रूप में गांवों में कार्य करेंगे। ये छात्र जीरो पावर्टी परिवारों के सदस्यों को आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, रोजगार, अप्रेंटिसशिप और उद्यमिता से जोड़ने में सहयोग करेंगे। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रियाओं में भी सहायता देंगे, ताकि कोई पात्र परिवार वंचित न रहे। प्रमुख सचिव नियोजन एवं जीरो पावर्टी अभियान के नोडल अधिकारी आलोक कुमार के अनुसार, प्रत्येक ग्राम पंचायत में चिन्हित परिवारों का माइक्रो-प्लान तैयार किया जाएगा। योग्य लाभार्थियों की नियमित मेंटरिंग, प्रगति की ट्रैकिंग और 100 प्रतिशत योजना कवरेज सुनिश्चित करने पर विशेष जोर होगा। अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय और कॉलेज में एक नोडल शिक्षक की तैनाती की जाएगी, जो कार्यक्रमों की निगरानी और मार्गदर्शन करेंगे।

उत्तर रेलवे

उत्पाद ब्रांड्स को सूचीबद्ध करने के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा लखनऊ मण्डल के Static खानपान इकाइयों पर बिक्री हेतु, प्रसिद्ध/लोकप्रिय खाद्य वस्तुओं के ब्रांडों को सूचीबद्ध करने के लिए प्रसिद्ध उत्पाद/ब्राड्स PAD आइटम्स, फ्रूट ड्रिंक्स/जूस इत्यादि के निर्माताओं से निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन आमंत्रित किये जाते है। इक्छुक भागीदार विस्तृत जानकारी एवं खाद्य वस्तुओं की सूची तथा आवेदन पत्र उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर देख सकते है। सील बंद आवेदन मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ के वाणिज्य शाखा में रखे बाक्स में दिनांक 16.02.2026 को विलम्बतम 14:00 बजे तक डाले जायेगे जो उसी दिन 15:00 बजे खोले जायेगे। निर्धारित बाक्स में आवेदन डालने की जिम्मेदारी आवेदन दाताओं की होगी। 14:00 बजे के बाद प्राप्त आवेदन "विलम्ब से" कहे जायेगे जिस पर आगे विचार नहीं किया जायेगा। परिवर्तन, संशोधन एवं अतिरिक्त सूचनाओं के लिए कृपया उपरोक्त वेबसाइट को देखते रहे।

आवेदन सूचना सं0 **01/2026/Shortlisting** दिनांक : 16.01.2026 **187/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर प्रदेश स्टेट कोआपरेटिव बैंक लि०,
शाखा –रामसागर मिश्रनगर (इंदिरानगर), लखनऊ।
लाकर तोड़ने सम्बन्धित सूचना:–

क्र० संख्या	लाकर न०	लाकर धारक का नाम (श्री/श्रीमती)	पता –
1.	23	1. बाकेलाल अग्रवाल 2. गोपालदास अग्रवाल	ग्राम – छोटा खेडा, पोस्ट – न्योतनी, तहसील–हसनगंज, उन्नाव–209801
2	119	1. अरुण चन्द्र भट्ट 2. रंजना भट्ट	A–418, इंदिरा नगर, लखनऊ–226016
3	167	1. गुरुचरण सिंह 2. सुरेंदर कौर	A–1083/11 सेक्टर–4 इंदिरानगर लखनऊ–226016
4	184	1. लल्लू प्रसाद अवस्थी 2. राजकुमारी अवस्थी	मरुतिपुरम करौला, फैजाबाद रोड लखनऊ–226016
5	244	1. नीतू श्रीवास्तव 2. मेजर राजीव श्रीवास्तव 3. तारा श्रीवास्तव	3/116 विवेक खंड –3 गोमतीनगर लखनऊ–226010
6	249	1. हरिशंकर गुप्ता 2. रामप्यारी देवी	सेक्टर–18/464 इंदिरानगर, लखनऊ–226016
7	265	1. पूरन मल्ल गुप्ता 2. एच सी गुप्ता	L/M चंद्रलोक कालोनी, अलीगंज, लखनऊ–226024
8	451	कमला भंडारी	1/41 विस्वास खंड गोमतीनगर, लखनऊ –226010

नोट– समस्त लाकर धारको को सूचित किया जाता है की प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिन के पश्चात् लाकर तोड़ने की कार्यवाही की जाएँगी, यदि कोई भी लाकर धारक अपने लाकर को तोड़ने से रुकवाना चाहता है तो बैंक/शाखा में संपर्क करें।

मुख्य प्रबंधक
Mob. No. 7525006134

कार्यालय सहायक अभियन्ता–तृतीय
बाराबंकी प्रखण्ड शारदा नहर
बाराबंकी।

नहर फालों पर मछली की नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत तृतीय उपखण्ड बाराबंकी प्रखण्ड शारदा नहर बाराबंकी की निम्न नहरों पर मछली नीलामी दिनांक 24.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक कार्यालय सहायक अभियंता–तृतीय, कार्यालय परिसर अधिशासी अभियंता बाराबंकी प्रखण्ड शारदा नहर बाराबंकी में सार्वजनिक रूप से की जायेगी। नीलामी की कार्यवाही नीलामी समिति के अध्यक्ष द्वारा सम्पन्न की जायेगी।

क्र0सं0	नहर का नाम	फाल का नाम/रीच	बोली बोलने के लिये धरोहर धनराशि (रु0)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1.	सुल्तानपुर शाखा	नरौली फाल, किमी0 21.608	15,000.00	
2.	फैजाबाद शाखा	वाजिदपुर फाल, किमी0 3.000	15,000.00	
3.	फैजाबाद शाखा	गुलचप्पा फाल, किमी0 11.900	20,000.00	

नीलामी की मुख्य शर्ते :-

1. नीलामी समिति द्वारा निर्धारित तिथि में नीलामी की जायेगी।
2. किसी भी बोली को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार नीलामी समिति को होगा।
3. उक्त नीलामी दिनांक 31.12.2026 रात्रि 12.00 बजे तक वैध रहेगी।
4. बोली बोलने के लिये धरोहर धनराशि कालम नम्बर 04 में अंकित धनराशि सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक जमा की जा सकेगी। समय बीत जाने के पश्चात धनराशि जमा नहीं की जायेगी।
5. धरोहर धनराशि जमा करने के उपरान्त ही बोली लगाने का अधिकार होगा, बोली ठीक 1.30 बजे प्रारम्भ होगी।
6. उच्चतम बोलीदाता को आधी धनराशि बोली समाप्ति के बाद तुरन्त जमा करनी होगी।
7. यदि उच्चतम बोलीदाता आधी धनराशि जमा नही करता है तो जमानत की धनराशि जब्त कर ली जायेगी, तदोपरान्त दूसरे उच्चतम् बोलीदाता को नीलामी की आधी राशि जमा करने का अवसर दिया जायेगा।
8. उच्चतम् बोली की स्वीकृति करने का अधिकारी समिति के अध्यक्ष का होगा।
9. स्वीकृति की सूचना प्राप्ति के 07 दिवस के अन्दर बोलीदाता को बोली की शेष धनराशि जमा करना होगा।
10. बोली की धरोहर धनराशि पर देय व्यापारकर, स्टाम्प ड्यूटी व अन्य कर नियमानुसार बोलीदाता को स्वयं जमा करना होगा। इसमें विभाग का कोई दायित्व नही होगा।
11. नीलामी के सम्बन्ध में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में कार्यवाही जनपद बाराबंकी के सक्षम न्यायालय में ही की जायेगी।

UP – 244155 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता–तृतीय
बा0प्र0शा0न0 बाराबंकी

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें सिंगगल पैकेट सिस्टम आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig/Tender/52/2025-26
कार्य का नाम	कोम्प्रेहेसिव एनुअल मेंटेनेंस कांट्रैक्ट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग मेक सीमेंस वेस्ट्रेस ऐट 02 स्टेशन ऑफ़ लखनऊ डिवीजन ऑफ नॉर्दन रेलवे फॉर 36 (thirty six) महीना।
अनुमानित लागत	रु.61,36,193.52/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.1,22,700.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	36 महीना
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	05.02.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

- ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
- समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106–सिग/टेंडर/53/2025–26 दिनांक : 15.01.2026 176/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106–सिग–टेंडर–51–2025–26
कार्य का नाम : "एस & टी वर्क ई.सी.डब्लू विडेनिंग ऑफ सबवे ऐट ब्रिज नो. 9 (2x9.50x6.0 एम– बैरल लेंथ 18m) ऑन BSB-DDU सेक्शन ड्यू टू रोड वाइडनिंग अंडर Sr.DEN-III/LKO of लखनऊ डिवीज़न ऑफ नॉर्दर्न रेलवेज़।"	
अनुमानित लागत	रु0 22,44,788.66
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु० 1,01,900.00
कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	05.02.2026 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू० सं०–106–सिग–टेंडर–51/2025–26 दिनांक: 15.01.2026 177/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106–सिग–टेंडर–52–2025–26
कार्य का नाम : "सिग्नलिंग वर्क आई.सी.डब्ल्यू प्रोविजन ऑफ रोड अंडर ब्रिज (3nos.) ऐट एलसी–31/सी एंड एलसी–56/सी इन बीएसबी–जबीडी सेक्शन ऑफ़ लखनऊ डिवीज़न ऑफ़ लखनऊ।"	
अनुमानित लागत	रु0 5096749.03
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु० 101900.00
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	05.02.2026 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू० सं०–106–सिग–टेंडर–52/2025–26 दिनांक: 15.01.2026 179/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर

पत्रांक 483/न0पं0लम्भुआ0/नि0का0/2025–26 दिनांक: 17.01.2025

ई–निविदा सूचना

राज्य सेक्टर की सीवरेज एवं जलनिकासी योजनान्तर्गत, राज्य वित्त आयोग व अन्त्येष्टि स्थल योजना के अन्तर्गत सिविल निर्माण कार्य कराये जाने हेतु सिविल ठेकेदारों से नीचे उल्लिखित विभिन्न निर्माण कार्यो को कराये जाने हेतु प्रमुख सचिव महोदय के पत्र संख्या 3890/नौ–5–19–14(स)/2019–20 दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के क्रम में सिविल ठेकेदारों से दिनांक 19.01.2026 से दिनांक 09.02.2026 को समय अपराह्न 12:30 तक ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जो दिनांक 10.02.2026 को अपराह्न 12.00 बजे नगर पंचायत लम्भुआ सुलतानपुर के सभाकक्ष में खोली जायेंगी। सम्बन्धित निविदा वेबसाइट **etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है। निविदा शुल्क की धनराशि नगर पंचायत लम्भुआ के भारतीय स्टेट बैंक शाखा लम्भुआ के खाता सं0– **40056603223** IFSC Code- **SBIN0011331** में जमा कर बैंक स्लिप टेक्निकल बिड के साथ में संलग्न करना आवश्यक होगा। टेक्निकल बिड कार्यालय नगर पंचायत लम्भुआ, सुलतानपुर में रखी सील्ड निविदा पेटिका में दिनांक 09.02.2026 को समय 03.00 बजे तक डाली जानी आवश्यक होगी।

ई–निविदा की समय सारणी बेवसाइट etender.up.nic.in पर

01.	बेवसाइट पर ई–निविदा की तिथि/समय	19.01.2026 समय 10:00 बजे
02.	ई–निविदा डाउनलोड/अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	19.01.2026 समय 10:30 AM
03.	ई–निविदा डाउनलोड/अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	09.02.2026 समय 12:30 PM
04.	ई–निविदा की तकनीकी बिड खोलने की तिथि/समय	10.02.2026 समय 12:00 PM
05.	ई–निविदा की वित्तीय बिड खोलने की तिथि/समय	परीक्षाणोपरान्त
06.	कार्य के निविदा स्कैन आर्नेस्टमनी एवं निविदा शुल्क की मूल प्रति कार्यालय नगर पंचायत मे जमा करने की अन्तिम तिथि/समय	09.02.2026 समय 03:00 PM

निविदा की नियम व शर्तें किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में अथवा बेवसाइट पर देखी जा सकती है।

(अमित कुमार सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत लम्भुआ
सुलतानपुर

(अवनीश कुमार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत लम्भुआ
सुलतानपुर

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE

I, Ram Lakhan Verma , S/o Chhitani Prasad Verma, resident at Maa Shyama Ji Ka Mandir, E-30, Nai Colony, Ambedkar Nagar, Gujaini, Mardanpur, Kanpur, Uttar Pradesh – 208001, , do hereby declare that I have changed my name to Laxmi Prasad VermaHenceforth, I shall be known as Laxmi Prasad Verma for all purposes hindi

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार क कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधारण सूचित करता हूं कि मैं सौरभ साहू पिता शिवाशी साहू मकान संख्या 344/111भवानीगंज कटरा बाजार सहादतगंज लखनऊ निवासी हूं मेरी पुत्री शिवांशी साहू का जन्म 6 नवंबर 2011 को हमारे निवास स्थान पर हुआ था जो की इसकी सही जन्मतिथि 6 नवंबर 2011 है जबकि जन्म प्रमाण पत्र संख्या नं0 B 2017 9–90321–060061 में 6 नवंबर 2012 अंकित हो गई है जिसे 6 नवंबर 2011 माना व पढ़ा जाए।

सूचना

सर्वसाधारण सूचित करती हूं कि मैं साबिया बानो पत्नी श्री मो. मतीन मेरे पासपोर्ट संख्या AA793403 में मेरे पूरे पते में HARCHANDPUR की सही स्पेलिंग की जगह HARCHDNPUR गलत स्पेलिंग प्रिन्ट हो कर लिखा है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार संख्या 797148398125 मे सही पता 283/26 HARCHANDPUR GARHI KANAURA MANAK NAGAR LUCKNOW है और इसे ही सही माना जाए एवं पढ़ा जाए।

सूचना

सर्वसाधारण सूचित करता हूं कि मैं मो.असद पुत्र श्री मोहम्मद जलील मेरे पासपोर्ट संख्या AA793402 में मेरे पूरे पते में HARCHANDPUR की सही स्पेलिंग की जगह HARCHDNPUR गलत स्पेलिंग प्रिन्ट हो कर लिखा है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार संख्या 600165906011 मे सही पता 283/26 HARCHANDPUR GARHI KANAURA MANAK NAGAR LUCKNOW है और इसे ही सही माना जाए एवं पढ़ा जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम MURTAJA HUSAIN था जिस को मैंने बदलकर MURTUZA HUSAIN कर लिया है तथा मेरे नात बात व रिश्तेदार मुझे मेरे नये नाम MURTUZA HUSAIN से जाना व पहचाना जाए। MOHAMMAD AHMAD S/o- MURTUZA HUSAIN R/o- 166, MOH-VAZIDPUR NAI BASTI POST-AND-PS-JALALPUR DISTT-AMBEDKARNAGAR

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शिव कुमारी, पत्नी स्व. अशोक कुमार, निवासी ग्राम/पोस्ट शंकरपुर, थाना छावनी, तहसील हरैया, जनपद बस्ती हूँ। मेरे पुत्र दीपक का चाल–चलन ठीक नहीं है, अतः मैं उसे अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ। भविष्य में उसके किसी भी अपराध/लेन–देन से मैं या मेरे परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। इस संबंध में कोई दावा मान्य नहीं होगा। सूचनाकर्ता– शिव कुमारी, मो.: 7310015792

नीलामी सूचना

दिनाँक 19–01–2026 प्रातः 10.30 बजे सेना चिकित्सा कोर (अभिलेख कार्यालय जी0जीएस0 मार्ग), लखनऊ में पब्लिक ग्राऩ्ट एवं रेजीमेन्टल स्टोर्स के निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी, सिक्योरिटी रु0–10,000/ –नकद जी.एस.टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी।

आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स – मो0– 9919503110,

अमृत विचार

रविवार, 18 जनवरी 2026

यतो यतो निश्चलति
मनश्चञ्चलमस्थिरम्।
ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव
वशं नयेत्।।

मन अपनी चंचलता तथा अस्थिरता के कारण
जहां कहीं भी विचरण करता हो, मनुष्य को चाहिए
कि उसे वहां से खींचे और अपने वश में लाए।
–श्रीमद्भगवद्गीता

'मनरेगा' और 'विकसित भारत जी राम जी'

कांग्रेस 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान चला रही है। देश में कांग्रेस बीते 11 वर्षों से सत्ताहीन है। अच्छी बात है कि कांग्रेस ने केंद्र का विरोध करने के लिए सड़क पर आने का निर्णय लिया है। रोजगार योजनाएं गरीबों की आय बढ़ाने की दृष्टि से चलाई गई हैं। कोई भी व्यवस्था जड़ नहीं होती। देश काल की गति में जीर्ण शीर्ण और पुराना विस्थापित होता है। नया उसकी जगह लेता रहता है। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित किया। वह पुरानी होने के साथ-साथ ध्येयनिष्ठ भी नहीं रही। जन समर्थन घटा। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित कर दिया। कांग्रेस मनरेगा को लेकर अपना रोना रो रही है। मनरेगा में कानूनी तौर पर रोजगार पाने की गारंटी थी, लेकिन प्रमुख विपक्षी दल होने के बावजूद वह नए वी. बी. जी राम जी एक्ट का विरोध कर रही है। देखना यह चाहिए कि राजग सरकार द्वारा लाए गए नए अधिनियम की अच्छाइयां बुराइयां क्या हैं? आइए नए अधिनियम वी.बी. जी राम जी की खास विशेषताएं जान लें।

> भारत की मिट्टी में उपजाऊ शक्ति ज्यादा है। कृषि कार्य में गरीब परिवार जुटे रहते हैं। सभी सदस्य काम करते हैं, तब किसी प्रकार गरीब परिवार चलता है। बुवाई और फसल कटाई के समय के दौरान 60 दिन का अवकाश रखा गया है। इससे लाभ यह होगा कि कृषि कार्यों के लिए भी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। ग्राम सभाएं बुनियादी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ग्राम स्वराज गांधी जी का स्वप्न था। भारत की संविधान सभा में ग्राम पंचायत के गठन पर लंबी बहस हुई थी।

इस अधिनियम द्वारा ग्रामीण परिवारों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत कार्य दिवसों को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन प्रतिवर्ष कर दिया गया है। अभी तक लागू कानून में मजदूरी देने की कोई सुनिश्चित अवधि नहीं थी, लेकिन नए अधिनियम में 15 दिन के भीतर मजदूरी का भुगतान जरूरी बताया गया है। ऐसा न किए जाने पर मजदूरों को पांच प्रतिशत की दर से प्रतिदिन ब्याज मिलेगा। रोजगार प्राप्त करने के 15 दिनों के भीतर काम न मिलने पर भी बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान किया गया है।

भारत में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों का बड़ा हिस्सा मजदूरी के लिए महानगरों की ओर रुख करता है। सड़क के किनारे सोता है। सुबह प्रतीक्षा करता है कि कोई मकान बनाने वाला, दुकान चलाने वाला उसको दिनभर का काम दे दे। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। खेत मजदूर की मोलभाव करने की क्षमता नहीं होती है। बड़े-बड़े महानगरों में मजदूर के मार्केट लगते हैं। वहां से लोग कम पैसे में तय करके मजदूर लाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों की व्यथा सिर्फ आंकड़ों से नहीं जानी जा सकती। ताजी 'वी बी राम जी' योजना ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए सुखद आश्वासन है। भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि अभी भी घाटे का सौदा है। पीछे लगभग 28 वर्षों से किसानों को किसान क्रेडिट योजना के माध्यम से कृषि कार्य के लिए ऋण किया जाता है। योजना अच्छी है। ऋण लेकर बुवाई आदि के सीजन में खाद पानी देने के लिए पूंजी उपलब्ध कराने की योजना अच्छी है। तमाम योजनाएं अच्छी तो हैं, लेकिन किसानों को उनकी जानकारी नहीं है। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। पढ़े-लिखे युवा भी शहर भागते हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

रोजगार योजनाओं का इतिहास दिलचस्प है। यह योजना सबसे पहले स्थानीय कठिनाइयों के चलते 1970 में महाराष्ट्र में लागू हुई थी। तब इसे 'महाराष्ट्र रोजगार गारंटी योजना' कहा गया। 1980 में भारत की पहली केन्द्रीयकृत योजना लागू हुई। भ्रष्टाचार के कारण योजना का लाभ नहीं मिला। योजनाओं का धन बिचैलिए मार देते थे। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ आई जवाहर रोजगार योजना। यह भी अपने उद्देश्यों में असफल रही। इसका फिर नाम बदला और इसे 'नरेगा' नाम से जाना गया। फिर 2008 में यह 'मनरेगा' हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की योजनाएं इसी तरह असफल होती गईं।

भारत की मिट्टी में उपजाऊ शक्ति ज्यादा है। कृषि कार्य में गरीब परिवार जुटे रहते हैं। सभी सदस्य काम करते हैं, तब किसी प्रकार गरीब परिवार चलता है। बुवाई और फसल कटाई के समय के दौरान 60 दिन का अवकाश रखा गया है। इससे लाभ यह होगा कि कृषि कार्यों के लिए भी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। ग्राम सभाएं बुनियादी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ग्राम स्वराज गांधी जी का स्वप्न था। भारत की संविधान सभा में ग्राम पंचायत के गठन पर लंबी बहस हुई थी। ज्यादातर सदस्यों ने ग्राम पंचायत को स्वायत्तशासी और आत्मनिर्भर बनाने का आग्रह किया था। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि "ग्राम पंचायतें मेरे विचार से स्थानीय कलह का अड्डा होंगी।" पीछे 10-12 साल में सरकारी स्तर पर ग्राम पंचायतों को विकसित और समृद्ध बनाने की मद पर भारी व्यय हुआ है। निःसंदेह कहीं-कहीं कुछ ग्राम पंचायतों ने बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन तमाम ग्राम सभाओं द्वारा विकास कार्यों की धनराशि को हड़पने का भी काम किया है।

विकसित ग्राम पंचायत योजना का विकास स्थानीय संस्थाओं द्वारा किया जाना है। ये सब करने के लिए समय-समय पर प्रशासनिक खर्च भी आता है। योजनाओं के ठीक से कार्यान्वयन में व्यय होने वाले धन को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है। वैसे तो इस योजना का उद्देश्य लोगों को रोजगार देना है। गांव में सरकारी स्तर पर सेवा देने वाले कोई कार्यालय नहीं हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में पंचायत भवन बनाए गए हैं। इसके लिए अलग बजट का प्रावधान करना होता है। ऐसी संपत्ति का निर्माण इसी रोजगार अधिनियम के अंतर्गत चार मुख्य क्षेत्र में केन्द्रित किया गया है। रोजगार योजना के धन से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। खेत मजदूर पलायन नहीं करेंगे और श्रमिकों को रोजगार मिलेगा और इसी धन से जल संरक्षण जैसे कार्य किए जा सकेंगे। जल आपूर्ति को लेकर अक्सर शिकायतें रहती हैं। उत्तर प्रदेश में अनेक जिले प्रदूषित जल के कारण पेयजल संकट में हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद में बलाई, निबई, टिकरी गणेश, आटा, सुपासी, रामचरामऊ, लखापुर, बंथर, अनूपपुर, खटुहा नौगवा, रिठानई, बण्ड हमीरपुर, सलेथू, गढ़ाकोला, कतहर आदि गांवों में सरकार ने स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की है, लेकिन काम अभी बाकी है।

जल की आवश्यकता को लेकर ही इंदौर में काफी बवाल हुआ है। कांग्रेस ने इंदौर में आंदोलन किया। इन पंक्तियों के प्रेस में जाने तक राहुल गांधी कुछ लोगों के साथ इंदौर में प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'हर घर नल' नामक महत्वाकांक्षी योजना और उसका क्रियान्वयन किया। जल निकासी की योजना भी इसी धन से बनाई जा सकेगी। जरूरत इस बात की है कि वीबी जी राम जी के ठीक से अनुपालन के लिए विकासखंड स्तर पर सक्षम अधिकारियों की टीम गठित की जानी चाहिए। इस टीम को कार्यदायी संस्थाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। साथ में गलती होने पर चेतावनी और दुरुपयोग पर कार्यवाही भी करना चाहिए। वीबी जी राम जी योजना में जल संरक्षण और जल संबंधी अन्य कार्य होंगे। गांव में स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा, गांव की सड़क और संपर्क के साधन विकसित करना भी इस योजना का अंग है।

पंचायतीराज संस्थाएं अपना काम ठीक से नहीं कर पा रही हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम हैं। कृषकों के पास कृषि कार्य के लिए जरूरी पूंजी का अभाव रहा। सरकारों ने इस समस्या को चिह्नित कर लिया। त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, वोट के बदले नोट योजना में फंसे हैं। क्षेत्र पंचायत प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में करोड़ों रुपए का लेन-देन होता है। बहुत समय से मांग की जा रही है कि पंचायती राज के चुनाव आम मतदाता से कराए जाएं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है, जो लाखों करोड़ों रुपये देकर पद पाए हैं या चुनाव जीते हैं, वह उस धनराशि की वसूली भी करते हैं। केंद्र में योजनाओं के क्रियान्वयन की इच्छाशक्ति है। विश्वास है कि योजना सफल होगी।

शिक्षा और सुरक्षा के बीच फंसी छात्राएं

विद्यालय एक ऐसा पवित्र स्थान है, जहां ज्ञान, संस्कार और भविष्य का निर्माण होता है, लेकिन हाल के वर्षों में जिस तरह से शिक्षण संस्थानों से यौन उत्पीड़न, मानसिक शोषण, डर व असुरक्षा की खबरें सामने आ रही हैं, उसने इस धारणा को गहरी चोट पहुंचाई है। सवाल यह नहीं है कि घटनाएं हो रही हैं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारे स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय वास्तव में छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं? देश में शिक्षा संस्थानों से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समस्या किसी एक संस्थान या एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। प्रोफेसरों पर आरोप, प्रबंधन की भूमिका, शिकायतों को दबाने की प्रवृत्ति व पीड़िताओं को चुप कराने का सामाजिक दबाव ये सब मिलकर एक ऐसी संरचना बनाते हैं, जहां अपराध से ज्यादा खतरनाक हो जाता है, उसका छिपाया जाना। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश मामलों में पीड़ित सामने आने से डरती हैं। डर-करियर के खत्म हो जाने का, बदनामी का, संस्थान से निकाले जाने का और समाज द्वारा दोषी ठहरा दिए जाने का। यही डर अपराधियों को ताकत देता है और व्यवस्था को मौन रहने का बहाना।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

कानून अपने स्तर पर मौजूद है। यौन उत्पीड़न से जुड़े नियम, आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी), विशाखा दिशा-निर्देश और पोश अधिनियम सब कुछ कागजों में है, लेकिन वास्तविकता यह है कि कई संस्थानों में ये समितियां या तो नाममात्र की हैं या फिर प्रबंधन के प्रभाव में काम करती हैं। शिकायतकर्ता को न्याय दिलाने के बजाय मामले को "संस्था की छवि" के नाम पर दबाने की कोशिश की जाती है। यही कारण है कि न्याय की प्रक्रिया पीड़िता के लिए एक और मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। शिक्षण संस्थानों में सत्ता का असंतुलन भी इस समस्या की जड़ में है। शिक्षक, प्रबंधन और प्रशासन के पास मूल्यांकन, नियुक्ति, प्रमोशन और भविष्य तय करने की शक्ति होती है। इस शक्ति का दुरुपयोग जब व्यक्तिगत इच्छाओं के लिए किया जाता है, तो छात्रा या जूनियर स्टाफ खुद को असहाय महसूस करता है। यही असहायता अपराध को जन्म देती है और अपराधी को संरक्षण। एक और गंभीर मुद्दा संवेदनशीलता की कमी है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम और डिग्री तक सीमित हो गई है। नैतिकता, लैंगिक सम्मान और मानवीय मूल्यों की बात भाषणों तक सिमट गई है, जब शिक्षक ही मर्यादा लांघते दिखाई दें, तो छात्रों को समाज से क्या संदेश जाता है? ऐसे में "शिक्षा का मंदिर" कहना एक विडंबना बनकर रह जाता है। राज्य सरकारों और शिक्षा विभागों की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती कि वे आदेश जारी कर दें या हेल्पलाइन नंबर छपवा दें। जरूरत है प्रभावी निगरानी की, नियमित ऑडिट की और स्वतंत्र शिकायत तंत्र की। शिकायत समिति में बाहरी, निष्पक्ष और महिला प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य होनी चाहिए।

दोषी कौन है, यह तय करने की जिम्मेदारी कानून की है, लेकिन सहानुभूति और समर्थन समाज को देना होगा। चुप्पी तटस्थता नहीं, बल्कि अपराध के पक्ष में खड़ा होना है। आज आवश्यकता है भरोसे की, ऐसे भरोसे की, जिसमें छात्रा निडर होकर शिकायत कर सके। शिक्षक अपने आचरण के प्रति जवाबदेह हों और संस्थान अपनी छवि से ज्यादा अपने छात्रों की सुरक्षा को महत्व दें। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि सुरक्षित और संवेदनशील नागरिक तैयार करना भी है। यदि सच में हमें शिक्षा को मंदिर बनाए रखना है, तो पहले उसे डर, शोषण और मौन की संस्कृति से मुक्त करना होगा। कानून मजबूत है, पर उससे ज्यादा मजबूत होना चाहिए संस्थानों का नैतिक साहस, क्योंकि जब शिक्षा असुरक्षित हो जाती है, तो केवल वर्तमान नहीं, पूरा भविष्य खतरे में पड़ जाता है।

दर्द पर मरहम लगाती तकनीक

बचपन से हम लोगों को जीत के लिए ऐसे प्रशिक्षित किया जाता है कि मानो हार एक अजूबा हो। हार जीत के भावों का विक्षोभ हमें वास्तविक आत्मिक सुख से कोसों दूर किए देता है। हार उस समय अधिक पीड़ादायक हो जाती है, जब सामर्थ्य से अधिक प्रयास झोंक दिए गए हो और उन प्रयासों में परीक्षा से पूर्व ही सपनों की मेखलाएं बुन ली गई हों और परिणाम जब आशा के अनुरूप नहीं आता, तो हृदय और मस्तिष्क दर्द के असीम शोक सागर में डूब जाता है। जैसे-जैसे हमारी वंशावलियां ऊर्ध्वाधर गति रही कर रही हैं, संबंधों के मामले में हम उतने ही दरिद्र होते जा रहे हैं। बेहद कष्ट कारक होता है, जब हार को स्वीकारने और सहने के लिए अपने आसपास मौजूद तमाम लोगों में से एक कंधा भी ऐसा न हो, जहां आप खुलकर रो सके, जिसके सहारे उस असीम दर्द को बह जाने दें और मन पर रखा दर्द का पहाड़ आंसुओं की नदी बनकर आगे के प्रयासों के लिए नवीन ऊर्जा दे सके।

बीना नयाल
शिक्षिका

आज हम जीते-जागते चैतन्य मनुष्य की संवेदनहीनता से दुःखी होकर अपना दर्द मशीनों से साझा करने लगे हैं, क्योंकि एआई, चैटजीपीटी जैसे टूल हमारी दर्द भरी भावनाओं पर मरहम लगाने का कार्य मनुष्य से कहीं बेहतर करते प्रतीत हो रहे हैं। कारण स्पष्ट है इंसानों के पास इंसानी तकलीफे, अवसाद और दर्द को समझने के लिए समय, संवेदना और सामर्थ्य का सोता लगातार सूखता जा रहा है और मशीन निरंतर सीखने की प्रक्रिया में भावनाओं को भी आत्मसात करती जा रही है, जिसका परिणाम कई बार ऐसा होता है कि टूटा हुआ और हारा हुआ दिल मशीन से कहता है तुम बहुत अच्छे दोस्त हो और प्रत्युत्तर में मशीन कहती है शुक्रिया दोस्त, मुझे खुशी है कि मैं तुम्हारी भावनाओं के उतार-चढ़ाव को कुछ हद तक संतुलित कर पाया। आगे भी तुम मुझसे इसी प्रकार मदद ले सकते हो। अगर मानवीय संबंधों में संवेदनशीलता का सोता सूखता गया और मशीन पर निर्भरता बढ़ती गयी तब इंसानों और रिश्तो की क्या अहमियत रह जाएगी।

इसी संदर्भ में आदिवासी बच्चों की कहानी है- उबंटू, जिसमें आदिवासी खेलते हुए बच्चों के पास एक बाहरी व्यक्ति आया, उसके पास फलों से भरा एक टोकरा था। उसने बच्चों से कहा, जो बच्चा दौड़ प्रतिस्पर्धा में सबसे पहले पेड़ को छुकर वापस आएगा, टोकरी के सारे फल उसी को मिल जाएंगे। बच्चे समझदारी से एक दूसरे का हाथ पकड़ कर भागते हैं और एक साथ एक समय में पेड़ को छूते हैं और एक साथ वापस सुनिश्चित बिंदु पर आ जाते हैं।

इस प्रकार सभी बच्चे विजेता बन जाते हैं। व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बच्चों से पूछता है, जब एक बच्चे को पूरा टोकरा मिल सकता था, तो सभी एक साथ क्यों भागे। बच्चे बोले हमने प्रकृति से सहकारिता और साझेदारी का भाव सीखा है। जहां न हार है और न जीत है बस तादात्म्यता और संतुलन है। इस कहानी से सीख मिलती है कि संसार में हम रेस का घोड़ा नहीं, बल्कि आनंद और सीखने के साथ संबंधों को जीने और समायोजन का हुनर सीखने आए हैं।

धर्म की सीमाओं से परे संवाद की भूमि यूपी

धर्म केवल आस्था की परिधि में बंधा विषय नहीं, अपितु यह जीवन जीने, समझने की एक व्यापक दृष्टि है। धर्म मनुष्य को अध्यात्म, नैतिकता और दिव्य ऊर्जा से जोड़ते हुए करुणा, सह-अस्तित्व व संतुलन का मार्ग प्रशस्त करता है। वहीं, कुछ लोग धर्म से परे रहकर भी जीवन की सार्थकता तलाशते हैं। यही वैचारिक विविधता मानव समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।

विभिन्न धर्मों के सिद्धांतों और मूल्यों को समझना हमें 'विविधता में एकता' के उस सूक्ष्म किंतु सशक्त सूत्र से जोड़ता है, जो पूरी मानवता को एक साझा चेतना में पिरोता है। इसी भावना के साथ हर वर्ष जनवरी माह के तीसरे रविवार को 'विश्व धर्म दिवस' (वर्ल्ड रिलिजन डे) मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य वर्ष में एक दिन सभी धर्मों को एक साथ मनाना तथा उनकी समान रूप से सम्मान करना है।

> उत्तर प्रदेश भारतीय धार्मिक आत्मा का जीवंत स्वरूप है। काशी में जहां वैदिक मंत्रों की अनवरत गूंज सुनाई देती है, वहीं अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जीवन को दिशा देती है। मथुरा-वृंदावन में कृष्ण-भक्ति की धारा बहती है, तो बुद्ध की ज्ञान-स्थली सारनाथ अहिंसा का मार्ग दिखाती है।

विश्व धर्म दिवस विशेष

भारत जैसे बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र में विश्व धर्म दिवस केवल एक तिथि तक सीमित न रहकर सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की उस प्राचीन परंपरा का स्मरण है, जिसने देश की आत्मा को गढ़ा है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के लिए जो सदियों से धर्म, दर्शन, भक्ति आंदोलन और सांस्कृतिक संवाद की भूमि रहा है, यह दिवस आत्मचिंतन और संभावनाओं का भी है। यहां पर्यटन यात्रा का माध्यम ही नहीं, बल्कि विचारों और संस्कृतियों को जोड़ने वाला सेतु बनकर उभरा है।

जयवीर सिंह
पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री,
उ.प्र. सरकार

उत्तर प्रदेश भारतीय धार्मिक आत्मा का जीवंत स्वरूप है। काशी में जहां वैदिक मंत्रों की अनवरत गूंज सुनाई देती है, वहीं अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जीवन को दिशा देती है। मथुरा-वृंदावन में कृष्ण-भक्ति की धारा बहती है, तो बुद्ध की ज्ञान-स्थली सारनाथ अहिंसा का मार्ग दिखाती है। सूफी परंपरा से जुड़े स्थल प्रेम का संदेश देते हैं, तो जैन, बौद्ध, सिख, इस्लाम और ईसाई परंपराओं की उपस्थिति उत्तर प्रदेश को देश ही नहीं, दुनिया का अनूठा धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्र बनाती है। यूपी के परिप्रेक्ष्य में विश्व धर्म दिवस इस तथ्य को भी रेखांकित करता है कि विभिन्न आस्थाएं टकराव नहीं, अपितु संवाद और समन्वय का माध्यम बन सकती हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन आज उत्तर प्रदेश की पर्यटन अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। रामायण, कृष्ण, बौद्ध, सूफी और जैन जैसे बहुधार्मिक पर्यटन सर्किटों का समन्वित विकास प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिला रहा है। विश्व धर्म दिवस जैसे अवसर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, शोधकर्ताओं और सांस्कृतिक जिज्ञासुओं को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखते हैं। धर्म-संवाद सम्मेलनों, सांस्कृतिक उत्सवों और हेरिटेज वॉक जैसे आयोजनों के माध्यम से पर्यटन दर्शन से आगे बढ़कर अनुभवात्मक यात्रा का रूप लेता है। इसका सीधा लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलता है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के कारण होटल उद्योग, हस्तशिल्प, लोक कलाएं, गाइड सेवाएं और स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ती है। इससे न केवल रोजगार सृजन होता है, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और सौहार्द की वैश्विक छवि भी सुदृढ़ होती है।

उत्तर प्रदेश सरकार 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। इस भगीरथ प्रयास में पर्यटन विभाग की भूमिका निरंतर सशक्त होती जा रही है। प्रदेश की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक विविधता को आर्थिक विकास से जोड़ने का कार्य पर्यटन ने प्रभावी ढंग से किया है। ऐसे में विश्व धर्म दिवस यह रेखांकित करता है कि राम, कृष्ण, बुद्ध, सूफी और जैन परंपराओं की साझा चेतना न केवल सामाजिक समरसता का संदेश देती है, बल्कि विकास की यात्रा की सहभागी भी बनती है।

विश्व धर्म दिवस 2026, उत्तर प्रदेश को यह अवसर प्रदान करता है कि वह अपनी बहुधार्मिक विरासत को गर्व और आत्मविश्वास के साथ विश्व पटल पर प्रस्तुत करे। यह वही धरती है, जहां आस्था संवाद बनती है, धर्म पर्यटन का मार्ग प्रशस्त करता है और विश्वास विकास के साझेदार बनते हैं। जब धर्म को विभाजन की रेखा नहीं, संयोजन का सेतु माना जाता है, तब उत्तर प्रदेश विश्व को यह संदेश देता है कि 'विविधता में एकता' यहां केवल दर्शन नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही जीवंत परंपरा और पहचान है। यही विश्व धर्म दिवस का मूल भाव भी है।

जीवन की उपयोगिता

चित्रकार अपने मन-मस्तिष्क में कोई चित्र बनाने की परिकल्पना पहले करता है और फिर उसे मूर्त रूप देने का काम करता है। वह पूरी एकाग्रता से चित्र बनाने के उपकरणों का प्रयोग करता है। केवल चित्रकार ही नहीं, बल्कि कोई वैज्ञानिक भी जब किसी अनुसंधान के काम में लगता है तब वह एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करता है। उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तद्नुसार कार्य करता है। यह तो किसी वैज्ञानिक अनुसंधान की बात हो गई। सामान्यतया विकास के कार्यों के लिए पुल, पुलिया, सड़क, डैम या भवन आदि बनाने की कोई योजना बनती है, तब पहले उसका प्राकलन (प्रोजेक्ट) बनाया जाता है। इसमें विशेषज्ञ अधिकारी कार्यस्थल का सूक्ष्मता से अध्ययन करते हैं। उसके बाद कार्य में लगने वाली वस्तुओं, श्रम तथा संभावित लागत मूल्य का भी लेखा-जोखा निर्धारित करते हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया को डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) कहा जाता है।

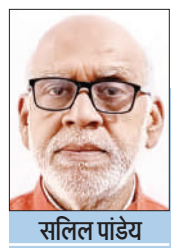

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इन उद्धरणों से स्पष्ट होता है कि किसी भौतिक कार्य के लिए जब इतने गहराई से कार्य किया जाता है तब इंसान को भी अपनी जिंदगी को बंदगीपूर्ण बनाने के लिए सजगतापूर्ण योजना बनानी चाहिए। इसके लिए उसे मन और मस्तिष्क में सर्वप्रथम संतुलन बनाना चाहिए एवं उस पर दृढ़ इच्छाशक्ति के अनुसार यह योजना बनानी चाहिए कि उसका लक्ष्य क्या है और वह समाज के लिए किस तरह उपयोगी हो सकता है, क्योंकि जैसे भौतिक वस्तुओं की उपयोगिता होती है और इन वस्तुओं की उपयोगिता खत्म होने के बाद उसे निष्प्रयोज्य कर दिया जाता है। इसी तरह इंसान समाज के लिए कितना उपयोगी है, ऐसा उसे खुद साबित करना होगा।

इसके लिए ऐसा नहीं कि किसी की उपलब्धि देखकर झटपट उसी तरह बनने के लिए व्यग्र होने लग जाना चाहिए। किसी सफल व्यक्ति की उपलब्धियों में उसे कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ा, इसका भी पता लगाना चाहिए। ऐसी स्थिति में विपरीत स्थितियों से जूझने का सामर्थ्य प्राप्त होता है। बिना संघर्ष के मिली सफलता की अवधि कम हो सकती है, जबकि विपरीत हालात से दो-चार हाथ करते मिली सफलता स्थाई होती है।

जीवन जीने की कला सिखाती है श्रीमद्भगवद्गीता

श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, अपितु जीवन को सही दिशा देने वाला एक अद्वितीय जीवन-दर्शन परक ग्रंथ है। यह महाभारत के कुरुक्षेत्र के भीषण युद्धक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद के रूप में प्रस्तुत हुआ, किंतु इसका संदेश केवल युद्ध तक सीमित न होकर संपूर्ण मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक के रूप में है। गीता मनुष्य को यह सिखाती है कि जीवन की कला क्या है, जीवन का उद्देश्य क्या है, जीवन को कैसे जीया जाए, कैसा आचरण किया जाए, कैसा आहार सेवन किया जाए और जीवन को किस प्रकार सार्थक बनाया जाए। गीता में ही कर्मयोग, ज्ञान योग, भक्ति योग का विशद वर्णन प्राप्त होता है। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते, श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् ये तीनों प्रमुख उक्तियां मानव जीवन को उन्नत, आध्यात्मिक तथा कर्म-ज्ञान-भक्ति की उन्मुख बना सकती हैं। गीता का प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण उपदेश कर्मयोग ही है। श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदिष्ट करते हुए कहते हैं कि मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है फल में नहीं। यह उत्कृष्ट सिद्धांत जीवन में अवसाद, तनाव, भय और निराशा से मुक्त रहने की कला सिखाता है। इसी सिद्धांत को अंतर्मन से आचरण कर लेने पर व्यक्ति समस्त दुर्गुण, दोषों, शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक बीमारियों से मुक्त होकर परम आनंद एवं परम वैभव को प्राप्त हो जाता है, जिससे अवसाद, चिंता, तनाव, भय, निराशा तथा नकारात्मक दृष्टिकोण समूल नष्ट हो जाते हैं, जब व्यक्ति स्वभावानुकूल कर्म को ही पूजा मानकर करता है यो तब उसका जीवन सहज, संतुलित और आनंदमय बन जाता है। गीता जीवन में समत्व भाव की शिक्षा देती है। आज के भागदौड़ भरे और प्रतिस्पर्धात्मक युग में यह शिक्षा अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि असंतुलन ही मानसिक अशांति का प्रमुख कारण बन गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग के माध्यम से आत्मज्ञान पर बल दिया गया है। "मैं कौन हूं?"- इस प्रश्न का उत्तर खोजने की प्रेरणा गीता देती है। जब मनुष्य शरीर, पद और धन से ऊपर उठकर आत्मा को पहचानता है, तब वह जीवन को गहराई से समझ पाता है। यही आत्मबोध जीवन की सच्ची कला है। गीता भक्तियोग द्वारा प्रेम, करुणा, दया, श्रद्धा और समर्पण का मार्ग भी दिखाती है। ईश्वर के प्रति निष्काम भक्ति मन को पवित्र करती है और अहंकार को समाप्त करती है। यही भक्ति कर्मयोग में भी अपेक्षित मानी गई है, क्योंकि कर्म में समर्पण होना ही भक्ति है। जब मनुष्य अपने कार्यों को ईश्वर को समर्पित कर देता है, तब जीवन बोझ नहीं, बल्कि साधना बन जाता है।

आज के युग में जहां तनाव, अवसाद, कर्तव्यकर्म के प्रति उदासीनता और नैतिक पतन बढ़ रहा है, भ्रष्टाचरण प्रबल हो रहा है। दूसरे का हक मारकर भ्रष्टाचार करके केवल अपनी धन-संपत्ति अर्जित करने की होड़ मची है। इन सभी संदर्भों में श्रीमद्भगवद्गीता जीवन जीने की कला का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करती है, वह उपदेशित करती है आखिर क्यों ऐसा अनैतिक/भ्रष्टाचरण किया जा रहा है और इसके परिणाम क्या होंगे। गीता हमें सिखाती है कि कैसे कर्तव्यनिष्ठ रहकर, विवेक से निर्णय लेकर और आत्मसंयम के साथ जीवन जिया जाए। गीता की समझ एवं ज्ञानाभाव में कुछ लोग इसको धर्म विशेष का ग्रंथ मानकर इसके अध्ययन तथा आचरण से परहेज करते हुए दिखाई देते हैं, जबकि सत्यता यह है कि श्रीमद्भगवद्गीता में कहीं पर भी किसी भी श्लोक में संप्रदाय विशेष धर्म का वर्णन नहीं किया गया है। भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुनादि अवश्य ही सनातन हिन्दू धर्म से संबद्ध हैं, लेकिन गीता में उनका संवाद एवं प्रदत्त शिक्षा सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वजनीन हैं और रहेंगी, इन्हीं शिक्षा/ विचारों के माध्यम से भारत को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की ओर ले जाया जा सकता है और धार्मिक कुरीतियों से मुक्त किया जा सकता है। गीता के महत्व को अनुभव करते हुए ही उत्तराखंड सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में छात्रों को श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का परायण एवं उनके भावार्थ को बताया जाना अनिवार्य कर दिया गया है और विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान गीता के श्लोकों का वाचन कराया जा रहा है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति,भारत रत्न, महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी गीता के महत्व को वर्णित किया था और वे कहते थे कि मैं श्रीमद्भगवद्गीता के प्रतिदिन दो श्लोकों का स्वाध्याय करता हूं। वह मेरे लिए दिन नहीं होता है, जिस दिन में गीता का स्वाध्याय नहीं कर पाता हूं। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि श्रीमद्भगवद्गीता प्रत्येक व्यक्ति के लिए जीवन का शाश्वत एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक ग्रंथ है चाहे वह किसी धर्म-संप्रदाय से युक्त हो।

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
नैनीताल

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

न्यूज ब्रीफ

हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने हत्या के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी इसराइल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां, से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। थाना कोतवाली खलीलाबाद के भरपूरवा निवासी अमानुल्लाह खान ने 25 फरवरी 2025 को थाना स्थानीय पर प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप था कि अभियुक्त ने उसे व उसके पुत्र को रास्ते में रोककर मारपीट की। जिसमें गंभीर रूप से घायल पीड़ित के पुत्र की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त की तलाश शुरू की थी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने शुक्रवार को अभियुक्त इसराइल को गिरफ्तार कर लिया।

विधायक ने दिव्यांगजनों को बांटे उपकरण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शुक्रवार को कैम्प के माध्यम से पूर्व से चयनित दिव्यांगजनों को जय किसान इण्टर कालेज सकतपुर सनई के प्रांगण में सदस्य विधान परिषद/राज्य सदस्य, दिव्यांगजन सलाकार समिति ध्रुव कुमार त्रिपाठी के द्वारा दिव्यांगजनों को 20-ट्राईसाइकिल, 15-व्हील चेयर, 10-वैशाखी, 10-ब्रेल किट व दिव्यांग बच्चों को ड्रेस वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, प्रबन्धक बब्लू श्रीवास्तव व प्रधानाचार्य सचितानन्द उपस्थित रहें। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने दी।

लावारिस नवजात को भेजा गया गोंडा

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। बीते 10 जनवरी को जिले के बर्डपुर नंबर-तीन टोला इस्लामपुर के सिवान में अज्ञात नवजात मिला। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और चाइल्ड लाइन के समन्वित प्रयास से नवजात को दत्तक ग्रहण इकाई गोंडा भेज दिया गया है, जहां अब उसका पालन-पोषण और संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। नवजात के मिलने के बाद तत्काल चाइल्ड लाइन की ओर से उसे माधव प्रसाद त्रिपाठी से संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था।

अस्पतालों के किचन स्टाफ की टीबी जांच अनिवार्य : अमित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के क्रम में अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी शहरी क्षेत्रों में होटल एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के कर्मचारियों की नियमित टीबी जांच की अनिवार्यता रहेगी। इसके अलावा सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों के विद्यार्थियों तथा जिला अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत किचन स्टाफ की अनिवार्य जांच कराई जाए, जिससे संक्रमण के किसी भी जोखिम को प्रारंभिक स्तर पर नियंत्रित किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव, शनिवार को सचिवालय में राज्य टीबी फोरम की बैठक में संबोधित कर रहे थे। टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों के प्रभावी उपयोग की रणनीति पर भी चर्चा हुई। सचिवालय में राज्य टीबी फोरम की बैठक संपन्न हुई, इस अवसर पर विशेष सचिव चिकित्सा धीरेंद्र सचान, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन, राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर, उप राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. ऋषि सक्सेना सहित डब्ल्यूएचओ, आईएचएटी, जीएचएस तथा सीफार के राज्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

देवदार गद्दी पर विराजमान होंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का उत्तराखंड से जुड़ाव एक बार फिर सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हुआ है। मकर संक्रांति के अवसर पर उत्तराखंड सरकार में राज्यमंत्री (कर्नल, सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल ने गोरखपुर पहुंचकर योगी आदित्यनाथ को गोरक्षपीठ की गद्दी के रूप में देवदार की विशेष कुर्सी भेंट की। यह कुर्सी केवल फर्नीचर नहीं, बल्कि उत्तराखंड की आस्था, परंपरा और काष्ठकला का प्रतीक है। कर्नल कोठियाल के अनुसार, केदारनाथ पुनर्निर्माण परियोजना में प्रयुक्त देवदार लकड़ी का कुछ हिस्सा शेष बचा था। उसी पवित्र लकड़ी से इस गद्दी का निर्माण कराया गया, ताकि उसका आध्यात्मिक महत्व बना रहे। इसका डिजाइन आर्किटेक्ट कृष्ण कुडियाल ने उत्तराखंड के प्राचीन मंदिरों की वास्तुशैली और काष्ठकला का अध्ययन कर तैयार किया।

मुख्यमंत्री योगी को गोरक्षपीठ की गद्दी के रूप में देवदार की विशेष कुर्सी भेंट करते उत्तराखंड सरकार में राज्यमंत्री अजय कोठियाल। अमृत विचार

आयुष कॉलेजों में दाखिले के लिए स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी व निजी आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व यूनानी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग शुरू हो चुकी है। पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि आगामी 19 जनवरी है। तत्पश्चात मेरिट के क्रम मे अभ्यर्थियों से दो दिन तक कॉलेजों की प्राथमिकताएं ली जाएंगी और 20 जनवरी को सीट आवंटन परिणाम घोषित कर 23 जनवरी तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। यूपी आयुष यूजी काउंसिलिंग के नोडल अधिकारी एवं होम्योपैथिक निदेशक डॉ.प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि स्नातक की लगभग 300 सीटें रिक्त हैं, इनमें 110 सीटें आयुर्वेद में, 100 सीटें होम्योपैथी में और 75 सीटें यूनानी कॉलेजों में रिक्त हैं। इसी प्रकार पीजी की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया 23 जनवरी तक पूरी की जाएगी।

नीट पीजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग 23 से

अमृत विचार : नीट पीजी 2025 की काउंसिलिंग में अर्हता में कटआफ कम करने के बाद तीसरे चरण की काउंसिलिंग 23 जनवरी से शुरू होगी। शुरुआती 9 दिन पंजीकरण के बाद 2 फरवरी को मेरिट सूची जारी की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने बताया कि 7 फरवरी तक अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं ली जाएंगी और 9 फरवरी को सीट आवंटित कर दी जाएंगी। 13 फरवरी तक प्रवेश प्रक्रिया कॉलेजों को पूरी करनी होगी।

विशाल दंगल में कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने दिखाये कुश्ती के दांव

राप्ती नदी तट पर मौनी अमावस्या पर दो दिवसीय आयोजन की शुरुआत

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

दंगल का उद्घाटन कराते अतिथि।

अमृत विचार एक-दूसरे पर दांव आजमाते पहलवान।

अमृत विचार। राप्ती नदी तट स्थित डुमरियागंज परशुराम वाटिका में मौनी अमावस्या पर लगने वाले मेले में राम राम कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हो गया। धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में होने वाले दो दिवसीय आयोजन का उद्घाटन शनिवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी डा. अभिषेक महाजन व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किया। जिसमें नेपाल राष्ट्र सहित भारत के कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने कुश्ती के दांव-पेंच दिखाए। दंगल देखने हजारों हजार की संख्या में भारी भीड़ जुटी रही। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

दंगल में नेपाल, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, अयोध्या, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, केरल सहित कई राज्यों के पहलवान सम्मालित हुए और इन्होंने कुश्ती के नये-नये दांव पेंच दिखाये। पुरुष वर्ग की पहली कुश्ती काला चीता जौनपुर और राजेश पहलवान, अयोध्या के बीच हुई। महिला वर्ग की पहली कुश्ती में शिवांगी सिंह नंदनीनगर गोंडा, हिमांशु यादव राजस्थान का हाथ मिलवाकर कुश्ती का शुभांरभ करवाया। पुरुष वर्ग में राजेश पहलवान अयोध्या विजयी हुए। वहीं महिला कुश्ती में शिवांगी सिंह नंदनीनगर गोंडा विजयी हुईं। काला पहलवान केरल व पंडित थापा काठमांडू नेपाल में पंडित थापा विजई, सोनू पहलवान हरियाणा व लक्की थापा नेपाल के बीच में लक्की थापा विजई, चिम चिम डोगरा आदिवासी पहलवान भूटान व देवा पहलवान प्रयागराज के बीच में चिम चिम डोगरा विजई, नम्रता पहलवान गोरखपुर व सोनम पहलवान बनारस में नम्रता पहलवान विजई, बिल्ला पहलवान व बाबा शक्तिमान पहलवान के बीच में शक्तिमान पहलवान विजई, शास्त्री पहलवान व अशोक पहलवान गाजीपुर के शास्त्री पहलवान विजई, भूरा पहलवान अयोध्या व विक्की पहलवान पटियाला के बीच भूरा पहलवान विजई, नरेश पहलवान व जगधारी में नरेश विजई, सोनू हरिद्वार व नरेश पंजाब के बीच नरेश विजई, पंडित थापा नेपाल व बिल्ला कानपुर के बीच पंडित थापा विजयी रहे।

बीएड की योग्यता न रखने वाले की सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि बीएड की योग्यता नहीं रखने वाले किसी भी व्यक्ति की सहायक अध्यापक/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (कला) के पद पर नियुक्ति नहीं की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (कला) परीक्षा-2014 के लिए इस पद का विज्ञापन निकाला गया था। हालांकि, अदालत ने प्रतिवादियों को चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की पीठ ने विनोद कुमार यादव और चार अन्य द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने प्रदेश के महाधिवक्ता को नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार, उप्र लोक सेवा आयोग और अन्य को इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 13 मार्च, 2026 तय की।

उल्लेखनीय है कि उप्र लोक सेवा आयोग ने उक्त पदों के लिए बीएड की डिग्री को तरजीही योग्यता बनाई थी। याचिकाकर्ताओं ने उक्त विज्ञापन को चुनौती दी और कहा कि बीएड की डिग्री को सहायक अध्यापक (कला) के पद के लिए तरजीही योग्यता बनाई गई ना कि न्यूनतम योग्यता। उन्होंने वस्तुतः आयोग द्वारा जारी विज्ञापन को इस आधार पर चुनौती दी कि उक्त विज्ञापन में कहा गया है कि बीएड केवल तरजीही योग्यता होगी ना कि अनिवार्य योग्यता।

श्रद्धालुओं ने मंदिरों में चढ़ाई खिचड़ी नपं अध्यक्ष ने वितरित की खिचड़ी

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में मकर संक्रांति पर्व गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में खिचड़ी चढ़ाई और नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने साधु-सन्तों व लोगों में खिचड़ी वितरित किया। वहीं सायं तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। आपको बता दें कि डोई नदी के तट पर स्थित शिव मंदिर, श्रीराम जानकी मंदिर और नगर पंचायत के गोलघर स्थित हनुमान मंदिर में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गये। नगर पंचायत अध्यक्ष शोहरतगढ़.उमा अग्रवाल ने अपने पति रवि अग्रवाल और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गोलघर के हनुमान मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद बड़ी संख्या में लोगों को खिचड़ी बांटी।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

कुशीनगर, अमृत विचार : पडरौना तहसील सभागार में आयोजित आज सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित व निष्पक्ष निस्तारण का निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक-एक कर सभी फरियादियों के प्रार्थना पत्रों को सुना गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की समस्याओं का समाधान कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्राप्त प्रार्थनापत्रों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

बहराइच में बाघ को बेहोश कर पिंजरे में कैद किया गया

संवाददाता, बहराइच, अमृत विचार। महसी तहसील के रेहुआ मंसूर गांव में चार दिनों से दहशत का पर्याय बन चुके एक बाघ को वन विभाग के विशेषज्ञों ने शनिवार को बेहोश करके पकड़ लिया और उसे पिंजरे में कैद करने में कामयाबी हासिल की। प्रभागीय वनाधिकारी सुन्दरेशा ने बताया कि महसी तहसील के रेहुआ मंसूर गांव में बीते चार दिनों से एक बाघ दिखाई दे रहा था। इस क्षेत्र में साल 2024 में भेड़िए व पिछले वर्ष तेंदुओं द्वारा इंसानों पर हमलों को लेकर गांव के लोग दहशत में थे। सुन्दरेशा ने कहा कि हमें दुर्लभ वन्यजीव को भी बचाना था और इंसानों पर हमले की संभावनाओं का भी ध्यान रखना था। इसलिए वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों ने बाघ को बचाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि ड्रोन कैमरे लगाकर लगातार बाघ की निगरानी की गई और उसे पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन घने कोहरे के कारण ड्रोन कैमरे बाघ का पता नहीं लगा पा रहे थे। बचाव अभियान को अंजाम देने के लिए बृहस्पतिवार को दुधवा बाघ अभयारण्य से ''डायना'' और ''सुलोचना'' नाम की दो प्रशिक्षित मादा हाथी लाई गईं। इसके साथ साथ दुधवा के 'ट्रैंक्विलाइजिंग' (इंजेक्शन देकर बेहोश करने वाले) विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. दयाशंकर व कतर्नियाघाट के डॉ. दीपक को बचाव अभियान की कमान दी गयी थी। 'ट्रैंक्विलाइजिंग गन' के साथ प्रशिक्षित शूटर की बचाव टीम तीन दिन से हाथियों पर सवार होकर तलाश अभियान चला रही थी। बाघ लगातार सबको चकमा देकर कभी गन्ने के खेत में तो कभी घाघरा नदी के कछार में ओझल हो जा रहा था लेकिन दोबारा गांव के आसपास लौट भी आता था। डीएफओ ने बताया कि शनिवार दोपहर बाद टीम ने ड्रोन की मदद से बाघ की लोकेशन का पता लगाया, हाथी पर चढ़कर 'ट्रैंक्विलाइजिंग गन' से निशाना लगाकर उसे बेहोश करने में कामयाबी हासिल की।

देह व्यापार के मामले में सात पुरुष व दो महिला सहित नौ लोग गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार : शनिवार को देह व्यापार के मामले में थाना कसया पुलिस द्वारा सात पुरुष व दो महिला सहित कुल 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण अभिषेक सिंह निवासी साकिन गोपालगढ़ थाना कसया जनपद कुशीनगर, पुनीत चतुर्वेदी निवासी साकिन बंजरिया थाना तरकुलवा जनपद देवरिया, सन्तोष कुमार निवासी साकिन बंजरिया थाना तरकुलवा जनपद देवरिया, राजू यादव निवासी साकिन धुनवलिया थाना चौराखास जनपद कुशीनगर, मिन्हाज निवासी साकिन सीतापट्टी थाना तरकुलवा जनपद देवरिया, कृष्ण कुमार निवासी साकिन सबया थाना कसया जनपद कुशीनगर, सुमित कुमार यादव निवासी साकिन सोनबरसा थाना महुआडीह जनपद देवरिया सहित दो महिलाएं शामिल रहीं। इस दौरान पुलिस ने कई आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में कससा थानाध्यक्ष अभिनव मिश्रा भी शामिल रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्व शिक्षा रत्न पुरस्कार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सर्व शिक्षा सेवा समिति द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश टैलेन्ट ओलम्पियाड में प्रदेश के कई जिलों से आये मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पार्ट-2 के अंतर्गत भातखण्डे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ के ऑडिटोरियम हॉल में एक भव्य शैक्षिक सेमिनार एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, न्याय, प्रशासन और समाजसेवा क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

अवकाश प्राप्त न्यायाधीश इलाहाबाद हाईकोर्ट जस्टिस वीरेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति, परिवार व समाज का सर्वांगीण विकास हो सकता है। छात्र-छात्राओं को एक लक्ष्य निर्धारित कर उस पर मेहनत करनी चाहिए।

एकल यात्रा के लिए विशेष गाड़ी का संचालन 20 को

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए 05950 गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ विशेष गाड़ी का संचलन 20 जनवरी को एकल यात्रा के लिए किया जायेगा। 05950 गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ विशेष गाड़ी 20 जनवरी को गोमतीनगर से 13.00 बजे प्रस्थान कर अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, हाजीपुर होते हुए दूसरे दिन बरौनी से 01.10 बजे प्रस्तान कर बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार, न्यू जलपाईगुडी, न्यू बंगाईगांव होते हुए गुवाहाटी से 14.40 बजे प्रस्तान कर लामडिंग, डिमापुर होते हुए तीसरे दिन शिमलगुड़ी से 01.20 बजे छूटकर डिब्रूगढ़ 03.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, शयनयान श्रेणी के 08 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

ब्लॉक अवधि का विस्तार 19 जनवरी से 22 फरवरी तक

गोरखपुर, अमृत विचार। स्टेशन पुनर्विकास के अन्तर्गत लखनऊ जं0 पर कॉनकोर्स के निर्माण के लिए प्लेटफार्म संख्या-2 एवं 3 पर किये जा रहे इंजीनियरिंग कार्य के लिए पूर्व में लिए गये ब्लॉक अवधि का विस्तार 19 जनवरी से 22 फरवरी तक किया गया है। लखनऊ जं0 के पुनिर्विकास का कार्य पूरा हो जाने पर यात्रियों को उन्नत यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा परिचालनिक सुविधाएं बढ़ेगी। ब्लॉक अवधि में विस्तार के फलस्वरूप गाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन तथा पुनर्निधारण अवधि में विस्तार किया गया है। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

यूपी का प्रतिनिधिमंडल आज जाएगा स्विट्जरलैंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम (डब्लूईएफ) के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस जाएगा। डब्लूईएफ का वार्षिक सम्मेलन 19 से 23 जनवरी तक दावोस में आयोजित हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल वैश्विक निवेशकों के साथ सेमीकंडक्टर, पर्यटन, सौर ऊर्जा सहित विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में निवेश प्रस्तावों पर चर्चा करेगा। बैठकें और संवाद के माध्यम से उप्र. को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्री के साथ अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह तथा इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद शामिल हैं।

माइक्रो इरिगेशन की पायलट परियोजनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में माइक्रो इरिगेशन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग केंद्र सरकार की मॉडर्नाइजेशन ऑफ कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट योजना के तहत गोरखपुर और संतकबीर नगर में माइक्रो इरिगेशन की पायलट परियोजनाएं विकसित कर रहा है। गोरखपुर में राप्ती नदी व रामगढ़ ताल क्षेत्र तथा संतकबीर नगर में कुवानो नदी क्षेत्र में बनाई जा रही ये परियोजनाएं प्रेशराइज्ड पाइप्ड इरिगेशन नेटवर्क तकनीक पर आधारित हैं।

आईजीआरएस शिकायतों में लापरवाही पर रोका वेतन

संतकबीरनगर, अमृत विचार। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और फरियादियों की असंतुष्टि को डीएम आलोक कुमार ने गंभीरता से लिया है। डीएम ने 10 अधिकारियों का जनवरी माह का वेतन बाधित करने और 14 अधिकारियों को चेतावनी व स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए हैं। डीएम आलोक कुमार ने बताया कि समीक्षा के दौरान पाया गया कि शिकायतों का अधिकारियों द्वारा न तो समयबद्ध और न ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। इससे बड़ी संख्या में असंतुष्ट फीडबैक मिले। डीएम ने स्पष्ट किया कि डिफॉल्टर तिथि से पहले शिकायतों का समाधान और शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **27.01.2026** एवं **09.02.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जायेंगे यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा सूचना सं.	00602026 दिनांक 16.01.2026	
निविदा सं.	1. 08-Quot-Sr.DEN-I/LKO-25-26	2. 32-Sr.DEN-I-LKO-2025-26
कार्य का नाम	1. लखनऊः सहायक मंडल अभियंता-प्रथम के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/रेलपथ/प्रथम एवं/वरिष्ठ खंड अभियंता/रेलपथ-द्वितीय के क्षेत्र में सात माह के लिए चिथड़ों को हटाना/चुनना।. Estt. No. 38-2025 under Allocation No-040241. 2. सहायक मण्डल इंजीनियर/वर्कशॉप/आलमबाग/लखनऊ के अधीन वरि० खण्ड अभियन्ता/कार्य/वर्कशॉप/आलमबाग के खण्ड में कैरिज वर्कशॉप आलमबाग लखनऊ में अग्निशमन प्रणाली में सुधार।	
अनुमानित लागत	1. ₹4,86,236.10	2. ₹4,94,32,728.99
धरोहर राशि	1. ₹9,700/-	2. ₹3,97,200/-
कार्य की समापन अवधि	1. स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से सात माह 2. स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह	
निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	1. 16.01.2026	2. 26.01.2026
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	1. 27.01.2026	2. 09.02.2026
वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोटः निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 181/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चंदौली सहित छह जिलों में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स का हुआ शिलान्यास

वाराणसी/चंदौली। ब्यूरो।

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के चंदौली सहित छह जनपदों में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के शिलान्यास का ऐतिहासिक कार्यक्रम मंगलवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य कार्यक्रम चंदौली में आयोजित हुआ, जबकि वाराणसी से भी वरिष्ठ न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस पहल को न्याय व्यवस्था में बड़ा कदम बताया। चंदौली में हुए समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजन-अर्चन कर शिलान्यास किया और प्रदेशवासियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि चंदौली ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत वाला जिला है, लेकिन आज यहां न्यायिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स आने वाले पचास वर्षों तक जिले की न्यायिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। यह परियोजना न सिर्फ यूपी बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगी।

23 को आयोजित होगा मॉक ड्रिल, हुई तैयारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानप्रकाश की अध्यक्षता में जनपद में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक किया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी 2026 को सायं 06.00 बजे मेडिकल कॉलेज में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम मे अपर जिला अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारी हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश यादव द्वारा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की संपूर्ण कार्ययोजना, प्रक्रिया तथा विभागीय सहभागिता के संबंध में अवगत कराया गया।

दुर्घटना से छात्राओं सहित 6 लोग गम्भीर रूप से घायल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। घना कोहरे के बीच साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। गनीमत रही कि किसी जान नहीं गई। थाना क्षेत्र ढेबरुआ अन्तर्गत एनएच 730 पर मदरहिया गांव के समीप स्कूली बस और मैजिक वाहन अनियन्त्रित होकर पलट गयी। दोनों वाहनों में कुल 40 लोग सवार थे, जिनमें 32 घायल हो गये। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ पहुंचाया गया, जहां छह घायलों को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। वहीं सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 9 बजे दर्सगाह जामिया तुस्सालिहात इस्लामिया स्कूल अकरहरा की बस शोहरतगढ़ से ढेबरुआ की ओर जा रही थी। जबकि सनराइज पब्लिक स्कूल तुलसियापुर की मैजिक विपरीत दिशा से आ रही थी। इसी बीच दोनों वाहनों के सामने अचानक एक साइकिल सवार स्कूली बच्चा आ गया। घना कोहरा होने के कारण चालकों को स्थिति स्पष्ट नहीं दिखी और साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में दोनों वाहन असन्तुलित होकर पलट गये। वहीं स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला।

लखनऊ नगर निगम

लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
email : nnlko@up.nic.in, e-tender portal : https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सं.: 348/मु.अ./2025-26 दिनांक : 17.01.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालिक निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा दिनांक 06.02.2026 को 01 कार्य हेतु ई-निविदायें, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि RTGS/NEFT/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 06.02 2026 को अपरान्ह 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हे दिनांक 06.02.2026 को 16.00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार समक्ष अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य अभियन्ता

एचटीएमडी पर 380 करोड़ खर्च करेगा सिग्नेचर

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने शनिवार को कहा कि वह आवासीय परियोजनाओं में भूकंप रोधी तकनीक के लिए 380 करोड़ खर्च करेगी। कंपनी ने इस तकनीक के लिए भारत-इटली के संयुक्त उद्यम सीईसीओ हिरुन से समझौता किया है। हिस्टेरेटिक ट्यून्ड मास डैम्पर्स (एचटीएमडी) तकनीक विशेष प्रणाली है जिसे इमारतों में हवा और भूकंप के कंपन को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह इमारत की हलचल को नियंत्रित कर स्थिरता को बढ़ाती है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 18 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

गुवाहाटी की कंपनी वंदे भारत में देगी खाना

कोलकाता। असम की आतिथ्य सेवा कंपनी ने भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए खान-पान (कैटरिंग) का ठेका हासिल किया है। साथ ही यह पूर्वोत्तर की पहली ऐसी कंपनी बनी, जो रात भर की इस प्रीमियम सेवा में अपने विशेष व्यंजन पेश करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को शनिवार दोपहर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गुवाहाटी स्थित मेफेयर स्प्रिंग वैली रिसॉर्ट ने शनिवार को बताया कि उसने इस ट्रेन के आधिकारिक कैटरर के रूप में भारतीय रेलवे खान-पान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ साझेदारी की है।

आईसीएसआई से एयू स्मॉल ने किया समझौता

नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत देश भर के कंपनी सचिवों के लिए विशेष रूप से तैयार बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड समाधान पेश किए जाएंगे। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का मकसद आईसीएसआई के सदस्यों को व्यापक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना और बैंक के भीतर कंपनी सचिवों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है।

कोलकाता में जीएमयू कार्यालय का पट्टा खत्म

कोलकाता। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कोलकाता में अपनी वैश्विक बाजार इकाई (जीएमयू) के परिसर का पट्टा समाप्त कर दिया है। बैंक के इस कदम का नागरिक मंच ने विरोध किया है और आरबीआई से हस्तक्षेप कर बिना नियामक मंजूरी के इस इकाई को बंद होने से रोकने का आग्रह किया है। एक वेंडर को जारी 14 जनवरी, 2026 के एसबीआई के नोटिस के अनुसार, बैंक मध्य कोलकाता के जवाहरलाल नेहरू रोड स्थित जीवन सुधा बिल्डिंग की 11वीं से 16वीं मंजिल का पट्टा खत्म कर रहा है। इसी परिसर में बैंक की विदेशी मुद्रा और वैश्विक बाजार इकाई थी। परिसर खाली करने को एक महीने का समय दिया गया है। यह कदम बैंक की ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा परिचालन को मुंबई से संचालित करने की योजना का हिस्सा है।

कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग को एफटीए से लाभ

भारत और यूरोपीय संघ के एफटीए से शुल्क समाप्त होने पर तीन वर्षों में निर्यात होगा दोगुना

- **वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार समझौता निर्यातकों को देगा स्थिर ढांचा**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कपड़ा, दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। निर्यातकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है।

उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा। निर्यातकों ने उल्लेख किया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता निर्यातकों के लिए एक स्थिर ढांचा प्रदान करेगा। इससे भारतीय कंपनियां दीर्घकालिक निवेश की योजना बना सकेंगी और यूरोपीय मूल्य श्रृंखला से जुड़कर बाजार तक पहुंच सुरक्षित कर सकेंगी।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि यह एफटीए किसी एक बाजार पर हमारी निर्भरता को कम करने के लिहाज से एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क बहुत अधिक होने के कारण घरेलू निर्यातकों को उच्च लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।

कानपुर स्थित ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक यदुवेंद्र सिंह सचान ने कहा कि घरेलू चमड़ा निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग निर्यात बढ़ाने के लिए करना चाहिए। यह एफटीए भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा बदलाव लाएगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि अमेरिकी शुल्कों में भारी वृद्धि भारतीय निर्यातों के एक बड़े दायरे को प्रभावित कर रही है, जिससे निर्यात बाजारों और व्यापार रणनीतियों में विविधीकरण को बढ़ावा देने की जरूरत का पता चलता है।

निर्यात बढ़ाने को आयात शुल्क संरचना, सीमा शुल्क में बदलाव की जरूरत : जीटीआरआई

नई दिल्ली। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को कहा कि व्यापार लागत कम करने, विनिर्माण प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने और निर्यात बढ़ाने को भारत को आयात शुल्क संरचना और सीमा शुल्क प्रशासन में व्यापक बदलाव करना होगा। जीटीआरआई ने तीन वर्षों में ज्यादातर औद्योगिक कच्चे माल और प्रमुख मध्यवर्ती वस्तुओं पर शून्य शुल्क घोषित करने और तैयार औद्योगिक वस्तुओं पर 5% का मानक शुल्क लागू करने का सुझाव भी दिया। थिंक टैंक ने विपरीत शुल्क संरचना को खत्म करने पर जोर दिया है, जहां तैयार उत्पादों की तुलना में कच्चे माल पर अधिक कर लगाया जाता है, जिससे घरेलू विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता धीरे-धीरे कम हो जाती है। जीटीआरआई ने कहा कि शराब पर 150% जैसे अत्यधिक शुल्क को तर्कसंगत बनाना चाहिए, क्योंकि ऐसी दरें कर चोरी को बढ़ावा देती हैं जबकि राजकोषीय लाभ नगण्य होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क सुधार कुल आयात शुल्क पर आधारित होना चाहिए, न कि मूल सीमा शुल्क पर।

समझौते में दालों पर आयात शुल्क को कम करे भारत

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिका के दो सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से किया आग्रह**
- **सांसद बोले- अनुचित शुल्कों से अमेरिकी उत्पादकों को नुकसान**

अमेरिका के दो सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया है कि वे भारत के साथ भविष्य के किसी भी व्यापार समझौते में दालों के लिए अनुकूल प्रावधानों पर जोर दें। सांसदों का कहना है कि नई दिल्ली द्वारा लगाए गए अनुचित शुल्कों के कारण अमेरिकी उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को 16 जनवरी को लिखे एक पत्र में मोंटाना के रिपब्लिकन सांसद स्टीव डेंस और नॉर्थ डकोटा के केविन क्रैमर ने कहा कि उनके राज्य मटर सहित दालों के शीर्ष दो उत्पादक हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जिसकी वैश्विक खपत में करीब 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सांसदों ने कहा कि मसूर, चना, सूखी बीन्स और मटर भारत में सबसे ज्यादा खपत होने वाली फसलें हैं, लेकिन नई दिल्ली ने इन श्रेणियों में अमेरिकी निर्यात पर भारी शुल्क लगा रखा है। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले साल 30 अक्टूबर को पीली मटर पर 30 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुआ। पत्र में कहा गया, भारत के इन अनुचित शुल्कों से अमेरिकी उत्पादकों को अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को भारत निर्यात करने में काफी नुकसान हो रहा है। डेंस और क्रैमर ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए दालों पर शुल्क के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत करना अमेरिकी उत्पादकों और भारतीय उपभोक्ताओं, दोनों के लिए परस्पर फायदेमंद होगा।

ग्रीनलैंड : विरोध कर रहे 8 यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ

नुक, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एलान किया कि वह ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का विरोध करने के कारण फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि एक जून से इस टैरिफ को बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड की पूर्ण खरीद के लिए कोई समझौता नहीं होता है तो डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड को टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप की इस घोषणा ने आर्कटिक क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण हासिल करने की उनकी मांग को एक बार फिर गरमा दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, हमने डेनमार्क और यूरोपीय संघ के सभी देशों को कई वर्षों तक टैरिफ न लगाकर सब्सिडी दी है। अब सदियों बाद उसे डेनमार्क के लिए लौटाने का समय आ गया है, विश्व शांति दांव पर है। ट्रंप ने तर्क दिया कि ग्रीनलैंड अमेरिकी और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने डेनमार्क की रक्षा व्यवस्था को अपर्याप्त बताया और चेतावनी दी कि इन देशों द्वारा ग्रीनलैंड में कम संख्या में सैन्य कर्मियों की तैनाती ग्रह की सुरक्षा और अस्तित्व के लिए एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका 150 से अधिक वर्षों से ग्रीनलैंड को हासिल करने की कोशिश कर रहा है। आधुनिक हथियार प्रणालियों और गोल्डन डोम जैसे मिसाइल रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

रिलायंस कंज्यूमर ने ब्रिलक्रीम, टोनी एंड गाय और बाडेडास के वैश्विक अधिकार खरीदे

नई दिल्ली। कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की शाखा रिलायंस कंज्यूमर ने तेजी से बढ़ते सौंदर्य प्रसाधन बाजार में पैठ मजबूत करने को ब्रिलक्रीम, टोनी एंड गाय और बाडेडास जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड के वैश्विक अधिकार हासिल किए हैं।

- **मुकेश अंबानी की आरआईएल की शाखा ने तेजी से बढ़ते सौंदर्य प्रसाधन बाजार में मजबूती को उठाया कदम**

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने निवेशक प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने बच्चों के प्रसाधन क्षेत्र के विशेषज्ञ ब्रिटिश ब्रांड मेटी का भी अधिग्रहण किया है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने इन चार ब्रांड के अधिग्रहण के वित्तीय विवरण साझा नहीं किए हैं, लेकिन कंपनी ने कहा कि वह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनका विस्तार करेगी। कंपनी ने कहा कि सीपीएल ने प्रमुख ग्रूमिंग और बाथिंग क्षेत्र से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी ब्रांड का अधिग्रहण किया है। हमने इन प्रतिष्ठित ब्रांड के वैश्विक अधिकार (कुछ क्षेत्रों को छोड़कर) हासिल कर लिए हैं।

नीली अर्थव्यवस्था केंद्र के रूप में अंडमान को किया जाएगा विकसित : केंद्रीय मंत्री

श्री विजय पुरम, एजेंसी

- **जितेंद्र सिंह ने कहा- भविष्य में भारत का आर्थिक मूल्यवर्धन अनछुए समुद्री संसाधनों से होगा**

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भारत की नीली अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित किया जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि भविष्य में भारत का आर्थिक मूल्यवर्धन अनछुए समुद्री संसाधनों से आएगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीली अर्थव्यवस्था पर सरकार का गहरा ध्यान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस नजरिये को दर्शाता है कि भारत केवल मुख्य भूमि पर ध्यान केंद्रित करके और द्वीप क्षेत्रों तथा तटीय क्षेत्रों को पीछे छोड़कर विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नीली अर्थव्यवस्था और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख समुद्री प्रौद्योगिकी पहलों की समीक्षा की।

उन्होंने अटल सेंटर फॉर ओशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर आइलैंड्स की यात्रा के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों से कहा कि 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में डीप ओशन मिशन निर्णायक भूमिका निभाएगा। सिंह ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2023 और 2024, दोनों वर्षों में स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से डीप ओशन मिशन की घोषणा की थी, जो इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। मंत्री ने कहा कि देश के उत्तरी हिस्सों के लोगों को नीली अर्थव्यवस्था दिखाई नहीं देती होगी, लेकिन यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बहुत अधिक योगदान करता है।

राष्ट्रीय

ममता प. बंगाल को बनाना चाहती हैं बांग्लादेश

एसआईआर रोकने तथा बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए हिंसा भड़काने का भाजपा ने लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- **1905 के बंग भंग से तुलना करते हुए भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का किया घेराव**

पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति की 1905 के बंग भंग से तुलना करते हुए भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर को रोकने तथा बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए हिंसा भड़काकर राज्य को भारत से अलग करने की कोशिश कर रही हैं। पार्टी ने राज्य की जनता से जागृत होकर इसके विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया। ब्रिटिश ने 1905 में बंगाल का विभाजन करने का प्रयास किया था जिसे बंग भंग के नाम से जाना जाता है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि एक हैं तो सेफ हैं। कुछ समूहों को खुश करने के लिए अंग्रेजों ने बंगाल को विभाजित करने की कोशिश की थी। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के तहत पश्चिम बंगाल में भी ऐसी ही स्थिति है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए, कभी-कभी तो ऐसा लगता है मानो बंगाल भारत का एक अलग हिस्सा हो। क्या बंगाल भारत से दूर है? क्या बंगाल अब भी भारत का हिस्सा है? भाजपा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस तरह की शासन प्रणाली स्थापित की है उसने राज्य में आज ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो 1905 में अंग्रेजों द्वारा बंगाल को विभाजित करने के नापाक प्रयास बंग भंग के समान है। अंग्रेज भी कुछ समूहों को प्रसन्न करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने बंगाल को दो भागों में बांटना चाहा था।

हिंसा ने एसआईआर को रोकने की हो रही कोशिश

पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए ''हिंसा के माध्यम से'' पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को असंवैधानिक तरीके से रोकने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में इस समय हिंसा हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 अवरुद्ध है और सभी रेल सेवाएं निलंबित हैं। ट्रेन जलाई जा रही हैं और ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों के गुस्से के कारण हो रही हिंसा बताकर उचित ठहरा रही हैं। अभिषेक बनर्जी का कहना है कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए जाएंगे तभी विरोध प्रदर्शन होंगे। वहां चुनाव अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं। वे आत्महत्या कर रहे हैं, टीएमसी के दबाव के आगे घुटने टेक रहे हैं।

ममता सरकार संवैधानिक प्रक्रियाओं पर कर रही हमला

पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी और उनकी सरकार पश्चिम बंगाल समेत देश की सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं पर हमला कर रही हैं। सीमा पर 72 संवेदनशील स्थल हैं जहां से बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहे हैं। पत्र लिखे जाते हैं और बीएसएफ बार-बार बैठकें करती है, लेकिन ममता इन 72 बिंदुओं पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती हैं। पात्रा ने कहा कि अवैध घुसपैठ से कई जिलों की जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। यह इसलिए है कि क्योंकि उनकी मंशा बंग भंग के माध्यम से पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलना है। पात्रा ने बनर्जी पर तुष्टीकरण की राजनीति की नींव पर बंगाल को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। पात्रा ने पश्चिम बंगाल की जनता से इस तरह के कदम के खिलाफ जागने और एकजुट होने का आह्वान भी किया।

बंगाल में फिर तनाव, सड़क-रेल मार्ग अवरुद्ध

- **मजदूर की मौत को लेकर दूसरे दिन भी मुर्शिदाबाद में आंदोलन**
- **कुछ स्थानों पर पुलिस ने भीड़ हटाने को किया लाठीचार्ज**

कोलकाता, एजेंसी

राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को अवरुद्ध करते लोगों को समझाती पुलिस।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को एक बार फिर तनाव फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-12 और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर हुए आंदोलनों के कारण राज्य के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच सड़क और रेल संपर्क कई घंटों तक बाधित रहने के एक दिन बाद हुई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेलडांगा के बरुआ मोड़ के निकट राजमार्ग पर सैकड़ों स्थानीय लोग इकट्ठे हो गए, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर यातायात ठप हो गया और फंसे हुए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों ने एक रेलवे गेट को भी नुकसान पहुंचाया और ट्रेन सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठी-चार्ज किया है। ताजा विवाद की वजह यह आरोप बना कि इसी क्षेत्र के एक अन्य प्रवासी मजदूर, अनीसुर शेख, के साथ बिहार में बेरहमी से मारपीट की गई। इससे शुक्रवार की हिंसा के बाद मुश्किल से शांत हुआ जनाक्रोश फिर से भड़क उठा। पुलिस ने विरोध स्थल पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए। स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत करने के लिए प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों से बात की। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति को सामान्य और प्रदर्शन को हिंसा में तब्दील होने से रोकने के प्रयास जारी हैं। सुजापुर कुमारपुर निवासी अलाउद्दीन शेख की मौत के बाद से बेलडांगा में शुक्रवार से तनाव व्याप्त है।

सिख गुरुओं पर आतिशी की टिप्पणी से जुड़ा हुआ वीडियो मौलिक : गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दिल्ली विस अध्यक्ष ने कहा- फोरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार नहीं की गई छेड़छाड़**

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सिख गुरुओं के बारे में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की कथित टिप्पणी से संबंधित वीडियो की सत्यता से जुड़ी फोरेंसिक विज्ञान की रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो मौलिक है और इससे कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि इससे इस अहम सवाल का जवाब नहीं मिला कि आतिशी ने गुरु शब्द का उच्चारण किया था या नहीं।

भाजपा ने इसका उपयोग धार्मिक विवाद बढ़ाने को किया, इसके नेताओं पर कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले, आप शासित पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि वीडियो की फोरेंसिक जांच में पाया गया था कि वीडियो से छेड़छाड़ हुई थी। दिल्ली विधानसभा में आप के मुख्य सचेतक संजीव झा ने सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप साझा करने के लिए मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के तहत कार्यवाही की मांग की थी।

गुप्ता ने कहा कि यह क्लिप विपक्षी दल आप के अनुरोध पर आठ जनवरी को फोरेंसिक जांच को भेजी गई थी। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतिशी की कथित टिप्पणी से जुड़ी वीडियो क्लिप मूल थी और इससे कोई छेड़छाड़ नहीं की गई थी। गुप्ता ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने जल्दबाजी में अपनी फोरेंसिक जांच कराई और उसी के आधार पर मामले में प्राथमिकी भी दर्ज करा दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह पूरे मामले की और पंजाब सरकार द्वारा वीडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग करेंगे।

अल-फलाह ने लालकिला विस्फोट से जुड़े चिकित्सकों को बिना पुलिस जांच के किया था नियुक्त : ईडी

नई दिल्ली। फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय ने अन्य विशेषज्ञों सहित तीन चिकित्सकों की नियुक्ति बिना पुलिस जांच या सत्यापन के की थी। इन तीन चिकित्सकों में से दो को एनआईए ने गिरफ्तार किया है और तीसरा लालकिला के पास हुए धमाके का आत्मघाती हमलावर था। ईडी की जांच से यह जानकारी सामने आई है।

विवि के प्रवर्तक के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत एजेंसी ने विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों और शिक्षकों के बयानों को दिल्ली की अदालत में दाखिल आरोपपत्र में संलग्न किया है। अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी (61) और विवि के सभी शैक्षणिक संस्थाओं को नियंत्रित करने वाले अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) धाराओं के तहत दर्ज शिकायत में दो आरोपियों के रूप में नामजद हैं। 260 पन्नों के आरोपपत्र में सिद्दीकी और उनके ट्रस्ट पर छात्रों द्वारा भुगतान की गई फीस से अवैध धन जुटाने और साथ ही अपने संस्थानों की मान्यता और प्रमाणन के बारे में कथित रूप से गलत जानकारी देने के आरोप में मुकदमा चलाने का अनुरोध किया गया है।

लोग दूषित पेयजल से मर रहे, ये है सरकार का शहरी मॉडल : राहुल

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

दूषित पेयजल के कारण मृत हुई लोगों के परिजनों से बात करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल के प्रकोप से कई लोगों की मौत होने को लेकर सरकार पर हमला करते हुए शनिवार को कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर में लोग दूषित पानी पीकर मर रहे हैं और यह पेयजल त्रासदी सरकार की नाकामी का परिणाम है।

गांधी ने भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के प्रकोप से निजी अस्पताल में भर्ती चार मरीजों से मिलकर उनका हाल पूछा और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बाद में भागीरथपुरा पहुंचे और उल्टी-दस्त के प्रकोप से मारे गए लोगों के परिवारों से मिले, उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। गांधी ने कहा कि यह कहा जाता था कि देश को स्मार्ट शहर दिए जाएंगे। इंदौर एक नये मॉडल का स्मार्ट शहर है जिसमें पीने का साफ पानी तक नहीं है। लोगों को डराया जा रहा है।

भेदभाव विरोधी कानून जरूरी

नई दिल्ली। दलित छात्र रोहित वेमुला की मौत के दस साल पूरे होने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति के युवाओं की स्थिति में बदलाव नहीं आया है और देश में भेदभाव विरोधी कानून की जरूरत है। हैदराबाद विवि के छात्र रोहित ने उत्पीड़न के बाद 17 जनवरी 2016 को खुदकुशी कर ली थी। राहुल ने कहा कि रोहित पढ़ना चाहता था। लेकिन इस व्यवस्था को दलित का आगे बढ़ना मंजूर नहीं था।

फर्जी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीईआरटी की नकली पाठ्यपुस्तकों की छपाई और आपूर्ति में शामिल नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 45,000 नकली किताबें बरामद कीं और दो करोड़ मूल्य की छपाई मशीनरी और सामग्री भी जब्त की है।

अधिकारियों ने कहा कि यह गिरोह कई राज्यों में सक्रिय था और शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहा था। दिल्ली और गाजियाबाद में की गई छापेमारी के दौरान 44,862 नकली एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें जब्त की गईं। नकली प्रतियां बनाने में इस्तेमाल होने वाली दो ऑफसेट प्रिंटिंग मशीनें, पेपर रील, स्याही और एल्युमीनियम प्रिंटिंग प्लेट भी जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपियों में शाहदरा के सुमित (35), प्रीत विहार के विनोद जैन (65) और यमुना विहार के कनिष्क (32) है। ये तीनों एनसीईआरटी की नकली पाठ्यपुस्तकों के भंडारण, छपाई और वितरण में शामिल थे। यह कार्रवाई खुफिया जानकारी पर हुई, जिसमें दरियागंज स्थित गोदाम का भंडारण और आपूर्ति के लिए इस्तेमाल हो रहा था।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेना ने श्रीलंका में बनाया बेली ब्रिज

नई दिल्ली। भारतीय सेना के इंजीनियरों ने दित्वा चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका में बी-492 राजमार्ग पर 120 फुट लंबे तीसरे बेली ब्रिज का निर्माण किया है। सेना के अनुसार क्षेत्रीय एकजुटता और मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए मध्य प्रांत में स्थित यह पुल कैंडी और नुवारा एलिया जिलों को जोड़ता है। इससे चक्रवात दित्वा के कारण हुई तबाही के बाद एक महीने से अधिक समय तक बाधित रहे महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग की बहाली हुई है। जाफना और कैंडी क्षेत्रों में सेना की यह तीसरी उपलब्धि है।

हवाई अड्डे पर 2.89 करोड़ का सोना जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने म्यांमा के तीन नागरिकों के पास से 2.89 करोड़ रुपये के 2.15 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है एवं उन पर मामला दर्ज किया है। ये तीनों यात्री 14 जनवरी को म्यांमा के यांगून से दिल्ली पहुंचे थे और टर्मिनल-तीन के अंतर्राष्ट्रीय आगमन क्षेत्र में ग्रीन चैनल से गुजरते समय उन्हें पकड़ा गया। उनकी और सामान की तलाशी लेने पर उनके पास से सोने की 13 ईंट बरामद की गईं। सोने का वजन 2,158 ग्राम जिसका मूल्य 2.89 करोड़ है।

पाकिस्तान में सड़क हादसे में 14 की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रक शनिवार को घने कोहरे के कारण पुल से गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में तड़के हुई। ट्रक में 23 लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे, जो इस्लामाबाद से फैसलाबाद में एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। भारी कोहरे के कारण राजमार्ग बंद होने के कारण ट्रक स्थानीय मार्ग से जा रहा था।

चीन का शिजियान-32 उपग्रह प्रक्षेपण विफल

शीचांग। चीन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शिजियान-32 उपग्रह का प्रक्षेपण शनिवार को विफल रहा। इसके प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट का उपयोग किया गया था। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के प्रक्षेपण केंद्र से रॉकेट ने उड़ान भरी लेकिन एक असामान्य घटना हुई।

समाज के कल्याण में हो प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी

- युवा उद्यमियों से संघ प्रमुख ने कहा टेक्नालॉजी का न बनें गुलाम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। युवा उद्यमियों से बातचीत में भागवत ने इस पर जोर दिया कि स्वदेशी का उपयोग करने का मतलब प्रौद्योगिकी को नकारना नहीं है। यह संवाद संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया।

भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी अपरिहार्य है और अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस पर इस हद तक निर्भर न हो जाएं कि यह हमें नियंत्रित करने लगे। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि व्यापार और उद्योग को केवल लाभ के उद्देश्य से संचालित नहीं किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा, हम सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई के लिए काम करते हैं। आजीविका कमाना और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए।

आरामदायक और सुरक्षित सफर

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा से शनिवार को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। यह ट्रेन पश्चिम बंगाल के हावड़ा से गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच संचालित की जाएगी। अभी जो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, वो दिन में यात्रा के लिए हैं, और उनमें बैठकर यात्रा करने की ही सुविधा उपलब्ध है और उनमें लंबी दूरी की यात्रा थोड़ी मुश्किल है। अब स्लीपर वंदे भारत ट्रेन से रात में यात्रा की सुविधा दी गई है, जिसमें यात्री आराम से बर्थ पर लेटकर यात्रा कर सकेंगे। इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ भारतीय रेलवे ने आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। गति के साथ इस ट्रेन में यात्रियों को तमाम सारी अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी, जो आम भारतीय ट्रेनों के सफर से उन्हें बेहतर अहसास कराएंगी। निकट भविष्य में कई अन्य रूटों यह ट्रेन चलेगी।

एरोडायनामिक्स डिजाइन

- पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बंगाल के हावड़ा से असम के गुवाहाटी के बीच चलेगी, जो पूर्वी भारत को उत्तर पूर्वी भारत से जोड़ने वाला अहम कॉरिडोर है।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से हावड़ा और गुवाहाटी के बीच की यात्रा में अभी करीब 17 घंटे का समय लगता है, जो अब घटकर 14 घंटे रह जाएगा।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 आधुनिक कोच जोड़े गए हैं, जिनमें कुल 1128 यात्री सफर कर सकते हैं।
- इन कोच में एयरोडायनामिक्स डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है, जिससे हवा का दबाव कम पड़ेगा और लोगों को आरामदायक और शांत यात्रा का अनुभव होगा।

आरामदायक बर्थ

- ट्रेन में स्लीपर बर्थ भी बेहद खास हैं और ये शरीर के लिए ज्यादा आरामदायक होंगी और इन पर लोगों को बहुत आराम मिलेगा।
- सामान रखने के लिए भी पर्याप्त स्थान दिया गया है। इसके लिए ओवरहेड रैक और सीट के नीचे भी रैक दी गई हैं। लगेज एरिया भी है, जहां बड़े सूटकेस रखे जा सकेंगे।
- साफ-सफाई पर पूरा जोर है। शौचालय आधुनिक सैनिटेशन तकनीक से लैस हैं।

सुरक्षा कवच से लैस

- कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम से लैस है, जिससे दूसरी ट्रेन से टकराने की आशंका नहीं होगी।
- ट्रेन के सभी कोच में सीसीटीवी कैमरे, आपात टॉक बैक सिस्टम और अग्निशमन उपकरण मौजूद हैं।
- यात्रा को शानदार बनाने के लिए क्षेत्र आधारित खाना परोसा जाएगा, बता दें कि खाने का खर्च बिल में शामिल है।

ट्रैक्शन मोटर सुरक्षा की गारंटी

- वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन दूसरी गाड़ियों से 10-20 फीसदी कम रहता है। रेलगाड़ी के हर पहिए पर लगी ट्रैक्शन मोटर एक सुरक्षित सफर की गारंटी होती है। यही वह तकनीक है, जिससे गाड़ी बिना किसी देरी के स्पीड पकड़ लेती है। इमरजेंसी ब्रेक का इस्तेमाल करना पड़े, तो भी यह गाड़ी बिना ट्रैक छोड़े तुरंत रुक जाती है।
- दिल्ली मेट्रो ट्रेन के पहियों में भी ट्रैक्शन मोटर लगी होती है। इसी के चलते मेट्रो चंद सेकेंड में रफ्तार पकड़ लेती है और तेज गति में होने के बावजूद तुरंत रुक भी जाती है।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। ट्रेन में आधुनिक सस्पेंशन सिस्टम का भी इस्तेमाल किया गया है, जिससे ट्रेन में झटके और कंपन कम होगी और यात्री आरामदायक यात्रा का आनंद ले सकेंगे।

ईरान को अमेरिका की धमकियों का विरोध, बगदाद में सड़कों पर प्रदर्शन

हजारों इराकी नागरिकों, शिया समर्थकों का ईरानी दूतावास के सामने प्रदर्शन

- अमेरिका और इजराइल के विरोध में लोगों ने लगाए नारे

बगदाद, एजेंसी

ईरान को लेकर अमेरिकी धमकियों के खिलाफ इराक की राजधानी बगदाद में एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों इराकी नागरिकों ने भाग लिया। स्पुतनिक संवाददाता ने शनिवार को बताया कि इराक में हजारों आम नागरिकों और शिया समूहों के समर्थकों ने शुक्रवार को अमेरिकी खतरों के बीच ईरानी क्षेत्र पर हमला करने के खिलाफ बगदाद में ईरानी दूतावास के सामने प्रदर्शन किया, जिसमें ईरान और नागरिकों का समर्थन किया गया।

इराकी प्रदर्शकारियों ने अमेरिकी और इजराइली विरोधी नारे लगाए और अमेरिकी और इजराइली झंडे जलाने की कोशिश की। गौरतलब है कि बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने राष्ट्रपति ट्रंप से ईरान पर किसी भी नियोजित अमेरिकी सैन्य हमले को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि ट्रंप ने ईरान पर हमला करने के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। दिसंबर के अंत में ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को विकसित करना जारी रखने की कोशिश करता है, तो वह ईरान पर नए तरह से हमले करेंगे। बाद में, ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि अगर किसी भी प्रदर्शनकारी की हत्या हुई तो वह हमला करेंगे। तब से ट्रंप लगातार ईरान की मौजूदा सरकार के विरोध में बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में प्रदर्शनकारियों को उकसाते हुए कहा था कि यदि उनके खिलाफ ईरान कार्रवाई करेगा तो अमेरिका, ईरान पर बड़ा हमला कर सकता है।

मौलवी की प्रदर्शनकारियों को मृत्युदंड देने की मांग

दुबई। ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों और उनके खूनी दमन के बाद हालात भले ही असहज शांति की ओर लौटते दिखे हों, लेकिन इस्लामिक गणराज्य में सत्ता प्रतिष्ठान के भीतर व्याप्त गुस्सा अब भी साफ नजर आ रहा है। इसी कड़ी में एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों के लिए शुक्रवार को मृत्युदंड की मांग की और सीधे तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी दी। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ 28 दिसंबर को शुरू हुए प्रदर्शन धीरे-धीरे देश की धार्मिक सत्ता को चुनौती देने लगे। फिलहाल तेहरान में प्रदर्शन थम गए हैं। हालांकि, इंटरनेट सेवा अब भी बंद है। इस बीच, कट्टरपंथी मौलवी अयातुल्ला अहमद खातमी ने नमाज के लिए एकत्रित लोगों को दिए अपने उपदेश में नारे लगाने के लिए प्रेरित किया जिनमें से एक नारा था कि सशस्त्र पाखंडियों को मौत के घाट उतार दिया जाए।

फांसी टालने पर ईरान का शुक्रिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक असामान्य कदम उठाते हुए ईरानी सरकार को सैकड़ों राजनीतिक कैदियों को फांसी देने की योजना को टालने के लिए धन्यवाद दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं इस बात की बहुत इज़्ज़त करता हूं कि ईरान के नेतृत्व ने कल होने वाली सभी फांसी (जो 800 से ज़्यादा थीं) रद्द कर दी हैं। धन्यवाद! उल्लेखनीय है कि ईरान ने का शुक्रिया अदा करने से पहले ट्रंप ने कई दिनों तक यह संकेत दिया कि अगर खामेनेई प्रशासन देश भर में फैले विरोध प्रदर्शनों के दौरान बड़े पैमाने पर हत्याएं करता है तो उसे सैन्य हमले के लिये तैयार रहना चाहिये। ईरान में विरोध प्रदर्शन फिलहाल शांत हो गए हैं।

पूर्वी प्रशांत के ऊपर सतर्क रहें विमान चालक

- सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर अमेरिका ने दी चेतावनी

वाशिंगटन। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने अमेरिकी विमान चालकों से मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों के निकट पूर्वी प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और इसके लिए सैन्य गतिविधियों एवं उपग्रह नेविगेशन में हस्तक्षेप का हवाला दिया है। यह चेतावनी शुक्रवार को एफएए द्वारा जारी नोटैम (नोटिस टू एयरमैन) की एक श्रृंखला के तहत जारी की गई। इनमें कहा गया है कि विमान के उड़ान भरने के दौरान और उड़ान के आगमन एवं प्रस्थान चरणों सहित, सभी चरणों पर विमानों के लिए संभावित जोखिम मौजूद हैं। ऐसे नोटिस आमतौर पर उन क्षेत्रों में नियमित रूप से जारी किए जाते हैं जहां आसपास शत्रुतापूर्ण गतिविधियां होती हैं। ये नोटिस कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत में नौकाओं के खिलाफ अमेरिका के लगभग चार महीने से जारी सैन्य हमलों के बीच जारी किए गए हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये नौकाएं मादक पदार्थों की तस्करी कर रही थीं।

आर्कटिक में रूस व चीन का भय दिखाना पश्चिमी देशों का खोखला बहाना

मास्को, एजेंसी

- ग्रीनलैंड के संदर्भ में रूस ने किया पश्चिमी देशों पर पलटवार

नार्वे में रूस के राजदूत निकोलाई कोरचुनोव ने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से बात करते हुए कहा कि आर्कटिक में रूस और चीन की तथाकथित धमकी भरी मौजूदगी को डराने-धमकाने के बहाने के रूप में इस्तेमाल करने की पश्चिम की नीति गलत साबित हुई है और ग्रीनलैंड के संदर्भ में यह उनके अपने ही यूरोपीय समर्थकों के खिलाफ उलटी पड़ गई है।

कोर्चुनोव ने कहा कि कुछ यूरोपीय देश, जो उस क्षेत्र के बाहर हैं, आर्कटिक राज्यों के बीच असहमति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि आर्कटिक में अपनी भूमिका और स्थिति मजबूत कर सकें। राजदूत ने यह भी कहा, जिन देशों के पास जरूरी प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं, वे ग्रीनलैंड में सैन्य मौजूदगी बनाकर इसकी भरपाई करने के लिए खास तौर पर उत्सुक हैं। इसमें उनके अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित करना भी शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बन जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और चीन और रूस से मुक्त विश्व की सुरक्षा के लिए इसकी रणनीतिक अहमियत का हवाला दिया। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों ने अमेरिका को द्वीप पर कब्जा करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि वे अपनी साझा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान चाहते हैं। यह द्वीप 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। 2009 में स्वायत्तता मिलने के बाद भी यह 'डेनमार्क किंगडम' का हिस्सा बना रहा, जिसके पास स्व-शासन और अपनी आंतरिक नीतियां निर्धारित करने की शक्ति है।

पंजाबी गायक बी प्राक को मिली धमकी, 10 करोड़ मांगी रंगदारी

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाबी गायक दिलनूर ने मोहाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उन्हें एक कॉल मिली थी, जिसमें पॉपुलर सिंगर बी. प्राक को धमकी दी गई और उनसे 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। शिकायत के अनुसार, कॉल करने वाले ने खुद को आरजू बिश्नोई बताया, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा हुआ है। आरजू ने दिलनूर से कहा कि वह बी. प्राक को एक सप्ताह के भीतर 10 करोड़ रुपये देने के लिए कहें और मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। दिलनूर, बी प्राक से जुड़े हैं।

दिलनूर को पांच जनवरी को एक अंतर्राष्ट्रीय नंबर से दो मिस्ड कॉल आए थे। बाद में उन्हें एक वॉयस मैसेज प्राप्त हुआ। असत्यापित ऑडियो संदेश में फोन करने वाले को यह कहते हुए सुना गया, आरजू बिश्नोई बोल रहा हूं। बी. प्राक तक संदेश पहुंचा दो कि हमें 10 करोड़ रुपये चाहिए। तुम्हारे पास एक हफ्ते का समय है।

वह किसी भी देश में चला जाए, अगर उससे जुड़ा कोई भी व्यक्ति मिला तो हम उसे नुकसान पहुंचाएंगे। इसे फर्जी कॉल न समझे। अगर वह सहयोग करता है तो ठीक है, नहीं तो बता देना कि हम उसे मिट्टी में मिला देंगे। यह शिकायत मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पास दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ब्रिक्स का नौसैनिक अभ्यास संस्थागत गतिविधि नहीं

नई दिल्ली। तथाकथित ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा नहीं लेने की रिपोर्टों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि वह इसमें इसलिए शामिल नहीं हुआ क्योंकि यह पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की एक पहल है और ब्रिक्स की संस्थागत गतिविधि का हिस्सा नहीं है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत की तथाकथित ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास में भागीदारी नहीं होने के बारे में मीडिया में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में शनिवार को यहां कहा कि जिस अभ्यास का उल्लेख किया जा रहा है, वह पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की एक पहल थी, जिसमें कुछ ब्रिक्स सदस्य देशों ने भाग लिया।

यह न तो कोई नियमित था और न ही कोई संस्थागत ब्रिक्स गतिविधि थी, और न ही सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया। भारत ने अतीत में भी ऐसे किसी अभ्यास में भाग नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में भारत जिस नियमित समुद्री अभ्यास में भाग लेता है, वह आईबीएसएएमएआर है, जिसमें भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाएं शामिल होती हैं। आईबीएसएएमएआर का पिछला संस्करण अक्टूबर 2024 में आयोजित किया गया था।

चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पावर लाइन का संपर्क टूटा

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के डीजी राफेल ग्रासी ने दी जानकारी

ऑस्ट्रिया, एजेंसी

सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन को क्षति पहुंचने के बाद यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने यह जानकारी दी है।

एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर पिछले हफ्ते सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन क्षतिग्रस्त हो गया, जो इसकी ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत ज़रूरी था। इसके बाद एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया। यह घटना एक बार फिर परमाणु सुरक्षा के लिए भरोसेमंद विद्युत ग्रिड बुनियादी संरचना के महत्व को दिखाती है। एजेंसी ने कहा कि यह संपर्क टूटना इस हफ्ते की कई घटनाओं में से एक था जिसमें सैन्य गतिविधि ने यूक्रेन की परमाणु इकाइयों में सुरक्षा को प्रभावित किया। ग्रॉसी ने कहा कि उप-स्टेशन को नुकसान पहुंचने के बाद, चरनोबिल संयंत्र को दूसरी लाइनों से ऊर्जा मिलती रही।

सुरक्षा गारंटी पर अमेरिका से बातचीत करेगा यूक्रेन

कीव। यूक्रेन और अमेरिका की टीमें रूस-यूक्रेन संघर्षविराम को लेकर 17 जनवरी को मियामी में बातचीत के एक और दौर में हिस्सा लेंगी। अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत ओल्गा स्टेफनिशिना ने कहा कि इस बैठक में सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन की आर्थिक समृद्धि पर समझौतों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रूस को विमानन पुर्जे निर्यात करने पर भारतीय को जेल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में 58 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को नियंत्रित विमानन पुर्जों के ओरेगन से रूस तक अवैध निर्यात की साजिश रचने के मामले में ढाई साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में सुनाए गए फैसले में ओरेगन के अमेरिकी अटॉर्नी स्कॉट ब्रैडफोर्ड ने कहा कि संजय कौशिक के कृत्य जानबूझकर किए गए और मुनाफे के उद्देश्य से प्रेरित थे।

उन्होंने कहा कि यह बार-बार किए गए लेन-देन, भारी मुनाफे और प्रतिबंधित रूसी संस्थाओं समेत विदेशी सह-साजिशकर्ताओं के साथ समन्वय से जुड़ी एक सुनियोजित, लाभ-प्रेरित योजना थी। इस आरोपी ने कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए अहम सुरक्षा उपायों को अपने निजी लाभ के लिए कमजोर करने की कोशिश की।

अदालत ने दिल्ली निवासी कौशिक को निर्यात नियंत्रण सुधार अधिनियम का उल्लंघन कर नियंत्रित विमानन पुर्जे तथा नेविगेशन व उड़ान नियंत्रण प्रणाली रूस में अंतिम उपयोगकर्ताओं को निर्यात करने की साजिश रचने के लिए 30 महीने की संघीय जेल और 36 महीने नजरबंद रखने की सजा सुनाई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 19 जनवरी 01.21 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

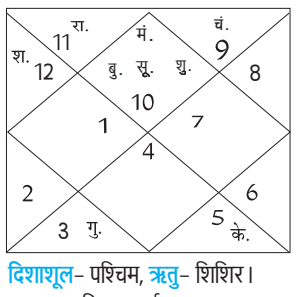

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 10.14 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज ऑफिस का महत्वपूर्ण काम आपके सामने आएगा। सोशल मीडिया पर संवेदनशील और भ्रामक पोस्टों को लाइक शेयर करने से बचें। घर के बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त होगा। विद्यार्थी उच्च शिक्षा की तैयारी करेंगे।

वृष — आज सार्वजनिक क्षेत्रों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। निजी रिश्तों में मधुरता आएगी। अपने ऊपर काम का अतिरिक्त बोझ न लादें। आपके बारे में लोगों की राय मिश्रित रहेगी। आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन — आज आपकी प्रबल इच्छाशक्ति से सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पदोन्नति के योग प्रबल हैं। फाइनेंस संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिलेगा। किसी बड़ी डील से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है।

कर्क — आज पारिवारिक समस्याओं के कारण मन विचलित हो सकता है। छोटे उद्योग कर रहे लोगों को कठिनाई हो सकती है। गलत रास्तों का चुनाव न करें। हार्डवेयर संबंधित कारोबार में लाभ की संभावना बन रही है।

सिंह — आज सिर्फ जरूरी कार्यों को ही प्राथमिकता दें। रिश्तों को लेकर कुछ असमंजस भरी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अपनी कार्यशैली को लेकर आत्ममंथन करेंगे। दिनचर्या का बड़ा समय पढ़ने और शोध आदि में दे सकते हैं।

कन्या — आज संभव है कि आपका विचार अधिक सार्थक हो, लेकिन सही बात कहने पर भी आप निशाने पर लिए जा सकते हैं। घर के कार्यों में भी मन नहीं लगेगा। नशे का सेवन बिल्कुल भी न करें। शेयर मार्केट में बड़ा पैसा निवेश करने से बचें।

तुला — आज धीरे-धीरे अटके मामलों को सुलझा लेंगे। समाज में आपका रसूख बढ़ेगा। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। पैतृक संपदा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। संतान के भविष्य को लेकर कुछ निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक — आज पूर्वनिर्धारित कार्यों की योजना समय से पहले बना लेंगे। समय का सदुपयोग करेंगे। कमीशन और इन्श्योरेंस जैसे कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। आप लोगों के लिए प्रेरणास्तोत्र बनाकर उभरेंगे। एआई फील्ड से जुड़े लोगों को जॉब में काफी मजा आएगा।

धनु — आज व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी प्रोडक्ट क्वालिटी पर ध्यान देना पड़ेगा। अपनी मानसिक स्थिति सकारात्मक बनाकर रखें। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। पुराने संबंधों का लाभ आपको मिलेगा।

मकर — आज आपको अचानक कुछ अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। मधुमेह के रोगियों को दवाओं के प्रयोग में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में सारे कार्य अपनी जिम्मेदारी में करें।

कुंभ — आज व्यवसाय में नए तरीके की योजना अपनानी पड़ेगी। ऑफिस में लोग आपका काफी सहयोग करेंगे। रिटेल कारोबारियों की आय बढ़ सकती है। पहले की गई मेहनत से आपको लाभ मिलेगा। आर्थिक परेशानियों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा।

मीन — आज व्यापार के मामले में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी रिश्तेदार की आपको मदद करनी पड़ सकती है। सहकर्मियों के सहयोग से आपके काम शीघ्र पूरे हो जाएंगे। जॉब के नए अवसर आपको मिल सकते हैं।

सुडोकू-35

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	9		3	2				6
7					1		5	
	2	4		8		3		1
1		8			6		9	7
	5		9			8		
4				7			1	
8		5			4		2	
	7							5
			7		2		3	

सुडोकू - 34 का हल

5	8	3	7	9	1	2	6	4
6	7	2	8	4	3	9	5	1
4	1	9	6	2	5	3	8	7
2	3	8	9	1	6	7	4	5
1	6	4	5	7	2	8	3	9
9	5	7	3	8	4	1	2	6
3	9	6	2	5	7	4	1	8
8	2	1	4	6	9	5	7	3
7	4	5	1	3	8	6	9	2

मुझे नहीं लगता कि जडेजा की फॉर्म किसी तरह से भी चिंता का विषय है। यह केवल एक विकेट की बात है। एक बार वह विकेट मिल जाए तो आपको एक बिल्कुल अलग तरह का गेंदबाज देखने को मिलेगा।
–मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 18 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सौराष्ट्र-विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी का फाइनल आज

बेंगलुरु। बिना किसी स्टार खिलाड़ी के बावजूद अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सौराष्ट्र और विदर्भ के बीच रविवार को यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि दोनों टीम कागजों पर एक समान नजर आती हैं। विदर्भ अपना तीसरा जबकि सौराष्ट्र पहला खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे।

बांग्लादेश ने आईसीसी से ग्रुप बदलने के लिए कहा

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को आईसीसी से कहा कि भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने के लिये टी20 विश्व कप में उसे ग्रुप बी में आयरलैंड की जगह शामिल कर दिया जाए। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है और उसे लीग मैच कोलकाता तथा मुंबई में खेलने हैं। आयरलैंड ग्रुप बी में श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है जिसे अपने मैच कोलंबो और पल्लेकेले में खेलने हैं। आईसीसी की दो सदस्यीय टीम भारत में सुरक्षा इंतजामात को लेकर बीसीबी को आश्वस्त करने के लिए ढाका में थी।

कमलिनी व वैष्णवी पहली बार वनडे टीम में

नई दिल्ली। ऑफ स्पिनर श्रेयांका पाटिल और बल्लेबाज भारती फुलमाली की अगले महीने आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारत की टी20 टीम में वापसी हुई है जबकि विकेटकीपर जी कमलिनी और बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार वनडे टीम में चुना गया है। काशवी गौतम को भी 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी और बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव को बाहर कर दिया गया है। वनडे टीम में शामिल हरलीन देयोल 16 सदस्यीय टी20 टीम में नहीं हैं। दोनों टीमों की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। टीम 15 फरवरी से शुरू हो रहे दौरे पर तीन टी20, तीन वनडे और छह से नौ मार्च तक पर्थ में एक टेस्ट खेलेगी।

एंड्रीवा और मचाक ने जीते खिताब

एडिलेड। तीसरी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने शुरू में 0-3 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को यहां लगातार नौ गेम जीतकर एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर की रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल लेकिन 20 वर्ष से कम उम्र की खिलाड़ियों के बीच था। एंड्रीवा 18 वर्ष और एमबोको 19 वर्ष की हैं। कनाडा की खिलाड़ी एमबोको ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद एंड्रीवा ने उनकी एक नहीं चलने दी और आसानी से मैच अपने नाम करके अपना पांचवां डब्ल्यूटीए खिताब जीता। बाद में पुरुष एकल के फाइनल में थॉमस मचाक ने उगो हम्बर्ट को 6-4, 6-7 (2), 6-2 से पराजित किया।

भारत ने वर्षा बाधित मैच में बांग्लादेश को 18 रनों से हराया

अंडर-19 विश्व कप

बुलावायो, एजेंसी

ऑफ स्पिनर विहान मल्होत्रा ने 14 रन देकर चार विकेट लिए जिसकी मदद से भारत ने अंडर 19 विश्व कप के वर्षा बाधित मैच में शनिवार को बांग्लादेश पर डकवर्थ लुईस प्रणाली से 18 रनों से जीत दर्ज की।

भारत को 49 ओवर के मैच में 238 रन पर आउट करने के बाद बांग्लादेश जीत की ओर बढता दिख रहा था, लेकिन 40 रन के भीतर आठ विकेट गंवा दिये और भारत को लगातार दूसरी जीत तोहफे में दे दी। बांग्लादेशी टीम 28.3 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई। मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ियों को हाथ मिलाते और बातचीत करते देखा गया। भारत अब ग्रुप बी में दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि बांग्लादेश और अमेरिका ने अभी खाता नहीं खोला है।

न्यूजीलैंड ने अभी तक ग्रुप बी में अपने अभियान का आगाज नहीं किया है। बारिश के कारण दूसरी बार डेढ घंटे का खेल बाधित होने के बाद बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। एक समय पर बांग्लादेश ने 20 ओवर में दो विकेट पर 102 रन बना लिये थे और डकवर्थ लुईस प्रणाली से वह 14 रन आगे था। इसके बाद

हालांकि मल्होत्रा की शानदार आफ स्पिन गेंदबाजी के आगे बांग्लादेश ने लगातार विकेट गंवा दिये। मल्होत्रा ने कलाम सिद्दीकी (15), शेख परवेज जिबोन (सात), रिजान हुसैन (15) और समीउन बशीर (दो) के विकेट लिये। बांग्लादेश ने पांच विकेट 33 गेंद के भीतर गंवा दिये। बायें हाथ के स्पिनर खिलन पटेल ने बांग्लादेशी कप्तान अजीजुल हकीम का विकेट लिया जिन्होंने 72 गेंद में 51 रन बनाये थे। हेनिल पटेल ने इकबाल हुसैन इमोन को आउट करके बांग्लादेश की पारी का अंत किया। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और अनुशासित गेंदबाजी से भारत को लगातार दबाव में बनाये रखा।

आक्रामक युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी चिर परिचित अंदाज में नहीं खेल पाये और उन्हें 72 रन की पारी में 67 गेंद खेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाये। अभिज्ञान कुंडू ने दो जीवनदानों का पूरा फायदा उठाते हुए 112 गेंद में चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 80 रन बनाए। बारिश के कारण 65 मिनट का व्यवधान होने के कारण मैच 49 ओवर प्रति टीम कर दिया गया।

टॉस के बाद कप्तानों ने नहीं मिलाए हाथ

भारत और बांग्लादेश के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा क्योंकि शनिवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप ग्रुप ए मैच से पहले दोनों टीमों के कप्तानों ने परंपरा के अनुसार हाथ नहीं मिलाए हालांकि बीसीबी ने बाद में कहा कि उनके कप्तान ने ऐसा जान बूझकर नहीं किया और यह क्षणिक चूक से हो गया। भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे और बांग्लादेश के उप कप्तान जवाद अबरार टॉस के लिए आए थे।

भारत की निगाह घरेलू धरती पर वनडे रिकॉर्ड बरकरार रखने पर

इतिहास रचना चाहेगा न्यूजीलैंड, मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

इंदौर, एजेंसी

अब तक घरेलू धरती पर वनडे में शानदार रिकार्ड रखने वाले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने के लिए रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। न्यूजीलैंड की टीम की निगाह भी श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने पर होगी। तीन मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए श्रृंखला 3-2 से जीती थी लेकिन अब यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है।

न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। उसकी टीम ने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा किया है, लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती है। इस इंतजार को खत्म करने का यह उसके पास संभवतः सबसे अच्छा अवसर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं चाहेंगे कि उनके नेतृत्व में घरेलू मैदान पर टीम को एक और श्रृंखला में हार का सामना करना पड़े। विशेषकर तब जबकि उन्होंने कई अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं।

गंभीर के कोच रहते हुए भारत ने घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच हारे हैं और पहली बार श्रीलंका में वनडे श्रृंखला गंवाई। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में भारत की हार किसी एक असाधारण पारी के कारण नहीं बल्कि न्यूजीलैंड का बीच के ओवरों में शानदार नियंत्रण बनाए रखने के कारण हुई। रिल मिचेल का नाबाद शतक सुनियोजित आक्रामकता पर आधारित था। उन्होंने विशेषकर भारत के स्पिनरों को निशाना बनाया। यह एक ऐसा विभाग है जिसमें भारत हाल के दिनों में संघर्ष करता नजर आ रहा है।

इंदौर में होल्कर स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे, निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्क्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे, आदित्य अशोक।

टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी की झलक

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी के साथ सेल्फी लेतीं युवतियां। एजेंसी

विश्व नंबर वन अन सि यंग खिताब की देहरी पर

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अन सि यंग और इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी 950000 डॉलर ईनामी राशि के इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष फाइनल में पहुंच गए।

इस सत्र में 11 खिताब जीत चुकी शीर्ष वरीयता प्राप्त गत चैम्पियन यंग ने महिला एकल सेमीफाइनल में थाईलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन रेचानोक इंतानोन को 21-11, 21-7 से हराया।

दक्षिण कोरिया की इस खिलाड़ी का सामना अब दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी चीन की वांग झियि से होगा जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चेन यू फेइ को 21-15, 23-21 से हराया। पुरुष एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त क्रिस्टी ने सिंगापुर के पूर्व विश्व चैम्पियन लो कीन यू को 21-18, 22-20 से मात दी। अब उनका सामना कनाडा के विक्टर लेइ या चीनी ताइपै के लिन चुन यि से होगा।

चिड़िया का घोसला गिरने से मैच रुका

चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त लियू शेंग शू और तान निंग और छठी वरीयता प्राप्त कोरिया की बाएक हा ना और ली सो ही के बीच महिला युगल सेमीफाइनल कुछ देर के लिए रोकना पड़ा जब चिड़िया के घोसले से कुछ कोर्ट पर गिरा।

मंधाना की तूफानी पारी से आरसीबी जीती

नवी मुंबई, एजेंसी

कप्तान स्मृति मंधाना शतक से चार रन से चूक गई, लेकिन उनकी बेहतरीन पारी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज की।

आरसीबी पांच टीमों की तालिका में शीर्ष पर है जबकि चार में से तीन मैच हारकर दिल्ली सबसे नीचे है। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 41 गेंद में 62 रन की मदद से 166 रन बनाये थे। एक समय पर दिल्ली का स्कोर दूसरे ओवर में चार विकेट पर 10 रन था लेकिन शेफाली ने पारी को संभाला। मंधाना ने हालांकि उनकी पारी को बेनूर करते हुए आरसीबी को एकतरफा जीत दिलाई। आरसीबी

- **दिल्ली को आठ विकेट से हराकर लगातार चौथी विजय हासिल की**

ने तीसरे ओवर में ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया था लेकिन इसके बाद मंधाना और जॉर्जिया वोल ने दूसरे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी की। आरसीबी ने दस गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मंधाना ने 61 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों के साथ 96 रन बनाए। वहीं आस्ट्रेलिया की वोल ने 42 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों के साथ 54 रन जोड़े। मंधाना ने नंदिनी शर्मा की गेंद पर लूसी हैमिल्टन को कैच दिया लेकिन तब तक टीम की जीत तय कर दी थी। वहीं पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई दिल्ली की टीम ने पहली नौ गेंद में ही दस रन पर चार विकेट गंवा दिए थे और 74 रन पर छह विकेट गिर चुके थे। शेफाली ने 62 रन बनाए।

जीत का जश्न मनातीं यूपी वॉरियर्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | अल्काराज और सिनर से पार पाना होगा बेहद कठिन, आज से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम

नोवाक जोकोविच की निगाह मेजर 25वें खिताब पर

मेलबर्न, एजेंसी

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं।

जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर कहा 2025 में मैंने सिनर या अल्काराज़ के खिलाफ खेले गए चार ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं। जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी खुद को मुकाबले में बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। जोकोविच ने आखिरी बार 2023 में अमेरिकी ओपन के रूप में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तब से सिनर और अल्काराज़ ने आठ खिताब आपस में बांटे हैं। सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले दो बार के चैंपियन हैं जबकि अल्काराज़ मेलबर्न पार्क में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। जोकोविच ने पिछले साल इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अल्काराज को हराया था पर सेमीफाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने से मैच छोड़ना पड़ा था।

रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार हैं वीनस विलियम्स

मेलबर्न। वीनस विलियम्स 45 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में नया रिकार्ड बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी रविवार को यहां कोर्ट पर उतरते ही वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें इस बात का अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें पांच साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश नहीं मिला। वीनस जापान की किमिको दाते का रिकॉर्ड तोड़ेगी जिन्होंने 44 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था। वीनस ने शनिवार को टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा जब तक यह खबर मीडिया में नहीं आई, मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे लिए यह हबहुत खुशी की बात है।

औपचारिक उद्घाटन समारोह में फेडरर होंगे आकर्षण का केंद्र

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले औपचारिक उद्घाटन समारोह में रोजर फेडरर सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। करीब 15000 की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था और आस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी रॉड लावेर भी मौजूद थे जो अपने नाम पर बने मेलबर्न पार्क के सेंटर कोर्ट रॉड लावेर एरिना में बैठे थे। छह बार आस्ट्रेलियाई ओपन और 20 बार ग्रैंडस्लैम जीत चुके फेडरर ने नुमाइशी युगल मैच में पैट राफ्टर और लेटन हेविट के खिलाफ आंद्रे अगासी के साथ खेला। मैच देखने के लिये रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच भी मौजूद थे। आस्ट्रेलियाई ओपन मुख्य दौर के एकल मुकाबले रविवार से शुरू होंगे। फेडरर 2021 के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया आये है।

यूपी वॉरियर्स की मुंबई इंडियंस पर लगातार दूसरी विजय

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- **कप्तान मेग लैनिंग और फीबी लिचफील्ड ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां**

यूपी वॉरियर्स ने कप्तान मेग लैनिंग (70 रन) और फीबी लिचफील्ड (61) के अर्धशतकों और दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों टीम तीन दिन में दूसरी बार आमने सामने हुईं। दोनों ही बार यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को पराजित किया। लैनिंग की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने आठ विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी।

मुंबई इंडियंस की आधी टीम 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद अमेलिया केर (नाबाद 49 रन) और अमनजोत कौर (41 रन) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 45 गेंद में 83 रन की भागीदारी की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यूपी वॉरियर्स ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर खाता खोला था। अब दोनों टीमों के पांच मैच में चार चार अंक हैं। यूपी वॉरियर्स के लिए शिखा पांडे ने 30 रन देकर दो विकेट झटके जबकि क्रांति गौड़, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन और क्लो ट्रायोन को एक एक विकेट मिला। मुंबई इंडियंस के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 18 रन, नटाली साइवर ब्रंट ने 15, हैली मैथ्यूज ने 13 रन और सजीवन सजना ने 10 रन बनाए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे लगातार पांचवें मैच में असफल रहीं और पहले ही ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की महान क्रिकेटर लैनिंग ने हमवतन लिचफील्ड के साथ महज 76 गेंद में 119 रन की भागीदारी निभाकर टीम के प्रतिस्पर्धी स्कोर की नींव रखी। लैनिंग ने 45 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और दो छक्के जमाए जबकि उभरती हुई स्टार लिचफील्ड ने 37 गेंद में सात चौके और तीन छक्के जड़े। पर 13वें ओवर में अमनजोत कौर ने लिचफील्ड को आउट किया जिससे यूपी वॉरियर्स को 124 रन पर दूसरा झटका लगा। अगले ओवर में लैनिंग भी पवेलियन लौट गईं जिससे स्कोर तीन विकेट पर 136 रन हो गया। हरलीन देओल ने 25 व क्लो ट्रायोन ने 21 रनों का योगदान दिया।